www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024 | वर्ष-16 | अंक -271 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

राजनीति को राष्ट्र के विकास में बाधा नहीं बनना ... 02

- राजधानी में मोहल्ला क्लीनिक में काल्पनिक...
- राम मंदिर के सहारे दक्षिण फतह की भाजपा कर ... 03

- नेपाल, भारत ने द्विपक्षीय समझौतों की समीक्षा की
- पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ पारस्परिक हित ... 07

काजल अग्रवाल का 2024 का 'आदर्श वाक्य' है ... 10

केपटाउन टेस्ट में भारत की ऐतिहासिक जीत

दूसरे टेस्ट में द. अफ्रीका को सात विकेट से हराया

केपटाउन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में सात विकेट से जीत हासिल की। गुरुवार को मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया ने 79 रन के लक्ष्य को तीन विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इससे पहले आज जसप्रीत बुमराह के छह विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने दूसरे टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को गुरुवार को दूसरी पारी में 176 रन पर ढ़ेर कर दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया। उसने पहली बार केपटाउन के न्यूलैंड्स ग्राउंड पर टेस्ट मैच में जीत हासिल की है। 31 साल तक भारत को इस जीत के लिए इंतजार करना पड़ा। रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम इंडिया को पहले मैच में पारी और 32 रन से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। केपटाउन में भारतीय खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। उनके सामने मेजबान टीम पस्त हो गई।

केप टाउन टेस्ट 2 दिन में खत्म

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच केप टाउन में खेला गया टेस्ट मैच 2 दिन में ही खत्म हो गया। टेस्ट क्रिकेट के 147 साल के इतिहास में ऐसा सिर्फ 25वीं बार हुआ है। भारत के लिए यह सिर्फ तीसरा मौका है जब उसकी भागीदारी वाले मैच का नतीजा दो दिन में आ गया। भारत ने ऐसे तीनों टेस्ट में जीत हासिल की है।

दूसरी बार दक्षिण अफ्रीका में सीरीज ड्रॉ

भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के मैदान पर दूसरी बार टेस्ट सीरीज ड्रॉ कराने में सफल रही। पिछली बार 2010-11 में ऐसा हुआ था। तब महेंद्र सिंह धोनी कप्तान थे। टीम इंडिया पहले टेस्ट में हारने के बाद दूसरा जीती थी और तीसरा मुकाबला ड्रॉ रहा था। अब रोहित शर्मा वहां सीरीज ड्रॉ कराने वाले दूसरे कप्तान बन गए।

मेरी ईमानदारी पर चोट करना चाहती है भाजपा : केजरीवाल

- दिल्ली के मुख्यमंत्री ने ईडी के समन को गैरकानूनी बताया
- सारी एजेंसियां कई बार छापे मार चुकी हैं, कुछ नहीं मिला

सच्चाई यह है कि किसी भी तरह का कोई भ्रष्टाचार हुआ ही नहीं है। किसी के भी खिलाफ कुछ भी साबित नहीं हो रहा है : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) झूठे आरोप और फर्जी समन भेजकर उन्हें बदनाम करना चाहती है और उनकी ईमानदारी पर चोट करना चाहती है। श्री केजरीवाल ने आज यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, पिछले दो सालों से तथाकथित शराब घोटाला का शब्द सभी ने कई बार सुना होगा। दो साल से भाजपा की सारी एजेंसियां कई बार छापे मार चुकी हैं और कई लोगों को गिरफ्तार कर चुकी हैं, लेकिन अभी तक कहीं से एक भी पैसे का हेर-फेर नहीं मिला। अगर वास्तव में भ्रष्टाचार हुआ है तो करोड़ों रुपए कहां गए? क्या सारा पैसा हवा में गायब हो गया। सच्चाई यह है कि किसी भी तरह का कोई भ्रष्टाचार हुआ ही नहीं है। ऐसे फर्जी केस में इन्होंने आम आदमी पार्टी के कई नेताओं को अभी तक जेल में रखा हुआ है। किसी के भी खिलाफ कोई सबूत नहीं हैं और कुछ भी साबित नहीं हो रहा है।

केजरीवाल ईडी के पास जाने से इसलिए डर रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि जैसे ही सवालों से उनकी नजर मिलेगी, उनके कदम डगमगा जाएंगे : सुधांशु त्रिवेदी, भाजपा प्रवक्ता

मुझे गिरफ्तार करना चाहती है

उन्होंने कहा कि अब भाजपा उन्हें गिरफ्तार कराना चाहती है लेकिन उनकी सबसे बड़ी संपत्ति और ताकत उनकी ईमानदारी है। उन्होंने कहा, झूठे आरोप लगाकर और फर्जी समन भेजकर ये मुझे बदनाम करना चाहते हैं और मेरी ईमानदारी पर चोट करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वह पत्र लिखकर प्रवर्तन निदेशालय को बता चुके हैं कि यह समन क्यों गैरकानूनी हैं लेकिन उन्होंने उनकी एक भी बात का जवाब नहीं दिया है। श्री केजरीवाल ने कहा, इसका मतलब ये है कि उनके पास मेरी बातों का कोई जवाब नहीं है। इसका मतलब ये है कि वे भी मानते हैं कि उनकी नोटिस गैरकानूनी है।

सार संक्षेप

संजय सिंह ने जमानत के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत की मांग करते हुए गुरुवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया। सिंह ने यह कदम तब उठाया, जब राउज़ एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल ने 22 दिसंबर को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। 21 दिसंबर को ट्रायल कोर्ट ने मामले में आप नेता की न्यायिक हिरासत भी बढ़ा दी थी।

कश्मीर में सीमाओं पर विशेष जांच चौकियां स्थापित

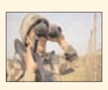

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने शीतकालीन सुरक्षा रणनीति के तहत केन्द्र शासित प्रदेश की सीमाओं पर विशेष जांच चौकियां स्थापित की गई हैं, जिससे घने कोहरे में घुसपैठियों को रोका जा सके। इन दिनों सीमा पर घना कोहरा छाया हुआ है, जिसके मद्देनजर सुरक्षा बलों ने सीमा पार से घुसपैठ की कोशिशों को नाकाम करने के लिए शीतकालीन रणनीति तैयार की है।

हाटी को जनजातीय दर्जा देने पर 18 मार्च तक रोक

शिमला। हाटी समुदाय को जनजातीय का दर्जा देने का मामला एक बार फिर से लटक गया है। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने सरकार की अधिसूचना के लागू होने पर 18 मार्च तक के लिए रोक लगा दी है। एससी समुदाय की तरफ से हाटी को जनजातीय दर्जा देने को लेकर उच्च न्यायालय में अपील की गई, जिस पर गुरुवार को न्यायालय ने अंतरिम आदेश जारी किए।

वाइस एडमिरल त्रिपाठी ने नौसेना उप प्रमुख का कार्यभार संभाला

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने यहां नौसेना के उप प्रमुख का पदभार संभाल लिया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि दी।

कांग्रेस ने भारत न्याय यात्रा का नाम बदला

भारत जोड़ो न्याय यात्रा दिया नाम

15 राज्यों के 110 जिलों से गुजरेगी, 6713 किलोमीटर की दूरी करेगी तय

- 14 जनवरी से शुरू होकर 20 मार्च को खत्म होगी यात्रा
- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हरी झंडी दिखाएंगे

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी लोकसभा चुनाव से पहले एक बार फिर यात्रा पर निकल रहे हैं। उनकी यह यात्रा 14 जनवरी से शुरू होकर 20 मार्च को खत्म हो जाएगी। लेकिन इस यात्रा का नाम बदलकर अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा कर दिया गया है। पहले इसका नाम भारत न्याय यात्रा दिया गया था। इसकी जानकारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दी। संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहाकि यात्रा की शुरुआत मणिपुर की राजधानी इम्फाल से होगी। इसे कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी इस यात्रा के दौरान सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पर अपने विचार जनता के सामने रखेंगे।

100 लोकसभा सीटें को कवर करेगी यात्रा

जयराम रमेश ने बताया कि राहुल गांधी की यह यात्रा 15 राज्यों के 110 जिलों से गुजरेगी और इस दौरान 6713 किलोमीटर की यात्रा तय होगी। इसके दायरे में 100 लोकसभा सीटें आएगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी बस से और पैदल यह यात्रा पूरी करेंगे। इसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को भी न्योता दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने बताया कि राहुल गांधी की यह भारत जोड़ो न्याय यात्रा 67 दिनों तक चलेगी। मणिपुर से शुरू हुई यह यात्रा मुबंई पहुंच कर खत्म हो जाएगी। जयराम रमेश ने दावा किया कि राहुल की अगुवाई में भारत जोड़ो यात्रा जो कन्याकुमारी से कश्मीर तक निकाली गई थी। जिसमें 4000 किलोमीटर की दूरी तय हुई थी,उसने पूरे देश का राजनीतिक माहौल बदल दिया था।

कांग्रेस ने चुनाव के लिए कसी कमर, बैठकों का दौर तेज

मतभेद भुलाकर टीम की तरह काम करें नेता : खड़गे

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कांग्रेस पार्टी कमर कसकर तैयार हो गई है। पार्टी में बैठकों का दौर तेज हो गया है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी नेताओं से कहा है कि लोकसभा चुनाव में जीत सुनिश्चित करने के लिए अगले तीन माह तक सभी नेता खुद को पार्टी के लिए समर्पित कर दें। उन्होंने नसीहत दी कि सभी लोग अपने-अपने मतभेदों को भुलाएं। पार्टी की जीत सुनिश्चित करने के लिए एक टीम के रूप में सभी मिलकर काम करें। उन्होंने कहाकि दिन-रात काम करके वे लोकसभा चुनाव के बाद एक वैकल्पिक सरकार देने में सफल होंगे। इस बैठक में खड़गे के अलावा कांगेस नेता राहुल गांधी, सभी पार्टी महासचिव, कई राज्यों के प्रभारी और राज्य इकाईयो के प्रमुख व कई नेता मौजूद रहे। बैठक में प्रदेश इकाईयों ने सीट बंटवारे में ज्यादा से ज्यादा सीटें लेने की मांग की।

शर्मिला की पार्टी का कांग्रेस में विलय

नई दिल्ली। तेलंगाना में जीत के बाद कांग्रेस पार्टी को दक्षिण भारत में उत्साह का उस समय एक और अवसर मिला जब गुरुवार को वाईएसआर तेलंगाना की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूसरी जन संपर्क यात्रा से पहले राजधानी में कांग्रेस मुख्यालय पर पार्टी के शीर्ष नेताओं के जमावड़े के बीच सुश्री शर्मिला ने कांग्रेस में शामिल होने की घोषणा की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे , पार्टी नेता राहुल गांधी और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने सुश्री शर्मिला का पार्टी में स्वागत किया। सुश्री शर्मिला ने इस मौके पर कहा, आज से वाईएसआर तेलंगाना पार्टी अब कांग्रेस में मिल गई है और इस मिलन से मुझे खुशी है। शर्मिला ने राहुल की भी सराहना की।

जगन मोहन की बहन है शर्मिला

802 करोड़ के खरीद समझौते किए

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय ने सैन्य उपकरणों की खरीद के लिए निजी क्षेत्र की कंपनियों के साथ ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड और बीईएमएल लिमिटेड के साथ 802 करोड़ रुपए की लागत के दो समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने 697 बोगी ओपन मिलिट्री वैगनों की खरीद के लिए ज्यूपिटर वैगन्स लिमिटेड के साथ 473 करोड़ रुपए तथा 56 मैकेनिकल माइनफील्ड मार्किंग इक्विपमेंट (एमएमएमई) मार्क दो की खरीद के लिए बीईएमएल लिमिटेड के साथ 329 करोड़ रुपए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। यह खरीद (भारतीय-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत की जाएंगी। इसके लिए ये कंपनियां स्वदेशी इकाईयों से सैन्य उपकरणों और उप-प्रणाली खरीदेंगी।

नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों की सजा का मामला

कतर की सर्वोच्च अदालत में अपील करेगा भारत

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कतर में सज़ायाफ्ता भारतीय नौसेना के आठ पूर्व अधिकारियों की सज़ा के खिलाफ वहां की सर्वोच्च अदालत में 60 दिन के भीतर अपील की जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने आज यहां नियमित ब्रीफिंग में कतर की अपीलीय अदालत के 28 दिसंबर के फैसले के बारे में एक सवाल के जवाब में कहा कि हमारी कानूनी टीम के पास कतर की अपीलीय अदालत का आदेश है जो गोपनीय है। कतर की सर्वोच्च अदालत में अपील करने के लिए 60 दिन का समय है। हम सर्वोच्च अदालत में अपील करेंगे। हम परिवार के सदस्यों और कानूनी टीम के संपर्क में हैं। उल्लेखनीय है कि कतर में जासूसी के आरोप में आठ पूर्व नौसैनिक अधिकारियों की मौत की सजा के मामले में 28 दिसंबर को अपीलीय अदालत ने अपना फैसला सुनाया और उनकी सजा को अलग अलग कारावास में बदल दिया गया।

- विदेश मंत्रालय ने कहा, हम परिवार व कानूनी टीम के संपर्क में

ये है मामला

कतर में स्थित अल दहरा ग्लोबल टेक्नोलॉजी में काम कर रहे आठ भारतीयों को अगस्त में कथित जासूसी के मामले में पकड़ा गया था। फिर इन सभी को 26 अक्टूबर को मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि कतर ने आरोपों को लेकर अधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

अभी कड़ाके की ठंड से नहीं मिलेगी राहत

- उत्तर भारत के कई हिस्सों में और ठंड बढ़ने के आसार
- मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाया रहेगा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु) उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में अगले दो दिनों तक कड़ाके की ठंड पड़ने के आसार है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को अपने बुलेटिन में यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने भविष्यवाणी की है कि अगले तीन दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम और पूर्वी भारत के मैदानी इलाकों के कुछ हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाए रहने और उसके बाद धीरे-धीरे कम होने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर भारत के बाकी हिस्सों में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है। विभाग ने कहा चार से छह जनवरी के दौरान पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों में रात एवं सुबह कुछ घंटों के लिए बहुत घने कोहरे की स्थिति बनी रहने की संभावना है। सात जनवरी को अलग-अलग इलाकों में और उसके बाद के दो दिनों में अलग-अलग हिस्सों में घना कोहरा छाया रहेगा। पांच और छह जनवरी को पश्चिमी राजस्थान के अलग-अलग इलाकों में और सात जनवरी को अलग-अलग हिस्सों में सुबह कुछ घंटों के लिए घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। आईएमडी ने कहा कि बिहार के अलग-अलग इलाकों में पांच जनवरी को सुबह कुछ घंटों के लिए घना कोहरा और छह और सात जनवरी को कुछ हिस्सों में घना कोहरा रहेगा।

लगातार बढ़ रहे कोरोना के मामले

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। देश में कोरोना के जेएन1 वेरिएंट के मरीज लगातार बढ़ रहे हैं। यह वेरिएंट अब तक 11 राज्यों में पांच पसार चुका है। मंगलवार तक इसक मरीजो की संख्या 511 तक पहुंच गई। वहीं भारत में बीते 20 दिनो से कोरोना के औसतन 500 मामले रोजाना आ रहे है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी किए गए आकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे के दौरान देश में कोरोना के 760 नए मरीज सामने आए है। जबकि 5 लोगों की मौत हुई है। फिलहाल कोरोना के सक्रिय मामले बढकर 4423 हो गए है। लगातार बढ़ते मामलों को लेकर केंद्र ने सभी राज्य सरकारो से कहा है कि वह कोरोना की रफ्तार पर नजर रखें। साथ ही जिनोम टेस्टिंग कराने का भी राज्यों को निर्देश दिया गया है। आंकड़े बता रहे हैं कि अभी केरल और कर्नाटक में सबसे ज्यादा कोरोना मरीज मिल रहे हैं इन राज्यों में टेस्टिंग बढा दी गई है और जीनोम की जांच भी कराई जा रही है। ताकि वायरस के बदलाव पर नजर रखी जा सके।

20 दिनो से कोरोना के औसतन 500 मामले रोजाना आ रहे

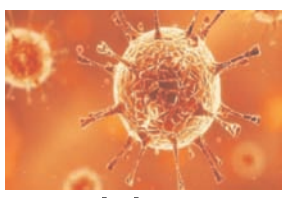

24 घंटे में 760 नए मामले, 5 की मौत

रश्मि शुक्ला महाराष्ट्र की पहली महिला डीजीपी बनीं

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कई दिनों के टाल-मटोल के बाद, महाराष्ट्र सरकार ने वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला को राज्य का नया पुलिस महा निदेशक (डीजीपी) नियुक्त किया। वो इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला हैं। 1998 बैच की आईपीएस अधिकारी शुक्ला वर्तमान में सीमा सशस्त्र बल की महानिदेशक हैं। वो डीजीपी रजनीश शेठ का स्थान लेंगी। इससे पहले वे पुणे पुलिस कमिश्नर, महाराष्ट्र में खुफिया विभाग की चीफ रह चुकी हैं। शुक्ला को बीजेपी सरकार के करीबी के तौर पर देखा जाता था, इसलिए साल 2019 में महाविकास अघाड़ी की सरकार आने के बाद उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ा था।

डीजीपी रजनीश शेठ का स्थान लेंगी

राजनीति *भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी लड़ सकते हैं लोकसभा चुनाव*

राज्यसभा सांसदों को लोकसभा चुनाव लड़वाने की तैयारी में भाजपा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा राज्यसभा से आने वाले दिग्गज सांसदों, जिनमें से कई केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री भी हैं, को लोकसभा के चुनावी मैदान में उतारने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने इन नेताओं को एक बार फिर से यह स्पष्ट कर दिया है कि पार्टी राज्यसभा में लगातार तीसरी बार किसी नेता को नहीं भेजने की नीति का कठोरता से पालन करेगी।

इन दिग्गज सांसदों में से कुछ ने पार्टी आलाकमान से दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ने की इच्छा भी व्यक्त की। लेकिन, पार्टी ने लगभग सभी को अपने-अपने गृह राज्य में सीट ढूंढने को कहा है। बताया यह भी जा रहा है कि ऐसे दिग्गज राज्यसभा सांसदों को प्रोत्साहित करने और कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा स्वयं भी लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, नड्डा को देशभर में पार्टी नेताओं को चुनाव लड़वाना भी है।

कुछ ने पार्टी से लोकसभा का चुनाव लड़ने की इच्छा भी जताई

धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव भी लड़ सकते हैं चुनाव

दरअसल, भाजपा ने एक साल पहले जनवरी 2023 में ही राज्यसभा से आने वाले सरकार के दिग्गज मंत्रियों को यह स्पष्ट संकेत दे दिया था कि वे लोकसभा चुनाव लड़ने की तैयारी करें क्योंकि पार्टी उन्हें फिर से राज्यसभा भेजने की बजाय नए चेहरों को मौका देना चाहती है और उनकी वरिष्ठता एवं प्रभाव का सदुपयोग लोकसभा में करना चाहती है। इसमें खासतौर से वो मंत्री शामिल हैं जिन्हें पार्टी पहले दो या तीन बार राज्यसभा भेज चुकी है। राज्यसभा से आने वाले धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, मनसुख मंडाविया, परशोत्तम रूपाला, पीयूष गोयल और निर्मला सीतारमण सहित कई कद्दावर केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ते नजर आ सकते हैं। राज्यसभा से आने वाले कई अन्य दिग्गज मंत्रियों, जिनका राज्यसभा का टर्म 2026 और 2028 में समाप्त हो रहा है, लेकिन, पार्टी इनमें से भी कई दिग्गजों को लोकसभा का चुनाव लड़वा सकती है। इस लिस्ट में केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण शामिल हैं। दोनों ही मंत्रियों को अब तक भाजपा तीन-तीन बार राज्यसभा भेज चुकी है।

देश

उवाच

“नीतीश कुमार को यदि 'इंडिया' गठबंधन का संयोजक बनाए जाने का कोई प्रस्ताव आता है तो बिहार के लिए अच्छा ही है। हम लोग इकट्ठा ही हुए हैं कि हर हाल में भाजपा को हराने के लिए। इसके लिए हम लोग आगे की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार है।

-तेजस्वी यादव, बिहार के उप मुख्यमंत्री

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	12.0	06.0
मुंबई	26.0	22.0
कोलकाता	21.0	15.0
चेन्नई	26.0	24.0

राजनीति को राष्ट्र के विकास में बाधा नहीं बनना चाहिए : धनखड़

नई दिल्ली/जम्मू, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि प्रतीक नागरिक को राजनीति में भाग लेने का अधिकार है लेकिन राजनीति को राष्ट्र के विकास में बाधा नहीं बनना चाहिए। धनखड़ ने जम्मू-कश्मीर में शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अनुच्छेद 370 और 35 ए लोकतांत्रिक प्रणाली में बाधा थे।

- उपराष्ट्रपति ने स्कॉस्ट जम्मू के दीक्षांत समारोह को किया संबोधित
- अनुच्छेद 370 व 35 ए लोकतांत्रिक प्रणाली में बाधा थे

उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 अब भारतीय संविधान का हिस्सा नहीं है। यह डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना है जो वास्तविकता में बदल गया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को राजनीति में भाग लेने का अधिकार है, लेकिन राजनीति को प्रगति में बाधा नहीं बनने देना चाहिए। इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव डॉ. राजेश गोखले, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के सचिव डॉ. एन कलैसेलवी और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

धनखड़ ने कहा कि संविधान का एक अस्थायी प्रावधान राष्ट्र के लिए हानिकारक हो गया, जिससे एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो गया जिसने क्षेत्र के लोगों को विकलांग बना दिया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में समाज के जिन वर्गों को पहले सरकारी योजनाओं के तहत उनके अधिकारों और लाभों से वंचित किया गया था, अब उनकी आवाज बुलंद है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370 अब संविधान का हिस्सा नहीं रहा है। धनखड़ ने कठुआ में एक अन्य कार्यक्रम उत्तर भारत में उभरते स्टार्टअप रुख पर बायोटेक स्टार्टअप एक्सपो के उद्घाटन को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी राष्ट्र की वृद्धि और प्रगति के लिए शांति और स्थिरता, समानता, पारदर्शिता और जवाबदेही, महत्वपूर्ण है। प्रतिभा आधारित तंत्र और महिलाओं का सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है। उन्होंने उन अवसरों की ओर ध्यान आकर्षित किया जो जम्मू-कश्मीर की महिलाओं के लिए खुल गए हैं, जिनमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अलावा, अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद संपत्ति के अधिकार भी शामिल है। वहीं दूसरी ओ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा कि जम्मू कश्मीर एचएडीपी के माध्यम से एक आधुनिक और टिकाऊ कृषि और संबद्ध उद्योग के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

शैक्षणिक संस्थानों को किसानों के लिए इनपुट लागत को कम करने और कौशल और तकनीकी सहायता के साथ उत्पादन को अधिकतम करने के लिए अभिनव दृष्टिकोण अपनाना होगा।

590 विद्यार्थियों को कीं डिग्रियां वितरित

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्कॉस्ट जम्मू के दीक्षांत समारोह में 590 विद्यार्थियों को डिग्रियां वितरित कीं। इसके अलावा 11 विद्यार्थियों को विभिन्न वर्गों में स्वर्ण पदक दिए गए, जिनमें 10 पदक बेटियों ने हासिल किए। उपराज्यपाल ने जम्मू कश्मीर में कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के दावे किए। इस अवसर पर उपराज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों, शोधकर्ताओं, नवप्रवर्तकों को बधाई दी, जो कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए उत्कृष्टता केंद्र बनाने में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि एग्री इनोवेशन, एग्री टेक्नोलॉजी और प्रोसेस्ड फूड में एक बड़ा अवसर भारत के इंतजार में है। स्कॉस्ट जैसे संस्थान खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में क्रांति लाने के लिए अत्याधुनिक तकनीक और नए तरीके बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

पुलिस महानिदेशकों के सम्मेलन में हिस्सा लेंगे मोदी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को जयपुर के राजस्थान अंतरराष्ट्रीय केंद्र में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। शुक्रवार से शुरू होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन में साइबर अपराध, पुलिस प्रणाली में प्रौद्योगिकी, आतंकवाद विरोधी चुनौतियां, वामपंथी उग्रवाद, जेल सुधार और आंतरिक सुरक्षा मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन का एक अन्य प्रमुख एजेंडा नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के लिए रोड मैप पर विचार-विमर्श करना है।

इसके अतिरिक्त, पुलिस व्यवस्था और सुरक्षा में भविष्य के विषयों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डीपफेक जैसी नई प्रौद्योगिकियों द्वारा उत्पन्न चुनौतियों तथा उनसे निपटने के तरीकों पर भी चर्चा होगी। सम्मेलन ठोस कार्य बिंदुओं की पहचान करने और उनकी प्रगति की निगरानी करने का अवसर भी है। प्रधानमंत्री ने सत्ता में आने के बाद से पुलिस महानिदेशकों के सम्मेलन में गहरी रुचि ली है।

पहले प्रधानमंत्रियों की प्रतीकात्मक उपस्थिति के विपरीत मोदी सम्मेलन के सभी प्रमुख सत्रों में उपस्थित रहते हैं। प्रधानमंत्री स्वतंत्र और अनौपचारिक चर्चा को भी प्रोत्साहित करते हैं ताकि नए विचार सामने आ सकें। इस वर्ष के सम्मेलन में नाश्ते, दोपहर और रात के भोजन पर अनौपचारिक विषयगत चर्चा की भी योजना बनाई गई है। इससे वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को देश को प्रभावित करने वाले प्रमुख पुलिस व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा मुद्दों पर अपने विचार और सिफारिशें प्रधानमंत्री के साथ साझा करने का अवसर मिलेगा।

कश्मीर के कुलगाम में मुठभेड़ के बाद आतंकी भाग निकले

सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर इलाका खंगाला

जम्मू, 4 जनवरी (देशबन्धु)। कश्मीर के कुलगाम में पिछले 12 घंटों से जिन दो से तीन आतंकियों के साथ मुठभेड़ चल रही थी वे अंधेरे और कोहरे का लाभ उठा कर भाग निकलने में कामयाब हुए हैं। इस बीच एलओसी से सटे पुंछ के कई इलाकों में संदिग्धों के प्रति जानकारी मिलने के बाद छेड़ा गया तलाशी अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के हदीगाम गांव में बुधवार शाम सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में फंसे आतंकवादी भाग निकले हैं। सूत्रों ने बताया कि हदीगाम गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक इनपुट के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया गया था।

उन्होंने बताया कि आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच थोड़ी काफी देर के लिए गोलीबारी हुई और अंधेरे के कारण आप्रेशन रात के लिए रोक दिया गया था। सुरक्षाबलों को हादीगाम गांव आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी। इसके बाद सर्च आप्रेशन चलाया गया। इसी दौरान छिपे आतंकियों ने जवानों पर फायरिंग की। इसके बाद से ही एनकाउंटर जारी था। मुठभेड़ स्थल पर जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स और सेना के जवान मौजूद रहे थे। सुरक्षाबलों ने इलाकों की घेराबंदी कर ली थी और किसी को भी आने-

जाने की अनुमति नहीं दी थी। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुरुवार सुबह इलाके में तलाशी अभियान फिर से शुरू किया और घेराबंदी का विस्तार किया, लेकिन छिपे हुए आतंकवादियों के साथ कोई ताजा संपर्क स्थापित नहीं हुआ है। सूत्रों ने कहा कि हो सकता है कि आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भागने में सफल रहे हों। इस बीच एलओसी से सटे पुंछ जिले के वन क्षेत्र में संदिग्ध देखे जाने के बाद बुधवार को सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चलाया गया वह गुरुवार भी जारी रहा। जिला पुंछ के मेंढर के कचलबाड़ी और मंडी के अड़ाई के जंगली इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखे जाने के बाद सर्च आप्रेशन चलाया गया।

पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की टीमें ने इलाके की घेराबंदी कर ली है। इलाका खंगाला जा रहा है। सूत्रों ने कहा कि घुसपैठ की दृष्टि से संवेदनशील माने जाने वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त जांच चौकियां स्थापित करके विशेष निगरानी रखी जाएगी।

सार संक्षेप

कुपवाड़ा में आग लगने से पचास दुकानें जलीं

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को भीषण आग लगने से कम से कम पचास दुकानें व पांच आवासीय कमरे जल गए और इसके कारण करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। कुपवाड़ा के अग्निशमन व आपातकालीन सेवा ने बताया कि कुपवाड़ा के दार गली मुख्य बाजार में आज तड़के लगभग 4.33 बजे एक दुकान में आग लग गई और उसने अन्य दुकानों को भी अपनी चपेट में ले लिया। इसके कारण 16 दुकानों व पांच आवासीय कमरों को भारी नुकसान हुआ।

लालदुहोमा ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। मिजोरम के मुख्यमंत्री पु. लालदुहोमा ने गुरुवार को राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने डिजिटल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी इसकी जानकारी देते हुए लिखा, मिजोरम के मुख्यमंत्री पु.लालदुहोमा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस पोस्ट में श्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री की फोटो भी जारी की गयी है।

ओडिशा में सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत

भुवनेश्वर। ओडिशा के मयूरभंज जिले के बंगिरीपोसी में गुरुवार तड़के एक तेल टैंकर और कंटेनर की भिड़ंत में दो लोगों की मौत हो गई। बंगिरीपोसी पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक ने कहा, सुबह करीब 7.30 बजे लुब्रिकेंट ऑयल ले जा रहा एक टैंकर बंगिरीपोसी घाटी पर विपरीत दिशा से आ रहे एक कंटेनर से टकरा गया। दोनों वाहन एक तरफ गिर गए और बाद में उनमें आग लग गई। कंटेनर चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में फंसे तेल टैंकर के चालक को अग्निशमन सेवा कर्मियों ने बचाया और नजदीकी अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अग्निशमन सेवा कर्मियों ने कई घंटों के ऑपरेशन के बाद वाहनों में लगी आग पर काबू पाया।

ठाकरे ने जाधव को जिला अध्यक्ष पद से हटाया

कोल्हापुर। शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को पार्टी के जिला अध्यक्ष मुरलीधर जाधव को पद से हटा दिया। जाधव के खिलाफ यह कार्रवाई कुछ दिन पहले मुंबई में पार्टी अध्यक्ष और स्वाभिमानी शेतकारी संगठन प्रमुख राजू शेट्टी के बीच हुई बैठक पर नाराजगी व्यक्त की थी। इस आशय का एक पत्र गुरुवार जाधव को भेजा गया। ठाकरे ने दो दिन पहले शेट्टी से मुंबई में उनके (ठाकरे) आवास मातोश्री में मुलाकात की थी। इस मुलाकात के बाद जाधव ने मीडिया को दिए बयान में इस मुलाकात पर कड़ी असहमति व्यक्त की थी।

स्थिति भगवा पार्टी के अनुकूल नहीं : शरद पवार

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार ने लोकसभा चुनाव से पहले देश में राजनीतिक स्थिति भाजपा के लिए अनुकूल नहीं बताया है। उन्होंने इसी के साथ भाजपा के 400 से अधिक सीटें जीतने के दावे को भी खारिज कर दिया। पश्चिमी महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में राकांपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि 2014 में केंद्र में आने के बाद भाजपा ने कई वादे किए और योजनाएं बनाई, लेकिन उनमें से एक भी उन्होंने लागू नहीं किया। उन्होंने लोगों को धोखा दिया है। राकांपा प्रमुख ने बताया कि लोगों को अब इसका एहसास हो रहा है। उन्होंने कहा, देश की स्थिति भाजपा के अनुकूल नहीं है। भाजपा नेताओं ने लोकसभा चुनाव में 543 में से 400 से अधिक सीटें जीतने का दावा किया है, लेकिन फिलहाल कुछ राज्यों में भाजपा सत्ता में नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में सत्ता में नहीं है।

भाजपा के चार सौ से अधिक सीटें जीतने के दावे को किया खारिज

केंद्र ने देश को बनाया 205 लाख करोड़ का कर्जदार : जदयू

मोदी सरकार की मजबूत आर्थिक नीतियों के दावे पर बोला हमला

पटना, 4 जनवरी (देशबन्धु)। बिहार में सत्तारूढ़ जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय महासचिव राजीव रंजन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत आर्थिक नीतियों के दावे पर प्रहार करते हुए आज कहा कि देश के अब तक के इतिहास में मोदी सरकार ने महज दस साल के कार्यकाल में सबसे अधिक 205 लाख करोड़ रुपए का कर्ज लिया है।

रंजन ने गुरुवार को अपने एक्स हैंडल पर देश पर बढ़ते हुए कर्ज का जिक्र करते हुए लिखा है कि कर्ज लेकर घी पीने में मौजूदा केंद्र सरकार ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हालात ऐसे हैं कि वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देश के इतिहास में सबसे अधिक कर्ज लेने वाले पीएम बन चुके हैं। उनकी कृपा से आज देश में जन्म लेने वाला बच्चा भी एक करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज में दबा हुआ है। जदयू महासचिव ने कहा कि अपनी गलत आर्थिक नीतियों से केंद्र सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को किस तरह तहस-नहस कर दिया है इसका

कर्ज लेकर घी पीने में मौजूदा केंद्र ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं : राजीव रंजन

अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आजादी के बाद से देश के 14 प्रधानमंत्रियों ने कुल मिलाकर मात्र 55 लाख करोड़ रुपये का कर्ज लिया था।

लेकिन, मोदी सरकार ने सिर्फ पिछले 10 सालों में इसे लगभग चार गुना बढ़ाते हुए 205 लाख करोड़ कर्ज से अधिक कर दिया है। यानी मोदी सरकार में देश के कर्ज में 150 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई है। रंजन ने लिखा कि भारतीय अर्थव्यवस्था की इस भयावह स्थिति के बारे में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत को आगाह किया है। आईएमएफ की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक देश की हालत इतनी खस्ता हो चुकी है कि यदि ऐसी ही परिस्थितियां रहीं तो भारत का सरकारी ऋण मध्यम अवधि में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 100 फीसदी से भी ऊपर जा सकता है।

तेजस्वी ने नीतीश से की मुलाकात

पटना। बिहार की सियासत में चल रही तरह-तरह की कयासों के बीच डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री आवास पहुंचे हैं। जहां सीएम आवास में तेजस्वी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की है। साल 2024 में पहली बार तेजस्वी यादव और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मुलाकात हुई है। बिहार की सियासत में पिछले कुछ दिनों से लालू-तेजस्वी से नीतीश कुमार की नाराजगी की बातें सामने आ रही थी, इसी बीच तेजस्वी गुरुवार को अचानक सीएम हाउस पहुंच गए। दरअसल, बिहार की सियासत में पिछले कुछ हफ्तों से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव के बीच खटास की खबरें आ रही थी। कहा जा रहा था कि दोनों नेताओं की बीच नाराजगी का ही नतीजा है कि तेजस्वी सरकारी कार्यक्रमों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मंच साझा नहीं कर रहे। दिल्ली में हुई इंडी गठबंधन की बैठक में भी लालू-तेजस्वी से नीतीश कुमार की नाराजगी नजर आई थी। सियासी गलियारे से खबर आई कि जेडीयू के पूर्व अध्यक्ष ललन सिंह लालू प्रसाद से मिलकर जेडीयू को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। ललन सिंह ने पार्टी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया और हवाला दिया कि चुनावी तैयारी में जुटने के कारण वे पार्टी के समय नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए इस्तीफा दे दिया।

झारखंड के एक और आईएएस पर ईडी ने कसा शिकंजा

साहिबगंज डीसी रामनिवास यादव को फिर समन की तैयारी

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के एक और आईएएस पर ईडी का शिकंजा कस रहा है। ये हैं रामनिवास यादव, जो राज्य के साहिबगंज जिले में उपायुक्त के पद पर तैनात हैं। बुधवार को उनके आवास पर छापेमारी में 8 लाख रुपए कैश और 9 एमएम की 14 गोलियां बरामद की गई हैं। इन गोलियों का इस्तेमाल प्रतिबंधित पिस्टल में होता है। ईडी ने उनके जयपुर स्थित दो ठिकाने भी खंगाले थे।

वहां से निवेश के कई दस्तावेज बरामद किए जाने की सूचना है। सूत्रों के अनुसार, ईडी उन्हें इस मामले में एक-दो दिनों में समन कर सकती है। साहिबगंज अवैध खनन घोटाले

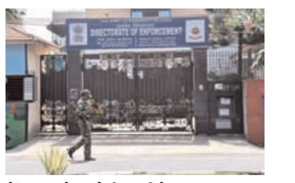

में उनसे ईडी बीते साल 23 जनवरी और 6 फरवरी को दो बार पूछताछ कर चुकी है। अब इस केस में जांच का दायरा और बढ़ा है। उन पर अवैध खनन घोटाले में ईडी के गवाह विजय हांसदा को होस्टाइल कराने की साजिश में शामिल होने, 24 मार्च 2022 को गंगा नदी में स्टीमर दुर्घटना में गलत रिपोर्ट देकर मामले पर पर्दा डालने का भी आरोप है। ईडी ने अपनी जांच में यह भी पाया है कि साहिबगंज डीसी के रूप में पोस्टिंग के बाद दो साल तक रामनिवास यादव ने अपनी सैलरी अकाउंट से पैसे नहीं निकाले।

ईडी ने पिछली बार हुई पूछताछ में उनसे जानना चाहा था कि सैलरी खाते से पैसे की निकासी के बगैर वे अपना गुजारा कैसे करते थे। एजेंसी ने यह भी पाया है कि जब उन्हें समन जारी किया गया, तब उन्होंने सैलरी खाते से निकासी शुरू की। बता दें कि झारखंड में ईडी की जांच में फंसे दो आईएएस अफसर पूजा सिंघल और छवि रंजन जेल में बंद हैं। इनके बाद रामनिवास यादव तीसरे ऐसे आईएएस हैं, जिन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है।

जगन मोहन रेड्डी ने की केसीआर से मुलाकात

हैदराबाद, 4 जनवरी (देशबन्धु)। बीआरएस प्रमुख के.चंद्रशेखर राव के नंदीनगर स्थित आवास पर गुरुवार को आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी पहुंचे। सीएम जगन का बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर ने जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, महमूद अली, सांसद जोगिनापल्ली संतोष कुमार, विधायक कौशिक रेड्डी, पूर्व विधायक जीवन रेड्डी, चिरुमूर्ति लिंगैया और अन्य उपस्थित थे। जगन मोहन रेड्डी अपने आवास पर स्वास्थ्य लाभ कर रहे केसीआर के पास पहुंचे और उन्हें गुलदस्ता देकर उनसे मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने केसीआर का हालचाल पूछा। इसके पूर्व विशेष विमान से बेगम पेट पहुंचे सीएम जगन को पूर्व मंत्री विधायक वेमुला प्रशांत रेड्डी, विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी और अन्य ने स्वागत किया। सीएम जगन के साथ सांसद मिथुन रेड्डी, एमएलसी रघुराम, विधायक चेवि रेड्डी भास्कर रेड्डी और अन्य लोग थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का जेल जाना तय : बाबूलाल मरांडी

ईडी के सातवीं बार नोटिस से भागे फिर रहे हैं सीएम

रांची, 4 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन जानते हैं कि उनका जेल जाना तय है। उनकी जगह किसी गैर विधायक को सीएम बनाने की तैयारी है, लेकिन, यह कोशिश असंवैधानिक और गैरकानूनी होगी। इसलिए, उन्होंने राज्यपाल को इस संबंध में पत्र लिखा है। बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि गांडेय विधानसभा क्षेत्र के विधायक ने इस्तीफा दिया और उसे तुरंत स्वीकार कर लिया गया। ऐसे में सवाल उठता है कि उन्होंने इस्तीफा क्यों दिया। बीमार वो है नहीं, बाहर कहीं जा नहीं रहे, फिर इस्तीफे का कारण क्या हो सकता है। कोई भी साधारण व्यक्ति यह सोच सकता है, समझ सकता है। पिछले दिनों राज्य के मुख्यमंत्री को ईडी ने सातवीं बार नोटिस दिया। सीएम भागे फिर रहे हैं। ऐसे में लगता है कि वह सीट किसी गैर विधायक के लिए खाली की गई है, जो चुनाव लड़ सके। दरअसल, सीएम को पता है कि किसी ना किसी दिन उन्हें अंदर जाना है।

झारखंड विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी ने कहा कि सीएम को ईडी बार-बार समन कर रही है। सीएम इसकी अवहेलना कर रहे हैं। एक गुंडा मवाली अगर नियम तोड़ता है तो समझ आता है, लेकिन, एक सीएम जो संविधान की रक्षा की शपथ लेता है, वही तोड़ता है, तो संकट पैदा होता है। राज्य की साढ़े तीन करोड़ जनता भी बदनाम हो रही है। यह समन निजी कारण से है। यह आंदोलन या विरोध-प्रदर्शन का मामला नहीं है।

राजनीति | *लोकसभा चुनाव के चलते भाजपा का बड़ा कदम*

अब दूसरे दलों के नेताओं को पार्टी में नहीं मिलेगी सीधे जगह

पटना, 4 जनवरी (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव में अब महज कुछ दिनों का समय शेष रह गया है। ऐसे में इस चुनाव को लेकर देश समेत राज्यों की तमाम छोटी-बड़ी राजनीतिक पार्टी अपनी चुनावी मंथन में जुटी हुई है। इस दौरान कई तरह के नए नियम और टास्क भी तय किए जा रहे हैं। ऐसे में बिहार अंदर विपक्ष में बैठी भाजपा ने भी एक बड़ा।

प्लान तैयार किया है। यह प्लान आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर तैयार किया गया है ताकि कोई इनका प्लान जानने की कोशिश करें तो इसका बड़े ही आसनी से जानकारी मिल सके। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले दल बदलकर आने वाले नेताओं को अपनी पार्टी से जोड़ने से पहले भाजपा उनकी स्क्रीनिंग करेगी। राष्ट्रीय नेतृत्व ने इसके लिए पांच सदस्यीय समिति गठित कर दी है। यह समिति ही चुनाव के

समय बाहर से आने वाले नेताओं का स्क्रीनिंग करेगी और प्रदेश नेतृत्व को अपनी अनुशंसा देगी। वहीं, प्रदेश नेतृत्व तभी किसी भी नए आगंतुक नेताओं को भाजपा की सदस्यता दिला पाएगी जब यह स्क्रीनिंग कमिटी उसके पक्ष में आकलन देगी। यह समिति उन नेताओं के इतिहास और करियर का आकलन करेगी और बताएगी कि भाजपा को उन्हें लेना चाहिए या नहीं। पार्टी के लिए उनकी उपयोगिता व उपादेयता का भी आकलन होगा। मालूम हो कि, इस समिति की पहली बैठक छह जनवरी को है। उस बैठक में भाजपा का दामन थामने के इच्छुक कुछ नेताओं के बारे में आकलन होना है। इन लोगों का जब आकलन कर लिया जाएगा। उसके बाद भाजपा में इन्हें जगह मिलेगी। यदि इस दौरान किसी भी शख्स पर इस कमिटी के मेंबर को शक होता है तो फिर पार्टी उन्हें अपने साथ लाने से साफ़ इंकार करेगी। आपको बताते चलें कि, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी की नेतृत्व वाली समिति में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंगल पांडेय, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल, राज्यसभा सदस्य विवेक ठाकुर एवं पूर्व मंत्री नितिन नवीन सम्मिलित हैं। यह कमिटी इसलिए बनाई गई है क्योंकि जदयू से अलग होने के बाद भाजपा को इस बार 15 सीटों पर नए कैंडिडेट उतारने हैं। ऐसे में जदयू, राजद, कांग्रेस एवं वामदल के साथ जुड़े कई नेताओं को टिकट मिलने की संभावना नहीं दिख रही है। लिहाजा टिकट हासिल होने की उम्मीद पाले कई वर्तमान सांसद भी भाजपा के संपर्क में हैं।

- दल बदलकर आने वाले नेताओं को पार्टी से जोड़ने से पहले भाजपा करेगी उनकी स्क्रीनिंग
- राष्ट्रीय नेतृत्व ने की पांच सदस्यीय समिति गठित

भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि, वह पार्टी में ऐसे नेताओं को ही सम्मिलित करना चाहते हैं, जो लंबे समय तक वफादार रहें। भाजपा अब जल्दबाजी में किसी भी नेता को अपने दल में सम्मिलित नहीं करेगी।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

एक दिन भगवान ने एक आदमी की मेमोरी डिलीट कर दी। फिर उससे पूछा क्या तुम्हें कुछ याद है? आदमी ने अपनी पत्नी का नाम बता दिया। भगवान हंसकर बोले-पूरा सिस्टम फॉर्मेट कर दिया पर वायरस फिर भी रह गया।

राजधानी में मोहल्ला क्लीनिक में काल्पनिक मरीज करवा रहे जांच

■ उपराज्यपाल ने की सीबीआई जांच की सिफारिश ■ जांच के लिए गलत, फर्जी व एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली के आम आदमी मोहल्ला क्लीनिक में काल्पनिक मरीज की जांच करने का मामला सामने आया है। इस मामले में दिल्ली उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है। इसमें कहा गया है कि आरोपी गलत, एक ही मोबाइल नंबर या अंकों को बदलकर हेराफेरी कर रहे थे। कई मामलों में जांच करवाने वाले मरीज भी नहीं मिले। जांच सिफारिश करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि दिल्ली वालों के साथ धोखाधड़ी चिंताजनक है। यह मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री के उदासीन व्यवहार को दिखाती है। दिल्ली सरकार विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधा का दावा करती है, लेकिन नकली दवाओं और अब नकली प्रयोगशाला परीक्षण के मामला चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि निजी कंपनियों ने डाटा में हेराफेरी करके वित्तीय अनियमितता, फिजूलखर्ची कर गरीबों को धोखा दिया है। प्रथम दृष्टया में काल्पनिक रोगियों के हजारों परीक्षणों की सिफारिश की गई। इनके फोन नंबर फर्जी पाए गए हैं।

अंक बदलकर भी की गई हेराफेरी

दिल्लीवालों के साथ धोखाधड़ी चिंताजनक : वीके सक्सेना

इस तरह बदले गए फोन नंबर

- मरीजों का मोबाइल नंबर. : 11,657 रिकॉर्ड
- मोबाइल नंबर खाली : 8251 रिकॉर्ड
- 9999999999 नंबर : 3092 रिकॉर्ड
- 1,2,3,4,5 से शुरू होने वाले बंद नंबर : 400 रिकॉर्ड
- एक ही नंबर 15 या अधिक बार इस्तेमाल : 999 रिकॉर्ड।

100 करोड़ के घोटाले का अनुमान

सिफारिश में कहा गया है कि लाखों फर्जी परीक्षणों के बदले निजी प्रयोगशालाओं को भुगतान किया गया। इसमें अनुमान लगाया गया है कि करीब 100 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ होगा। मोहल्ला क्लीनिक के डॉक्टर पहले से रिकॉर्ड किए गए वीडियो के माध्यम से उपस्थिति दिखा रहे थे। इसके अलावा अनधिकृत गैर-चिकित्सीय कर्मचारियों ने मरीजों की जांच के लिए परीक्षण और दवाएं लिखीं।

संघ के समर्पण से सुदृढ़ हो रहा देश : रामदास मलिक

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना देश की तत्कालीन परिस्थितियों को देखते हुए 27 सितम्बर 1925 को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जी के द्वारा किया गया। अपनी स्थापना काल से लेकर अब तक नि:स्वार्थ व समर्पण भाव से लाखों स्वयं सेवक देश के आधार स्तंभ को मजबूत करने का कार्य करता आ रहा है। चरैवेति चरैवेति की अपने मूल सिद्धांत पर चलकर स्वयंसेवक दिन रात बिना थके बिना रुके अपने राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगा हुआ है। यह कहना है भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश के वरिष्ठ नेता व व्यापार प्रकोष्ठ के सह संयोजक रामदास मलिक का। उन्होंने कहा कि जिस समय संघ का स्थापना किया गया वह दौड़ तुष्टिकरण का दौर था। लेकिन संकल्पित कुछ स्वयं सेवकों के द्वारा जो संघ रूपी पौध का वृक्षारोपण किया गया वह अब बट वृक्ष का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने करोड़ों स्वयं सेवकों के माध्यम से देश के विभिन्न आयामों में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा कि संघ के द्वारा किए जाने वाला सेवा कार्य अनुकरणीय है, इससे प्रभावित होकर लाखों की संख्या में युवक व अन्य वर्ग के लोग बरबस ही संघ शाखा के तरफ खिंचे चले आते हैं। उनका मानना है कि संघ शाखा के माध्यम से अनुशासन, चरित्र निर्माण और संस्कार का प्रशिक्षण प्रदान करता है। यह संगठन भारतीय संस्कृति और नागरिक समाज के मूल्यों को बनाए रखने के आदर्श को बढ़ावा देता है, और स्वयं सेवक हिंदू समाज को मजबूत करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा का प्रचार करता है।

राम मंदिर के सहारे दक्षिण फतह की भाजपा कर रही तैयारी

मोदी के रामेश्वरम से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। हाल के तीन प्रमुख राज्यों में सरकार बनाने के बाद भाजपा आत्म विश्वास से लबरेज है। बुलंद हौसले से पार्टी की सारी मशीनरी लोकसभा चुनाव की तैयारी में लग गई है। पीएम मोदी 22 जनवरी को अयोध्या में राममंदिर का उद्घाटन करने जा रहे हैं। इसके जरिए पार्टी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को उभारकर उत्तर भारत के साथ ही दक्षिण को भी साधने की तैयारी कर रही है। मालूम हो कि प्रधानमंत्री नव वर्ष की शुरुआत में 2 व 3 जनवरी को तमिलनाडु और केरल में थे।

जहां अरबों रुपए की विकास योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में पिछले दो साल से काशी-तमिल संगमम का आयोजन कराया जा रहा है। इस आयोजन के जरिए दक्षिण खासकर तमिलनाडु में पैठ बनाने की कोशिश हो रही है। उनका फोकस तमिलनाडु के साथ ही साथ केरल पर है। पार्टी की योजना है कि तमिलनाडु के रामेश्वरम सीट से किसी ऐसे नेता को चुनाव लडाए जो अपने दम पर आसपास की सभी सीटों पर प्रभाव डाल सके। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी इस बार वाराणसी के अलावा रामेश्वरम से भी लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं। तमिलनाडु में इस बार भाजपा ने 10 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा है। ऐसे में वह वहां पूरा दम लगा रही है। पिछले माह पार्टी अध्यक्ष जेपी नडडा भी तमिलनाडु गए थे। वहीं प्रदेश अध्यक्ष अन्नमलाई पूरे राज्य में पैदल यात्रा निकाल रहे हैं।

बता दें कि संसद भवन के उद्घाटन में दक्षिण से आए संतों नें जब भाजपा नेताओ सें मुलाकात की थी तो उन्होंने सुझाव दिया था कि दक्षिण में पार्टी का प्रभाव बढाने के लिए प्रधानमंत्री को रामेश्वरम से चुनाव लडना चाहिए।

सार संक्षेप

एक्सिस बैंक फाउंडेशन ने यूथ 4 जॉब्स के साथ साझेदारी का एक दशक पूरा किया

नई दिल्ली। एक्सिस बैंक फाउंडेशन ने देश के अर्ध-शहरी और ग्रामीण इलाकों में विकलांग युवाओं को सशक्त बनाने, उन्हें वहनीय आजीविका के अवसर हासिल करने में मदद करने के लिए प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में समर्पित प्रयास का एक दशक पूरा किया। यूथ 4 जॉब्स के सहयोग से, एबीएफ ने 24000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया, जो मूक-बधिर थे, चलने-फिरने की विकलांगता और दृष्टि बाधा जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे थे। इस कार्यक्रम और साझेदारी के जरिए एबीएफ और वाईएफजे ने 60 प्रतिशत की उल्लेखनीय प्लेसमेंट दर हासिल की है। एक्सिस बैंक फाउंडेशन की मुख्य कार्यकारी ध्रुवी शाह ने कहा कि यूथ4जॉब्स फाउंडेशन के साथ दशक भर लंबी साझेदारी के तहत हम समावेशिता में एक साझा विश्वास से प्रेरित रहे हैं।

सिम्बायोसिस इंटरनेशनल ने अंडर ग्रेजुएट प्रोग्रामों को आवेदन शुरू किए

नई दिल्ली। सिम्बायोसिस इंटरनेशनल डीम्ड यूनिवर्सिटी एसआईयू ने अपनी प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षाओं के लिए आवेदन की तारीखों की घोषणा कर दी है, ये परीक्षाएं यूनिवर्सिटी के संस्थानों में विभिन्न अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों के लिए ली जाती हैं। इन परीक्षाओं में शामिल हैं एसईटी- जनरल सिम्बायोसिस एंट्रेन्स टेस्ट, एसईटी- लॉ जिसे सिम्बायोसिस लॉ एडमिशन टेस्ट कहते हैं और सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग एंट्रेंस एक्जाम एसआईटीईईई। इन परीक्षाओं का संचालन देश भर के 76 शहरों में कम्प्यूटर बेस्ट टेस्ट सीबीटी मोड में किया जाता है।

एमबीडी ग्रुप ने 39वीं वर्षगांठ मनाई

नई दिल्ली। एमबीडी ग्रुप ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अग्रणी शक्ति के रूप में उभरकर चार दशकों के शैक्षिक सफर को पूरा करते हुए प्रतिष्ठित गुलाब भवन की 39वीं वर्षगाँठ मनाई। 60 से भी अधिक वर्षोके अनुभव के साथ, संस्थापक अशोक कुमार मल्होत्रा के नेतृत्व में एमबीडी ग्रुप द्वारा एडटेक, कौशल विकास, पर्यावरण अनुकूल नोटबुक, पेपर विनिर्माण, आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर, आतिथ्य, रियल एस्टेट और मॉल विकास जैसे क्षेत्रों में विविधता लाई गई है। 1956 में अपनी स्थापना के बाद से ही एमबीडी ग्रुप ज्ञान, गुणवत्ता और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण के साथ शिक्षा उद्योग में एक प्रमुख नाम के रूप में उभरा है। एमबीडी ग्रुप की प्रबंध निदेशिका मोनिका मल्होत्रा कंधारी कहती हैं कि सोनिका के साथ एमबीडी ग्रुप का संचालन करना मेरे लिए बड़े ही गर्व की बात है, क्योंकि एमबीडी ग्रुप शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवाचार और परिवर्तनकारी दृष्टिकोण लाने हेतु अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए अपनी 39वीं वर्षगांठ मना रहा है। हमारा सफ़र उत्साह से भरा हुआ है। हम शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्ता की प्रतिबद्धता तथा एक सुनहरा भविष्य देने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

दिल्ली देहात के गांवों को बनाया जाए आधुनिक गांव : सुरेन्द्र सोलंकी

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। पिछले दिनों दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना के द्वारा दिल्ली देहात के गांवों के विकास और आधुनिकीकरण के लिए 800 करोड़ रुपए के पैकेज रिलीज का जो एलान किया गया था, उसी के कार्यान्वयन को लेकर ईशापुर गांव में एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें डीएम और एसडीएम ने सारे विभागों के अधिकारियों के साथ गांव वालों के बीच योजना को अमल में लाने को लेकर चर्चा की। इस दौरान पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी ने दिल्ली देहात के गांवों को 'स्मार्ट विलेज' की तर्ज पर विकसित करने की बात रखते हुए कहा कि हर गांव में 100 फीट की फीरनी हों, बारात घर और जर्जर हालत में दिख रहे सामुदायिक पंचायत घरों की मरम्मत कराई जाए, हर गांव को कम से कम एक एकड़ जमीन अलॉट किया जाए और उसपर गांव का स्मृति द्वारा बनाकर उस गांव से जुड़े इतिहास को चिन्हित कराया जाए, गांवों में पब्लिक हेल्थ सेंटर बनाया जाए, हर पांच गांव पर एक मिनी स्टेडियम और दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॉलेज खोले जाएं। इस दौरान दक्षिण पश्चिम दिल्ली के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट लक्ष्य सिंघल ने कहा कि राज निवास पर हुए निर्णय व निर्देश के अनुसार दक्षिण पश्चिम जिले के 57 गावों को स्मार्ट विलेज की तर्ज पर विकसित करने का काम किया जाएगा और आज हम लोग आपकी समस्याओं को आपके द्वार पर सुनने आए हैं ताकि उसी के अनुसार कार्य को क्रियान्वित किया जा सके। वहीं मौके पर मौजूद एसडीम ने बताया कि हमने आपके सारे सुझावों को नोट किया है और इनको हम जल्द ही क्रियान्वित करेंगे। इस कार्यक्रम का मंच संचालन तेज प्रधान व जिले प्रधान द्वारा किया गया। इस दौरान महत्वपूर्ण रूप से क्षेत्रीय पूर्व निगम पार्षद तरुण यादव, क्षेत्रीय निगम पार्षद मीना तरुण यादव, खजान सिंह, प्रीतम डागर, जगबीर शौकीन, धर्मपाल भारद्वाज मुंढेला, साहब सिंह, धर्मपाल बाकरगढ़, धर्मवीर, अनिल डागर और सतीश सहरावत सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामवासियों ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी और डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट व एसडीएम को पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया।

■ नई दिल्ली में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के शिकंजे में राजधानी के पीएचक्यू में जम्मू-कश्मीर में कई आतंकी घटनाओं में वांछित हिजबुल मुजाहिदीन का आतंकी। फोटो इम्तियाज खान

लीलावती विद्या मंदिर स्कूल ने मनाई गई स्वर्ण जयंती

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। लीलावती विद्या मंदिर स्कूल ने अपनी स्वर्ण जयंती के कार्यक्रम में जूनियर से लेकर सीनियर कक्षाओं तक प्रदर्शन करने वाले 1,200 बच्चों, शिक्षकों और प्रशासकों सहित 4000 से अधिक माता-पिता और परिवार मौजूद रहे। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि संजय बैनीवाल, आईपीएस, डीजी, दिल्ली पुलिस, जो स्कूल के गौरवान्वित पूर्व छात्र भी हैं, उनकी मौजूदगी ने विशेष बनाया। 1973 में स्थापित स्कूल अपने 10 एकड़ के सौर ऊर्जा संचालित हरित परिसर में 3500 से अधिक छात्र और छात्राओं को उनके सपनों को पूरा करने में उनका मार्गदर्शन करता है।

यहां विज्ञान, भाषा और कला प्रयोगशालाओं के अलावा, अटल टिंकरिंग लैब छात्रों के प्रयोग करने के लिए है। इस कार्यक्रम में बच्चों के नए आविष्कारों को भी प्रदर्शित किया गया, जिसे बच्चों ने कार्यक्रम में आए अतिथियों के सामने प्रस्तुत किया। स्कूल का नया एन्थम 'हम हैं सितारे' तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सभी दर्शकों के बीच लॉन्च किया गया। इस अवसर पर स्कूल की मैगेजीन स्वर्णाक्षर के स्पेशल एडिशन को चेयरमैन हर्षा गुप्ता द्वारा लॉन्च किया गया।

मोदी ग्रुप आज दिल्ली में मोदी ब्रांड करेगा लॉन्च

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। मोदी ग्रुन, संस्थापक राजर्षि भूपेन्द्र मोदी (बीके मोदी) के विचारों को लेकर मोदी ब्रांड लॉन्च करेगा। यह लॉन्च कार्यक्रम 5 जनवरी, 2024 को सुबह 11:00 बजे नई दिल्ली के ताज महल होटल के साउथ ब्लॉक के दीवान-ए-खास में आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन ब्रांड को संचालित करने वाले विजन और भविष्य की रणनीति को दर्शाते हुए चल रही परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करेगा। राजर्षि भूपेन्द्र मोदी के दूरदर्शी विचारों ने मोदी ब्रांड के मूल मूल्यों और आकांक्षाओं को आकार दिया है। यह कार्यक्रम ब्रांड को परिभाषित करने वाली रणनीतिक दिशा, मूल्यों और लक्ष्यों पर प्रकाश डालेगा। जो नवाचार, गुणवत्ता और उद्योग मानकों को फिर से परिभाषित करने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह आयोजन मोदी ग्रुप द्वारा शुरू की गई विविध परियोजनाओं स्वास्थ्य देखभाल और शहरी विकास में अभूतपूर्व पहल से लेकर मनोरंजन और कल्याण में उद्यम तक में प्रत्यक्ष अनुभव और अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का एक आदर्श अवसर होगा। ब्रांड के दृष्टिकोण और परियोजनाओं के अनावरण के अलावा यह आयोजन निवेशकों, भागीदारों और हितधारकों के लिए नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करेगा। और समान विचारधारा और संगठन से जुड़े व्यक्ति नवाचार, उत्कृष्टता और समाज पर सकारात्मक प्रभाव पैदा करने के अपने विचार साझा करेंगे।

पुलिस ने नाबालिग को परिवार से मिलाया

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने ऑपरेशन मिलाप के तहत गुमशुदा नाबालिग बालिका को उसके परिवार से मिलाने में सफलता हासिल की है। अपराध शाखा की विभिन्न टीमें बड़ी संख्या में गुमशुदा बच्चों का पता लगाने के लिये कठिन प्रयास कर रही है। इन टीमों ने दिल्ली के सभी थानों से लापता बच्चों की जानकारी का मिलान कर सभी संभावित स्थानों का दौरा भी किया गया । लापता बच्चों के परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूर्वी रेंज-प्रथम की एक टीम का गठन उपायुक्त सतीश कुमार द्वारा सहायक आयुक्त रोहिताश कुमार की देख-रेख में और निरीक्षक लक्ष्मण के नेतृत्व में किया गया, 7 जिसमें सहायक उप निरीक्षक जोगिंदर, प्रधान सिपाही सोहित, महिला प्रधान सिपाही बीप्ती, प्रधान सिपाही सूर्य प्रकाश शामिल थे। टीम द्वारा प्राथमिकी संख्या 729/2023, धारा 363 आईपीसी, थाना प्रेम नगर के तहत 01 नाबालिग लड़की के अपहरण मामले का पर्दाफाश किया गया है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/नार्दर्न रेलवे, चौथी मंजिल, डीआरएम कार्यालय, नई दिल्ली-110001 ने अधोविख्यात काम के लिए, **एक पैकेट प्रणाली** के तहत ई-निविदा आमंत्रित करता है:-

1	**कार्य और स्थान का नाम :** डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण और कमीशनिंग: शाहदरा और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के बीच पुराने यमुना ब्रिज नंबर 249 के स्थान पर यमुना नदी पर नया पुल।
2	**कार्य की पूर्णता अवधि :** 12 महीने
3	**लगभग काम की लागत :** रु. 1,90,69,269.7
4	**बयाना धन राशि (ऑनलाइन जमा करने के लिए) :** रु. 2,45,400
5	**ई-निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय :** दिनाँक **04.01.2024** को आईआरईपीएस वेबसाइट अर्थात www.ireps.gov.in को 16:00 बजे निविदाएं अपलोड की जा सकती हैं। निविदादाता ई-निविदा में भाग ले सकते हैं, यह निविदा 29.01.2024 को 11:30 बजे खोली जाएंगी।
6	**निविदा के बारे में विस्तृत सूचना और दस्तावेज :** विस्तृत ई-निविदा सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.nr.indianrailways.gov.in पर उपलब्ध है और निविदा दस्तावेज www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदा दस्तावेज आईआरईपीएस वेबसाइट पर प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उपलब्ध होगा www.ireps.gov.in 15.01.2024 से 29.01.2024। उपर्युक्त निविदाओं के संबंध में अन्य सभी निबंधन और शर्तें निविदा दस्तावेज में दी गई हैं। विस्तृत निविदा सूचना भी उपरोक्त कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

सं.: 336-Dy.CEE/C/NDLS/2023-24 (R) दिनांक: 04.01.2024 34/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मनोज शर्मा अटल गौरव सम्मान से किए गए सम्मानित

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। अटल फाउंडेशन के सौजन्य से प्रधानमंत्री संग्रहालय नई दिल्ली में 25 दिसंबर, सोमवार को अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर तीसरी बार अटल गौरव सम्मान और पहली बार अंतरराष्ट्रीय अटल अवार्ड का आयोजन किया गया। इस बार देश से विभिन्न लोगों के आए हुए आवेदनों में से अटल गौरव सम्मान के लिए 35 और अंतरराष्ट्रीय अवार्ड के लिए विभिन्न राष्ट्रों के सक्षम उम्मीदवारों में से 11 आवेदनों का चयन किया गया था जिनको इस कार्यक्रम के दौरान सम्मानित किया गया। इन सम्मानित व्यक्तियों में पीआर गुरु के संस्थापक मनोज शर्मा भी शामिल रहे, उन्हें समाज हित में बेहतर कार्य करने के चलते मुख्य अतिथि आयुष राज्य मंत्री और महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. महेंद्र मुंजपुरा के हाथों अटल गौरव सम्मान से नवाजा गया। मनोज कुमार शर्मा ने अटल गौरव सम्मान प्राप्त करते हुए कहा, 'भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने सबको साथ लेकर चलने की प्रेरणा दी है। अटल फाउंडेशन की राष्ट्रीय अध्यक्ष अपर्णा सिंह ने भी मनोज शर्मा की समाज के हित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

प्रगति मैदान में हुआ 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव' का आगाज

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसूचित जाति विकास निगम, पिछड़ा वर्ग विकास निगम और राष्ट्रीय सफाई कर्मी विकास निगम के माध्यम से गुरुवार को दिल्ली के प्रगति मैदान के भारत मंडपम हॉल नंबर 1 में 'आत्मनिर्भर भारत उत्सव' का आगाज हुआ। 'हर कदम आत्मनिर्भरता की ओर' और 'स्वावलंबन से सशक्तीकरण' की थीम पर आधारित इस उत्सव में देशभर के 200 से अधिक शिल्पकार, कारीगर अपना कला-कौशल का प्रदर्शन कर रहे हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव सौरभ गर्ग ने तीनों निगमों के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशकों के साथ उत्सव का भ्रमण किया और देशभर से आए कारीगरों से मुलाकात की।

■ हर कदम आत्मनिर्भरता की ओर और स्वावलंबन से सशक्तीकरण रही थीम

दस जनवरी तक चलेगा उत्सव

इस अवसर पर गर्ग ने कहा कि इस तरह के अवसर के माध्यम से कारीगरों को अपने उत्पादों की बिक्री और बड़े मंच के साथ-साथ मार्किटिंग का प्लेटफार्म मिलता है। साथ ही अपने उत्पादों के विषय में ग्राहकों की प्रतिक्रिया भी पता चलती है। इस उत्सव का औपचारिक उद्घाटन शुक्रवार को केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री. डॉ. वीरेन्द्र कुमार करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास' के मूल मंत्र पर आधिरित ये उत्सव 3 से 10 जनवरी तक चलेगा।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-खानपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-के.एच.एन.01267, भूखण्ड संख्या-5, पाकेट-एच, क्षेत्रफल-510 वर्ग मीटर श्री जेपाल पुत्र श्री शंकर, निवासी-ग्राम-दुजाना, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में आवंटित किया गया था आवंटी श्री जेपाल पुत्र श्री शंकर की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री राकेश नागर, रविन्द्र नागर, लोकेश पुत्रगण स्व0 श्री जयपाल सिंह, श्रीमती सुनीता (विवाहित), श्रीमती सरोज (विवाहित) पुत्रीगण स्व0 श्री जयपाल सिंह, निवासी-मकान नं0-आई-437, सेक्टर-बीटा-2, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 में से सर्वश्री राकेश नागर, रविन्द्र नागर, लोकेश पुत्रगण स्व0 श्री जयपाल सिंह, निवासी-मकान नं0-आई-437, सेक्टर-बीटा-2, ग्रेटर नौएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं श्पथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री राकेश नागर, रविन्द्र नागर, लोकेश पुत्रगण स्व0 श्री जयपाल सिंह, निवासी-मकान नं0-आई-437, सेक्टर-बीटा-2, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ0प्र0 के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि में अट्टा गुजरान में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 1202/एस0टी0-एस0डी0एम/2023 दिनांक 29.12.2023 मृतक स्व0 श्री पीतम सिंह पुत्र श्री तिरखा नि0 ग्राम अट्टा गुजरान परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर की मृत्यु दिनांक 07.11.2023 को हो चुकी है, उनके स्थान पर उनके वारिसानों के नाम निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के पारिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विशेष
अट्टा गुजरान	162	स्व0 श्री पीतम सिंह पुत्र श्री तिरखा नि0 ग्राम अट्टा गुजरान परगना दनकौर तहसील व जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती शकुन्तला	पत्नी	65 वर्ष	विधवा
			श्री प्रदीप नागर	पुत्र	30 वर्ष	
			श्री सोनू	पुत्र	28 वर्ष	
			श्रीमती सोनिका	पुत्री	26 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखो में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

कैपिटल ज़ोन

उवाच

कड़ाके की ठंड में भारी संख्या में किसान मातृशक्ति व बुजुर्ग युवा शक्ति दिन रात धरने पर है। धरना चलते हुए बहुत समय हो गया। लेकिन अभी तक समान मुआवजजा व रोजगार, 10 फीसदी प्लाट अन्य मांगो पर अभी कुछ काम नहीं हुआ। उससे किसानों में भारी आक्रोश है। आज एनटीपीसी का कोई भी काम नहीं चलने दिया जायेगा। अगर अब काम नहीं करते हैं तो ठीक नहीं होगा। किसान अबकी बार आर पार के मूड में है:- **सुखवीर खलीफा, अध्यक्ष भारतीय किसान परिषद**

शासन को भेजी जा रही 88 डिफाल्ट बिल्डर प्रोजेक्ट की रिपोर्ट

34 पाइंट पर मांगी गई जानकारी, अधिकांश का काम अधूरा, कोर्ट में चल रहे मामले

नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। अमिताभ कांत की सिफारिश लागू होने के बाद नोएडा प्राधिकरण 88 बिल्डर प्रोजेक्ट की एक रिपोर्ट शासन को भेज रहा है। बिल्डर वो है जिनका काम अभी अधूरा है यानी बायर्स से पूरा पैसा लिया निर्माण नहीं किया, आधा काम ही किया, अधिकांश जमीन खाली है, इनके मामले में कोर्ट में है। इन बिल्डर को प्राधिकरण ने 2007, 2008, 2009 तक के है। कुछ ऐसे भी है जिनको भूखंड का आवंटन 2009 के बाद भी किया गया। 34 पाइंट पर इनकी डिटेल तैयार की जा रही है। जिसे आगामी 24 घंटे में शासन को भेजना है।

दरअसल शासन की मंशा है कि सालों से अशियाना का सपना देखने वाले बायर्स को उनका घर दिया जाए और जिनको मालिकाना हक नहीं मिला उनकी रजिस्ट्री कराई जाए। एनसीआर में ऐसे 2.4 लाख लोग है। बता दे दोनों शहरों में करीब 1 लाख से अधिक घर खरीदार हैं जिन्हें अपने फ्लैटों की रजिस्ट्री और उनकी संपत्तियों के कब्जे के रूप में लाभ होगा। 1 लाख में से 68,000 ग्रेटर नोएडा में 96 डिफॉल्टर परियोजनाओं में हैं, और 32,000 से अधिक नोएडा में 57 परियोजनाओं में हैं। इसके अलावा नोएडा में करीब 69 हजार फ्लैट बायर्स है जिनको अपने आशियाने का इंतजार है। इसी तरह ग्रेटरनोएडा में एक लाख ये ज्यादा फ्लैट बायर्स है। इसी को लेकर 5 जनवरी को नोएडा प्राधिकरण में एक बैठक होगी। इसके बाद चेयरमैन नोएडा और ग्रेटरनोएडा के बिल्डरों के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में को डेवलपर्स की बातचीत भी की जा सकती है।

इन पाइंट पर शासन को भेजी जा रही रिपोर्ट

- बिल्डर का नाम, प्रोजेक्ट और लोकेशन
- बिल्डर को भूखंड कब आवंटित किया गया (वर्गमीटर)
- बिल्डर को किस दर से भूखंड आवंटित किया गया
- बिल्डर ने नक्शा कब पास कराया कितने टावरों और कितने फ्लैट का निर्माण करना था
- कब तक उसे ओसी और सीसी लेनी थी।
- बिल्डर प्रोजेक्ट की वर्तमान स्थिति क्या है।
- बिल्डर प्रोजेक्ट का कितना निर्माण हो चुका है कितना बचा है।
- कितनी जमीन वर्गमीटर में खाली है क्या वो अतिक्रमित है या खाली है।
- क्या बिल्डर ने किसी अन्य प्राधिकरण की पॉलिसी में लाभ लिया।
- बिल्डर का कोर्ट में मामला कब से चल रहा है।
- कितने बायर्स इस प्रोजेक्ट से परेशान है।
- कितने बायर्स ने अब तक पैसा जमा कर दिया है।

इन सेक्टरों के प्रोजेक्ट है इफेक्टड

जिन 88 बिल्डर प्रोजेक्ट की रिपोर्ट शासन को भेजी जा रही है उसमें सबसे ज्यादा सेक्टर-77,76,78,75 के है। इन बिल्डरों की फाइलों से दस्तावेज निकाले जा रहे है।

'सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध जारी है निगम का अभियान कवि नगर जोन के अंतर्गत 110 किलो प्लास्टिक हुई जब्त

शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाना है, जारी रखे प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध कार्रवाई: नगर आयुक्त

गाजियाबाद, 4 जनवरी (देशबन्धु)। नगर निगम द्वारा लगातार प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया जा रहा है जिसमें संबंधित टीम के द्वारा बड़े स्तर पर कार्यवाही की जा रही जिसकी प्रतिदिन की रिपोर्ट नगर आयुक्त जांच रहे हैं, इसी क्रम में कवि नगर जोन अंतर्गत प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध कार्यवाही की गई जिसमें गोविंदपुरम के बजारी क्षेत्र में अभियान चलाया गया तथा 65000 जुर्माना भी वसूला गया लगभग 1 क्विंटल 10 किलो प्लास्टिक मटेरियल भी जब्त किया गया, अभियान के दौरान जोनल कार्यालय कवि नगर की टीम, स्वास्थ्य विभाग

की टीम, प्रवर्तन दल तथा पुलिस बल उपस्थित रहा। पांचो ज़ोन में बारी-बारी प्रतिबंधित प्लास्टिक के विरुद्ध कार्यवाही चल रही है, जिसमें गाजियाबाद नगर निगम की टीम अपील की कार्यवाही, जन जागरूकता की कार्यवाही तथा जुर्माने की कार्यवाही भी कर रही है, नगर आयुक्त ने टीम को मोटिवेट करते हुए शहर को पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त बनाने की ठानी हुई है, जिसके अनुसार कार्यवाही तेजी से चल रही है। अभियान के दौरान व्यापारी वर्ग का भी सहयोग निगम को मिला, स्कूलों में भी विद्यार्थियों को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है, आरंभ 3.0 के क्रम में मार्केट एरिया में जाकर निगम की टीम शहर वासियों को तथा व्यापारियों को प्रतिबंधित प्लास्टिक बहिष्कार के लिए जागरुक कर रही है।

ट्रैफिक नियमों का पालन कराने में निगम भी करेगा सहयोग

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने गाजियाबाद नगर निगम के अधिकारियों तथा कर्मचारियों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने तथा पालन कराने के लिए मोटिवेट किया गया है। पांचो जोनल कार्यालय में भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के आदेश दिए हैं जिसके क्रम में निगम मुख्यालय तथा जोनल कार्यालय में आने वाले आगंतुकों से ट्रैफिक नियमों का पालन अवश्य करें प्रचार प्रसार के लिए बोर्ड भी लगाने के लिए कहा गया है। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में जिलाधिकारी के निर्देश अनुसार नगर आयुक्त द्वारा अपने निगम कर्मचारियों तथा अधिकारियों को निगम तथा जोनल कार्यालय में आते समय सीट बेल्ट तथा हेलमेट का आवश्यक प्रयोग करने के लिए कहा गया है साथ ही अन्य आगंतु को भी ट्रैफिक नियमों का पालन करने के लिए अपील की गई है शहर वासियों से अपील की गई है कि वह निगम कार्यालय में जाते समय हेलमेट वह गाड़ी चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग अवश्य करें।

सार संक्षेप

नोएडा में चीनी नागरिक की मौत

नोएडा। थाना फेस दो क्षेत्र के सेक्टर 92 में रहने वाले एक चीनी नागरिक की संदिग्ध मौत हो गई। इसकी पहचान सिया ओ हू (48) हुई है। ये घटना 31 दिसम्बर की है। रात में चीनी नागरिक को नोएडा के सेक्टर-137 फैलिक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टरों ने चिकित्सीय परिक्षण के बाद उसे मृत घोशित कर दिया। बताया गया कि अस्पताल लाने वाले इसे साथी वही से कही चले गए। अस्पताल प्रबंधन ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। पुलिस को शव को कब्जे में लिया और इसकी जानकारी एबेंसी को दी गई। 3 जनवरी को शव का पोस्टमार्टम करा दिया गया। मूल रूप से चीन निवासी सिया ओ हू अपने तीन अन्य साथियों के साथ सेक्टर 92 के ए ब्लॉक में रह रहा था। वह और उसके साथी एक कंपनी में काम करते हैं। उसके साथी उसे गंभीर हालत में फैलिक्स अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने परीक्षण के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से जानकारी मिलने पर थाना फेस दो पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। मामला चीनी नागरिक से जुड़ा होने के कारण पुलिस की फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंच कर सबूत इकट्ठा किये। वहीं इस मामले को गंभीरता से लेते हुए कंपनी और उसके अन्य साथियों से भी पूछताछ कर रही है।

शेरपुर में चलाया स्वच्छता अभियान

बुलंदशहर। कस्बे के विद्यालय केशव माधव सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ककोड़ की एनएसएस ईकाई द्वारा चलाए जा रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन का विषय स्वच्छता अभियान रहा। पहले सत्र के अतिथि नोडल अधिकारी डॉ जयपाल सिंह द्वारा स्वयंसेवकों को स्वच्छता के प्रति जागरुक किया गया। स्वयंसेवकों द्वारा गांव शेरपुर में साफ-सफाई का कार्य किया गया व नागरिकों को अपने आसपास सफाई रखने के लिए प्रेरित किया गया। प्रोग्राम ऑफिसर श्रीकृष्ण द्वारा स्वयंसेवकों को लगन से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया। द्वितीय सत्र में जिला युवा समन्वयक आकर्ष दीक्षित द्वारा सरकार की विभिन्न योजनाओं से स्वयंसेवकों को अवगत कराया गया। स्वयंसेवकों के प्रश्नों का समाधान किया। स्वच्छता के विषय पर हुई नाट्य प्रतियोगिता में रिया त्यागी, खुशी, हिमांशी, राजकुमार, प्रिंस आदि ने प्रदर्शन किया। छठे दिन के शिविर का संचालन वंशिका ने किया।

आज किसान बंद करेंगे एनटीपीसी

105 गांव के किसान धरने में होंगे शामिल, पंचायत के बाद तय होगी आगे की रणनीति

नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। मांगों को लेकर किसान आज सेक्टर-24 एनटीपीसी को बंद करेंगे। यहां दोनों गेट पर तालाबंदी की जाएगी। इसके लिए किसानों ने तैयारी कर ली है। इससे प्रभावित 24 गांव के किसान है। जिनका समर्थन नोएडा के 81 गांव के किसान भी कर रहे है। ऐसे में शक्ति प्रदर्शन के साथ तालाबंदी की जाएगी। फिलहाल गुरुवार को भी एनटीपीसी के बाहर किसानों का प्रदर्शन लगातार 18वें दिन भी जारी रहा। हालांकि देखना ये है कि नोएडा प्राधिकरण की तरह ही आश्वासन के चलते यहां तालाबंदी होगी या नहीं। भारतीय किसान परिषद के अध्यक्ष सुखवीर खलीफा ने बताया कि कड़ाके की ठंड में भारी संख्या में किसान मातृशक्ति व बुजुर्ग युवा शक्ति दिन रात धरने पर है। धरना चलते हुए बहुत समय हो गया। लेकिन अभी तक समान मुआवजजा व रोजगार, 10त्न प्लाट अन्य मांगो पर अभी कुछ काम नहीं हुआ। उससे किसानों में भारी आक्रोश है। आज एनटीपीसी का कोई भी काम नहीं चलने दिया जायेगा। अगर अब काम नहीं करते हैं तो ठीक नहीं होगा। किसान अबकी बार आर पार के मूड में है। खलीफा ने बताया कि चार साल से किसान धरने पर बैठे हैं। अब अगर काम नहीं होता है तो किसान जल्दी ही दिल्ली में एनटीपीसी के सीएमडी का घेराव करने का काम करेंगे। वहीं नोएडा प्राधिकरण पर भी धरना जारी है। यहां प्राधिकरण अधिकारियों को 10 जनवरी तक का समय दिया गया है।

एनटीपीसी में शामिल किसानों की मांग

- एक समान दर से मुआवजा दिया जाए
- बच्चों के लिए स्कूल और एनटीपीसी में नौकरी दी जाए
- एनटीपीसी के प्रभावित सभी किसानों को 10 प्रतिशत विकसित भूमि दी जाए।
- एनटीपीसी दादरी के 5 किमी के दायरे में रहने वाले भूविस्थापित को फ्री में बिजली दी जाए।
- 200 बेड का अस्पताल बनाया जाए। दादरी में दो डिग्री कॉलेज खुलवाया जाए।

तालाबंदी को लेकर सोशल मीडिया का सहारा

तालाबंदी में भारी संख्या में किसानों को लाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्म का सहारा लिया जा रहा है। फेसबुक से लेकर इंस्टाग्राम पर नोएडा प्राधिकरण और एनटीपीसी पर रोजाना हो रहे प्रदर्शन के वीडियो अपलोड किए जा रहे है। वहीं परिषद का एक प्रतिनिधि मंडल गांव-गांव जाकर किसानों को महापंचायत के प्रति जागरूक कर रहा है। किसानो को धरना स्थल तक पहुंचाने के लिए बस, ट्रैक्टर और छोटी गाड़ियों का इंतजाम किया गया है। एक-एक करके घरना स्थल पर किसान आएंगे। इसके बाद दोपहर बाद यहां तालाबंदी की जाएगी।

पुलिस का नजरिया भी इस आंदोलन को लेकर साफ है। यदि तालाबंदी की जाती है तो बड़ी संख्या में किसानों को गिरफ्तार किया जा सकता है।

नोएडा में तीन बिल्डरों पर आईटी की सर्च

नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। इनकम टैक्स की टीम ने नोएडा के तीन बिल्डरों पर सर्च की है। दोपहर से एक साथ भूटानी, लॉजिक्स और एडवेंट पर इनकम टैक्स की टीम पहुंची। नोएडा में सेक्टर-16, 62 व अन्य स्थानों पर तीनों बिल्डरों के सेल परचेज और कारपोरेट ऑफिस में सर्च चल रही है। यहां से किसी को बाहर नहीं जाने दिया जा रहा । बताया गया कि इन बिल्डरों के अकाउंट और बैलेंस शीट में गड़बड़ी मिली है। जिसकी शिकायत मिलने पर काफी दिनों से तीनों बिल्डरों के ट्रांजेक्शन पर नजर रखी जा रही थी। जिसके बाद आज सर्च कंडक्ट की गई। नोएडा यूनिअ की 36 टीम इस सर्च का हिस्सा है। जो दिल्ली एनसीआर में इन बिल्डरो के ठिकानों पर सर्च कर रही है। अब तक की सर्च में कई दस्तावेजों को खंगाला गया। सर्च लंबी चलने की उम्मीद है। ट्रांजेक्शन के जरिए टैक्स चोरी करने के संकेत मिले है। कई अन्य लोगों द्वारा भी इन कंपनियों में पैसा खपाने की जानकारी भी मिली है। इसके अलावा काफी ट्रांजेक्शन सिर्फ पर्चो में किया गया। जिनका पक्का चिठ्ठा नहीं है। इन सभी को लेकर पूछताछ की जा रही है।

- **36 टीम अलग-अलग लोकेशन पर खंगाल रही दस्तावेज, टैक्स चोरी और कागजों पर लेनदेन की जानकारी**

दोपहर बाद से चल रही सर्च

बताया गया कि टीम दोपहर करीब दो बजे से ही सर्च कर रही है। एक साथ सर्च शुरू होने से नोएडा में रियल स्टेट सेक्टर में हड़कंप का माहौल है। हालांकि अभी सर्च के दौरान बिल्डरों के आउटेंट , सेल परचेज और उनके बाकी लॉजिस्टिक को खंगाला जा रहा है। अंदाजा बड़ी टैक्स चोरी का भी है। सर्च के बाद जो रिपोर्ट कंपनाइल होगी उसी आधार टैक्स चोरी का आकलन किया जाएगा।

पार्क के निरीक्षण में नहीं मिला अनुरक्षण कार्य, कंपनी पर 1 लाख का जुर्माना

नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने गुरुवार को सेक्टर-105 सेंट्रल पार्क और सेक्टर-91 बायोडाइवर्सिटी पार्क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी, निदेशक उद्यान महेद्र प्रकाश, आंनद मोहन मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सेक्टर-105 के सेंट्रल पार्क में रास्तों के साथ हैज लगाने, पार्क में निर्मित माउंड पर अच्छी घास लगाने, क्यारियां बनाने, रीजनल पौधों को उचित प्रकार से लगाने, फाइकस के पौधे अन्य वृक्षों में कीटनाशक दवाएं डालने के लकिए कहा। यहां पार्क के पाथ वे को विद्युत यांत्रिकी विभाग की ओर से क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। उसकी मरम्मत करने के लिए कहा गया। अनुरक्षण कार्य के लिए अप्रसंन्नता व्यक्त की गई। इस क्रम में संविदाकार मैसर्स सरन एंड कंपनी पर 1 लाख का जुर्माना लगाने के निर्देश दिए। इसके बाद सेक्टर-91 बायोडाईवर्सिटी पार्क का निरीक्षण किया। यहां 4 की संख्या में क्योस्क को किराए पर देने, पार्क में एंट्री पर साफ-सफाई की व्यवस्था को ठीक करने के निर्देश दिए गए।

एनसीआरटीसी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदान कर रहा ड्राइविंग प्रशिक्षण

गाजियाबाद, 4 जनवरी (देशबन्धु)। एनसीआरटीसी ने गाजियाबाद क्षेत्र में एक विशेष पहल की है, जिसमें महिला गृहणियों को ड्राइविंग प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 18 से 35 वर्ष की लगभग 500 महिलाओं को अलग-अलग बैच में ड्राइविंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम महिला प्रतिभागियों को सक्षम बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है ताकि वे अपनी आजीविका बढ़ा सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि कार्यक्रम के शुरुआती चरण में लगभग 4-5 दिनों तक महिलाओं को ड्राइविंग के नियमों और ड्राइविंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों से परिचित कराने के लिए क्लासरूम ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके बाद दूसरे चरण में 2-3 दिनों तक वाहनों के बारे में तकनीकी जानकारी दी जाती है। इसके बाद तीसरे चरण में उन्हें 4-5 दिनों तक सिमुलेटर के माध्यम से गाड़ी चलाते समय नियंत्रण बनाए रखना सिखाया जाता है। अंत में, आखिरी चरण में महिलाओं को नियंत्रित वातावरण में सड़कों पर ड्राइविंग का अभ्यास करवाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, एनसीआरटीसी इन महिला प्रतिभागियों को ड्राइविंग के लिए लर्निंग लाइसेंस प्राप्त करने में भी सहायता प्रदान कर रहा है। ड्राइविंग प्रशिक्षण पूरा होने पर ये महिला प्रतिभागी टैक्सी या ई-रिक्शा जैसे वाहन चलाकर अपने घर की आर्थिक जरूरतों को पूरा कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी।

यह ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) द्वारा प्रशासित जेएफपीआर (जापान फंड फॉर प्रॉस्परस एंड रेज़िलिएंट एशिया एंड द पेसिफिक) अनुदान के तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। एनसीआरटीसी नियमित रूप से महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता है, जिसमें टैक्सी ड्राइवरों को प्रशिक्षण, ड्राइवरों और कंडक्टरों के लिए लिंग संवेदीकरण और रोजगार के लिए कौशल विकास सहित इसी तरह की पहल के तहत सैकड़ों महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया है। आरआरटीएस इस क्षेत्र में खासकर महिला यात्रियों के लिए परिवहन का सबसे सुरक्षित और आरामदायक साधन है। ट्रेन में प्रीमियम कोच के साथ वाला एक कोच महिला यात्रियों के लिए आरक्षित किया गया है और इसके अलावा अन्य सभी कोचों में भी महिला यात्रियों के लिए सीटें आरक्षित हैं। नमो भारत ट्रेनों में महिला यात्रियों को सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था भी लागू की गई है, जिसके तहत पूरी ट्रेन और आरआरटीएस स्टेशन परिसर में निगरानी के लिए सीसीटीवी लगाए गए हैं। आरआरटीएस में अधिकांश ट्रेन ऑपरेटर और स्टेशन कंट्रोलर महिलाएं हैं।

मांगे पूरी करो अन्यथा गांव में नहीं घुसने देंगे

नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा के किसान 16 जनवरी को महापंचायत करेंगे। ये निर्णय भारतीय किसान यूनियन (मंच) के पदाधिकारियों ने गुरुवार को कोंडली गांव में आयोजित पंचायत में लिया। किसानों ने कहा जन प्रतिनिधि हमारी मांग नोएडा प्राधिकरण से पूरी करवाए अन्यथा उनको गांव में घुसने नहीं दिया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुधीर चौहान ने किसानों से कहा कि 31 दिसम्बर 2021 को सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह और पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने किसानों व नोएडा प्राधिकरण के बीच में लिखित में 14 बिंदु का समझौता कराया था। समझौते के समय गौतम बुध नगर सांसद डॉ महेश शर्मा ने धरनारत किसानों को संबोधित करते हुए कहा था कि अब इस लिखित समझौते को पूरा करने की जिम्मेदारी लखनऊ से लेकर दिल्ली तक मेरी और नोएडा विधायक भाई पंकज सिंह की है। सुधीर चौहान ने कहा कि दो साल बीत जाने के बाद भी आज तक नोएडा प्राधिकरण ने इस समझौते को लागू नहीं किया और ना ही इस समझौते को पूरा करने के लिए जनप्रतिनिधियों ने कोई प्रयास किया। अब किसान अपना हक लेने के लिए किसी भी हद तक जाएंगे। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अशोक चौहान ने बताया कि पंचायत में सफीपुर, गढ़ी समस्तीपुर, कामबक्शपुर, डेरीन झौपडी के किसानों से पंचायत कर संवाद किया गया। निर्णय लिया गया कि 16 जनवरी को नोएडा प्राधिकरण और जनप्रतिनिधियों से अपना हक लेने के लिए किसान हरौला सेक्टर-5 नोएडा बारात घर पहुंचे। यूथ विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष आशीष चौहान ने कहा कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि हमारे सभी कार्यो को नोएडा प्राधिकरण से अति शीघ्र पूरा कराए। अन्यथा जनप्रतिनिधियों को गांव में नहीं घुसने दिया जाएगा।

किसानों ने पंचायत कर जनप्रतिनिधियों के प्रति दिखाया रोष, 16 को होगी महापंचायत

मोहन नगर जोन अंतर्गत संपन्न हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम, आज से विजयनगर जोंन में रहेगी धूम

गाजियाबाद, 4 जनवरी (देशबन्धु)। नगर निगम अधिकारियों ने विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रमों की कमान संभाली हुई है जिसमें मोहन नगर जोन अंतर्गत कार्यक्रम का समापन हुआ। विधायक सुनील शर्मा की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुए जिसमें लाभार्थियों की संख्या 1183 रही अतिथियों द्वारा क्षेत्र वासियों तथा लाभार्थियों को सफल कार्यक्रम के समापन पर शुभकामनाएं भी दी गई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के नोडल प्रभारी अरुण कुमार यादव द्वारा बताया गया कि दिनांक 5 जनवरी 2024 से विजयनगर जोन अंतर्गत कार्यक्रम की शुरुआत होगी जिसमें जोनल प्रभारी सहित निगम की टीम कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर रही है, पहला कार्यक्रम माता कॉलोनी वार्ड संख्या चार तथा दूसरा कार्यक्रम राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित होगा, जनप्रतिनिधियों का विशेष सहयोग कार्यक्रमों के आयोजन में लिया जाएगा जिसमें विजयनगर जोन के क्षेत्र वासियों को केंद्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु कार्यवाही की जाएगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सभी कार्यक्रमों में कैंप लग रहे हैं जिनके माध्यम से जन-जन तक सरकारी योजनाओं को पहुंचाया जा रहा है नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार निगम के वरिष्ठ अधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा बना रखी है जिसके क्रम में विजयनगर जोंन अंतर्गत कार्यक्रम चलेंगे, क्षेत्रीय पार्षदों का भी विशेष सहयोग प्राप्त हो रहा है।

सड़कों पर विचरण कर रहे एक हजार से अधिक गौवंश को आश्रय स्थल तक पहुंचाया

- **16जनवरी तक बढ़ाई अभियान की तिथि**
- **गौवंश के खाने, पीने और ठंड से बचाव के हैं पूरे इंतज़ाम**

गाजियाबाद, 4 जनवरी (देशबन्धु)। पूरे उत्तर प्रदेश के साथ दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले में गौ संरक्षण अभियान 16 जनवरी तक बढ़ा दिया गया है। अभी तक पूरे जिले में चले अभियान के दौरान एक हजार से अधिक गोवंश को संरक्षण दिया गया है। सभी गोवंशों को सड़क से उठाकर को आश्रय स्थलों पर भेजा गया है। ये सभी जिले की सीमा के अंदर का सड़कों पर विचरण कर रहे थे। आश्रय स्थलों में उनके खाने पीने की व्यवस्था की गई है। साथ ही ठंड से बचने के लिए भी पूरे इंतजाम किए गए।

जिला पशु चिकित्सा अधिकारी श्रीप्रकाश पांडेय ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देश के बाद एक नवंबर से यह अभियान शुरू किया गया था जो 31 दिसम्बर तक पूरा होना था लेकिन शासन ने अभियान को अब 16जनवरी बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी विकासखंड अधिकारियों व नगर निकाय के अधिशाषी अधिकारियों को नोडल अधिकारी बनाया गया है और जिले में कल 1000 गौवंश के संरक्षण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था जिसको हासिल कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान को कामयाब बनाने के लिए पूरे जिले में 10 वाहन भ्रमण कर रहे हैं और जिन पर विभाग की टीम तैनात है। यह टीम सड़क पर जहां भी कोई गौवंश विचरण करता दिखाई देता है तो उसे ही गाड़ी के जरिए संबंधित क्षेत्र के को आश्रय स्थलों पर भेज दिया जाता है। गाजियाबाद जिले में कुल 22 को आश्रय स्थल है। उन्होंने बताया कि यह अभियान लगातार जारी है जाएगा।

उवाच “

ज्ञान ही जीवन है और जीवन को नियमित होना चाहिए। अधिक पाने के लिए अधिक मेहनत करनी पडती है। राष्ट्रभक्त बनने के लिए देश की सेवा करना जरुरी है। आप चाहे किसी भी क्षेत्र में जाए उसी से देश की सेवा कर सकते हैं:-
डॉ. डी. एस. चौहान

कैपिटल ज़ोन

जेवर में बनने वाले 4 खेल मैदानों में मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। गांव की गलियों से निकलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लड़कियां एक अलग पहचान स्थापित कर रही हैं। जरूरत है, उनकी प्रतिभा को आगे लाने का तथा संसाधन उपलब्ध कराने की। प्राचीन खेल कबड्डी, आज पूरी दुनिया के सामने एक ऐसे खेल में तब्दील हो गया है, जिसमें भरपूर रोमांच और जज्बा तो है हीं, साथ हीं कामयाबी का हर फॉर्मूला भी समाहित है। लड़कियों के लिए जरूरतों के हिसाब से खेल का मैदान और प्रशिक्षण न हो पाने के कारण, प्रतिभाएं आगे नहीं आ पा रही हैं। इसी को लेकर बनाए जा रहे खेल मैदानों के आधुनिकरण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाने हेतु बृहस्पतिवार जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के साथ जेवर विधानसभा की विभिन्न ग्रामों की अनेकों बच्चियां, जो राष्ट्रीय स्तर पर भी अनेकों प्रतियोगिताएं खेल चुकी हैं, जिनमें वंशिका भाटी बुलन्दखेड़ा, प्राची सोलंकी धनौरी कला, कुमारी सोनिया जूनैदपुर, निशु नगर निवासी ग्राम पीपलका, कुमारी चंचल शर्मा

- **जेवर विधायक ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ से लड़कियों के साथ की मुलाकात'**
- **'प्रदेश के अन्य जनपदों में प्रतियोगिताओं खेलने के लिए खिलाड़ियों की ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण करेगी मदद'**

निवासी ग्राम सलेमपुर गुर्जर, अंजली भाटी निवासी सलेमपुर गुर्जर, कुमारी मुस्कान निवासी चचूला, कुमारी सन्तोष निवासी सलेमपुर गुर्जर, कुमारी कृष्णा निवासी बरसात, कुमारी स्वेता निवासी तालडा व कुमारी प्रियंका निवासी बुलन्दखेड़ा आदि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में सीईओ रवि कुमार एनजी से मिली। सीईओ रवि कुमार एनजी ने मौके पर ही सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र ही लड़कियों के लिए खेल मैदान तैयार करने को कहा। इस मौके पर एसीईओ आशुतोष कुमार द्विवेदी, एसएम नागेन्द्र सिंह व किसान कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुधीर त्यागी भी मौजूद रहे।

फिल्म सिटी की आज खोली जाएगी तकनीकी निविदा

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सेक्टर-21 में विकसित होने वाली फिल्म सिटी के लिए शुक्रवार को तकनीकी निविदा खोली जाएगी। इसके बाद वित्तीय निविदा खोलकर विकासकर्ता कंपनी का चयन कर लिया जाएगा। इस परियोजना का पहला चरण 230 एकड़ में विकसित किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण ने सेक्टर-21 में एक हजार एकड़ में फिल्म सिटी विकसित करने की योजना बनाई। इसके लिए दो बार ग्लोबल टेंडर निकाले गए, लेकिन फिल्म सिटी के विकास के लिए कोई कंपनी आगे नहीं आई। परियोजना को और अधिक व्यवहार्य बनाने के लिए शर्तों में संशोधन करने का निर्णय लिया गया। पीपीपी मॉडल पर विकसित होने वाली परियोजना का पहला चरण अब 230 एकड़ में विकसित किया जाएगा। इसमें 1510 करोड़ रुपए का निवेश होगा। शर्तों में बदलाव के बाद टेंडर निकाल दिए गए। परियोजना के लिए शुक्रवार को दोपहर दो बजे तक टेंडर डाले जा सकते हैं। शाम पांच बजे तकनीकी निविदा खोली जाएगी। अब तक तीन टेंडर जमा किए गए हैं। उम्मीद है कि टेंडर जमा करने वाले कंपनियों की संख्या बढ़ेगी।

- **वित्तीय निविदा खुलने के बाद कर लिया जाएगा विकासकर्ता का चयन**
- **यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-21 में पहले चरण में 230 एकड़ में विकसित होगी फिल्म सिटी**

इसरो की समस्या पर काम कर एनआईईटी के छात्रों ने जीता एक लाख का पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी की ग्रेमैटर्स टीम, प्रतिष्ठित स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में चौंपियन बनकर उभरी। एनआईटी की टीम ने एक लाख रुपए का पुरस्कार अपने नाम किया है। बीटेक तृतीय वर्ष में पढ़ रहे छात्रों की टीम ने इसरो द्वारा दी गई समस्या का निदान प्रस्तुत किया। एनआईटी की ग्रीमैट्स टीम का नेतृत्व सीएसई-एआईएमएल के तीसरे वर्ष के छात्र आयुष मणि त्रिपाठी कर रहे थे। इस टीम में सभी छात्र बीटेक तृतीय वर्ष से थे, जिसमें बीटेक, सीएसई-एआईएमएल स्ट्रीम से आयुष मणि, अंकुश चौहान, वरुण गुप्ता, आयुष रावत और बीटेक, सीएसई से खुशी पंत सहित कुल पांच छात्र शामिल थे। टीम ग्रेमैटर्स का मार्गदर्शन आरुषि थुसु जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में विशेषज्ञ हैं और

स्मार्ट इंडिया हैकथॉन में कॉलेज की ग्रेमैटर्स टीम ने किया बेहतरीन प्रदर्शन

वाटिका जलाली, जो मशीन लर्निंग में विशेषज्ञता रखती हैं, ने किया था। टीम ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की समस्या पर काम किया। इसका समस्या विवरण श्डोमेन नेम सर्वर (डीएनएस) फिल्टरिंग सर्विस युजिग थ्रेट इंटेलिजेंस फीड और एआई/एमएल तकनीक था। टीम दिया गया समाधान सरहाया गया तथा उनके प्रयासों से उन्हें उपलब्धि प्रमाण पत्र के साथ-साथ 1 लाख का नकद पुरस्कार भी मिला। ग्रेमैटर्स की उपलब्धि नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में छात्र समुदाय के भीतर अंतर्निहित प्रतिभा और समर्पण का प्रमाण है। एनआईईटी, ग्रेटर नोएडा के ईवीपी डॉ. रमन बत्रा ने टीम ग्रेमैटर्स को हार्दिक बधाई दी, उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि और प्रौद्योगिकी और नवाचार में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता की सराहना की।

भाजपा जिला प्रभारी ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय जनता पार्टी की बैठक जिला कार्यालय तिलपता गोलचक्कर पर हुई, जिसमें मुख्यवक्ता जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने की संचालन जिला उपाध्यक्ष सेवानन्द शर्मा ने किया बैठक में सभी कार्यकर्ताओं ने विकसित भारत बनाने के लिये शपथ ली। बैठक को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि 2024 लोकसभा चुनाव के लिये सभी कार्यकर्ता बूथ समिति का गठन बूथ समिति की। बैठक और केन्द्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धि जन कल्याणकारी योजनाओं उज्ज्वलता गैस, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जीवन बीमा, किसान फसल ऋण, योजना अनेकों सैकड़ों

- **बूथ समिति का गठन कर जनजन तक केन्द्र सरकार की योजनाओं को पहुंचाने की अपील**

प्रकार की जनता के लाभ की योजनाओं पर काम कर रही है। उन योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा मोदी की गारंटी वैन गांव-गांव जा रही और लोगों को लाभ दे रही है और सभी लोगों को नमों एप डाउनलोड कराए नमों ऐप से सरकार की। सभी योजनाओं की जानकारी लोगों तक मिल जायेगी। बैठक में जिला अध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि सभी कार्यकर्ता पार्टी संगठन और सरकार उपलब्धियों के विषय में घर-घर जाकर प्रचार प्रसार करें। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, दादरी विधायक तेजपाल नागर,एमएलसी विधायक नरेन्द्र भाटी, क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर, पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी, पूर्व विधायक सतवीर गुर्जर,देवा भाटी, ब्लॉक प्रमुख बिजेंद्र भाटी, ओमपाल प्रधान, जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, योगेश चौधरी, मनोज गर्ग, मनोज शिशोदिया, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, जिला उपाध्यक्ष सेवानन्द शर्मा, सतेंद्र नागर, पवन रावल, राहुल पंडित, पवन नागर, सत्यपाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, राज नागर, बिजेंद्र रावल, अनिता गौतम, विकास चौधरी, सरफराज अली, पंकज रावल, धर्मेन्द्र भाटी, रिंकु भाटी, मनोज भाटी आदि कार्यकर्ता बैठक में मौजूद रहे।

छात्र के पीटाई का वीडियो वायरल होने पर एक छात्र को किया निलंबित

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। दनकौर कोतवाली क्षेत्र में स्थित गलगोटिया विश्वविद्यालय में एक छात्रा कुछ छात्रों की तरफ से पीटाई को लेकर वीडियो वायरल हुआ, पिट रहे छात्र को बचाने के लिए एक छात्रा आगे आयी जबकि अन्य छात्र पास में ही तमाशबीन बने रहे। घटना की जानकारी पुलिस के पास पहुंची तो पुलिस ने कहा कि मामले की शिकायत मिलने के बाद आरोपी छात्रों पर कार्यवायी की जाएगी। वहीं विश्वविद्यालय में विद्यार्थी के द्वारा अनुशासनहीनता करने पर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने की सख्त कार्रवाई। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि हमारे परिसर में चिंताजनक घटना प्रकाश में आया है, हम आश्वस्त करना चाहते हैं कि तत्काल कार्रवाई की गई है। इसमें शामिल छात्र विक्रांत तोमर की पहचान कर ली गई है, उसे निलंबित कर दिया गया, विवि में स्थापित अनुशासनात्मक प्रोटोकॉल के अनुसार निष्कासन की कार्यवाही का सामना करना पड़ रहा है। लड़ाई का कारण था दो लड़कों के बीच की गई कुछ अनुचित टिप्पणियाँ थी। हमारा सुरक्षा अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद था और स्थिति का आकलन करने के बाद, बैकअप के लिए कॉल करने के बाद हस्तक्षेप किया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों को घटनास्थल पर भेजा गया और इस अफसोसजनक घटना की गहन जांच के लिए एक समिति का गठन किया गया है। इसके अलावा, हम छात्र कल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत कर रहे हैं। हमारी प्राथमिकता शिक्षा के लिए अनुकूल एक सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण को बढ़ावा देना है।

- **पूरे मामले को लेकर गलगोटिया विवि प्रशासन ने गठित की जांच कमेटी**

खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबंधोत्सव में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट में खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रबंधोत्सव-2024 का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में एकेटीयू यूनिवर्सिटी लखनऊ के पूर्व वाइस चांसलर डॉ. डी.एस. चौहान और भारत की पहली विश्व चौंपियन महिला पहलवान अलका तोमर ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में कई प्रकार के खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा जिसमें ग्रेटर नोएडा के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों के छात्र भाग लेगें। शुभारम्भ समाहरोह में कॉलेज के छात्रों ने अलग राज्यों के नृत्य, फोक गीत और म्यूजिकल स्टूमेंट का प्रदर्शन करके सभी दर्शकों को ताली बजाने पर मजबूर कर दिया। समाहरोह में डॉ. डी. एस. चौहान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान ही जीवन

है और जीवन को नियमित होना चाहिए। अधिक पाने के लिए अधिक मेहनत करनी पडती है। राष्ट्रभक्त बनने के लिए देश की सेवा करना जरुरी है। आप चाहे किसी भी क्षेत्र में जाए उसी से देश की सेवा कर सकते हैं। अलका तोमर ने कहा कि मैंने अपने पिता से प्रेरित होकर कुश्ती सीखी। वर्ल्ड चौंपियनशिप में चाइना को हराना चमत्कार जैसा था। उन्होंने कहा कि अगर मैं कर सकती हूं तो देश की हर बेटी कर सकती है। आप अपने सपनों में जान डालोगे तो ही उड़ान भरोगे। एक खिलाडी के लिए अनुशासन बहुत जरुरी है। अंत में अलका तोमर ने अपनी जर्नी के बारे में बताकर छात्रों को प्रतियोगिता के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता का संयोजन कॉलेज का प्रबंधन अध्ययन विभाग कर रहा हैं।

हमारी संस्कृति हमारी पहचान के तहत संस्कृति उत्सव का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। शास्त्रीय एवं लोक संगीत की उपयुक्त पृष्ठभूमि में उत्तर प्रदेश के सभी अंचलो में कलाकारों की पहचान कर उन्हें उनकी योग्यता के अनुसार मंच प्रदान करते हुए उनको प्रोत्साहित एवं समृद्ध करने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा उत्तर प्रदेश पर्व 'हमारी संस्कृति हमारी पहचानष् के अंतर्गत 'संस्कृति उत्सव-2023' को लेकर आज दिल्ली पब्लिक स्कूल गामा 2 ग्रेटर नोएडा में जनपद स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका दीप प्रज्वलित कर विधिवत् शुभारंभ जेवर क्षेत्र के माननीय विधायक धीरेंद्र सिंह एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के द्वारा किया गया। जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत ने जानकारी देते हुए

- **सांस्कृतिक प्रतियोगिता का जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने किया शुभारंभ**

बताया कि संस्कृति महोत्सव 2023 के तहत आयोजित जनपद स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विभिन्न विधाओं जैसे नृत्य, लोक नृत्य, गायन, लोक गायन, शास्त्रीय गायन, वादन, देश भक्ति गीत को लेकर लगभग 30 प्रस्तुतियां की गई। जनपद स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विभिन्न विधाओं के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय विजेता प्रतिभागियों को माननीय विधायक धीरेंद्र सिंह एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने प्रमाण पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का मंच संचालन विकास सक्सेना संस्कार भारती ने किया। उन्होंने बताया कि संस्कृति महोत्सव 2023 के तहत जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता के विजेताओं 10 से 15 जनवरी 2024 के मध्य मंडल स्तर पर आयोजित होने वाली सांस्कृतिक प्रतियोगिता में हिस्सा लेगें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह यादव, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी महिपाल सिंह, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी लवेश सिसोदिया, जिला दिव्यांगजन अधिकारी आशीष कुमार सिंह तथा अन्य अधिकारी गण व विभिन्न विधाओं के कलाकार उपस्थित रहे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में राज्य सभा सांसद ने दिलाई शपथ

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। विकसित भारत संकल्प यात्रा गांव दनकौर मंडल के माकनपुर खादर एवं कासना मंडल के शाहपुर खुर्द में पहुंची शाहपुर खुर्द में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर रहे। उन्होंने कहा कि यह सरकार गरीबों की समर्पित सरकार है पंडित दीनदयाल उपाध्याय के सपनों को साकार करने का काम देश में मोदी और योगी उत्तर प्रदेश में योगी सरकार कर रही है। अब से पहले सरकार की योजनाएं आपके द्वार तक नहीं आती थी, लेकिन मोदी की गारंटी वाला रात और अधिकारी और कर्मचारी आपके द्वारा आपकी समस्याओं को सुनने के लिए आ रहे हैं। यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। माकनपुर खादर में जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि कहा कि आज सरकार आपके द्वारा आ रही है सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लें और जो इससे वंचित रह गया है उसको भी यह लाभ दिलाने का काम करें। इस अवसर पर नोडल अधिकारी डॉक्टर सीमा सिंह, भाजपा जिला के संयोजक रवि जिंदल, वरिष्ठ भाजपा नेता कपिल गुर्जर, सर्वेंद्र कपासिया, नीरज शर्मा, बिजेंद्र प्रमुख, राज नागर आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ट्यूबवेल से बिजली के उपकरण चोरी

दनकौर, 4 जनवरी (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के जगनपुर गांव के जंगल से एक किसान की ट्यूबवेल से बिजली के उपकरण चोरी होने का मामला सामने आया है। मामले की जानकारी होने पर गुरुवार को पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर अज्ञात आरोपी के खिलाफ शिकायत की है। कासना कोतवाली क्षेत्र के पचायतन गांव निवासी महेंद्र भाटी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि उनकी दनकौर कोतवाली के जगनपुर गांव में जमीन है। उन्होंने बताया कि जहां पर ट्यूबवेल भी बनी हुई है। आरोप है कि बुधवार की रात अज्ञात आरोपी उनकी ट्यूबवेल से बिजली मोटर समेत कई उपकरणों को चुराकर ले गया। साथ ही आरोपियों ने बिजली मोटर से उसके तार निकालने के लिए मोटर को क्षतिग्रस्त भी कर दिया। जिसके पार्ट्स गुरुवार की दोपहर वहा पहुंचने पर उनको मिले हैं। पुलिस का कहना है पीड़ित की शिकायत ले ली गई है। जिसका आधार पर चोरों की सुराग लगाकर उनको गिरफ्तार किया जाएगा।

पुलिस मुख्यालय में फोर्टिस अस्पताल ग्रेनो ने स्वास्थ्य व्याख्यान व शिविर किया आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा ने पुलिस मुख्यालय (ट्रैफिक पार्क) के ऑडिटोरियम में एक हेल्थ टॉक और मल्टी-स्पेशलिटी शिविर का का आयोजन किया। इस आयोजन में काफी संख्या में अधिकारियों सहित पुलिसकर्मी शामिल हुए। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि लक्ष्मी सिंह, पुलिस कमिश्नर थीं। कार्यक्रम में आनंद कुलकर्णी, ज्वाइंट सीपी- लॉ एंड ऑर्डर, बबलू कुमार, ज्वाइंट सीपी- हेडक्वार्टर, हरीश चंद्र, डीसीपी नोएडा जोन, डीसीपी रामबदन सिंह, डीसीपी हेडक्वाटर विद्यासागर मिश्र, डीसीपी रवि शंकर निम तथा अन्य उच्च पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में 250 से अधिक लोग शामिल हुए। इस अवसर पर पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए हेल्थ टॉक और मल्टी-स्पेशलिटी कैंप के आयोजन के लिए फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के सभी डॉक्टर्स और स्टाफमेंबर्स के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस तरह की पहल न केवल समाज को स्वस्थ रखने में मदद करती है, बल्कि सामुदायिक कल्याण में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती है। ऐसे प्रयासों के लिए हम फोर्टिस अस्पताल की प्रतिबद्धता की सराहना करते हैं। सभी लोगों का स्वागत करते हुए डॉ. दिनेश के. त्यागी, एडिशनल डायरेक्टर- इंटरनल मेडिसिन ने अच्छे स्वास्थ्य के लिए स्ट्रेस मैनेजमेंट के महत्व को समझाते हुए व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि स्ट्रेस मैनेजमेंट से हम अपने लिए स्वस्थ्य जीवन चुन

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने अस्पताल के योगदान की सराहना की

सकते हैं। इस अवसर पर पीरियड्स और प्रेगनेंसी के दौरान महिला स्वच्छता और स्वास्थ्य पर आयोजित सत्र में डॉ. सोनाली गुप्ता, एडिशनल डायरेक्टर ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, फोर्टिस हॉस्पिटल, ग्रेटर नोएडा ने महिला स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला और उपस्थित लोगों को इससे संबंधित जानकारी प्रदान की। फोर्टिस हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के फैसिलिटी डायरेक्टर, प्रमित मिश्रा ने कहा कि हेल्थ टॉक और मल्टी-स्पेशलिटी कैंप का उद्देश्य सभी को उनके स्वास्थ्य के बारे में जागरूक करना था। हम इस कार्यक्रम में मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया से उत्साहित हैं और भविष्य में ऐसे अन्य आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने ने बताया कि पुलिस कर्मियों के लिए आने वाली 6 और 7 जनवरी को पुलिस लाइन, सुरजपुर में हेल्थ कैंप लगाया जाएगा। जिसमें उपस्थित लोगों की स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई।

दो पक्षों में मारपीट, पथराव, एक घायल

रबूपुरा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। बीती रात मामूली कहासुनी के बाद दो पक्षो में मारपीट हो गई। दोनों तरफ से जमकर लाठी डंडे और पथराव हुआ। जिसमें एक युवक घायल हो गया। आरोप है कि इस दौरान फायरिंग भी की गई। उधर पुलिस ने फायरिंग से इंकार कर रही है तथा एक पक्ष की शिकायत पर एक नामजद समेत दर्जन भर लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस अनुसार बुधवार की देर शाम कस्बे के मोहल्ला सद्भावना नगर निवासी सुबहान पुत्र अहमद शहीद बाल्मिक मोहल्ले से होकर गुजर रहा था। इसी दौरान कस्बे के ही निवासी 8-10 ने गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिससे वह घायल हो गया। बताया जाता है इसके बाद दोनों पक्ष के दर्जनों लोग आपस मे भिड़ गए और जमकर लाठी डंडे चले और पथराव हुआ तथा इस दौरान फायरिंग भी हुई। पुलिस का कहना है झगड़ा करने वाले दोनों युवक आपस में दोस्त हैं। कहां सुनी के बाद दोनों में मारपीट हो गई थी। फायरिंग की बात सामने नहीं आई है। पीड़ित की शिकायत पर आरोपित मोनू पुत्र सुखवीर व 10 अज्ञात युवको के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

किसान एकता संघ के कार्यकर्ताओं का जेवर टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन

जेवर, 4 जनवरी (देशबन्धु)। किसान एकता संघ के कार्यकर्ताओ ने बृहस्पतिवार को टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन किया। किसी भी सक्षम अधिकारी के न पहुचने से आक्रोशित कार्यकर्ताओ ने करीब पांच मिनट के लिए आगरा जाने वाले वाहनों को टोल फ्री कर दिया। पुलिस के समझाने पर कार्यकर्ता शांत हुए। सूचना पर पहुचे टोल प्लाजा प्रबंधक व कोतवाली प्रभारी को ज्ञापन सौंपते हुए मांगो को पूरा करने की मांग की। संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया कि बृहस्पतिवार को संगठन के सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने यमुना एक्सप्रेसवे के जेवर टोल प्लाजा पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया तथा टोल प्लाजा प्रबंधक जेके शर्मा व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनोज सिंह चौहान को ज्ञापन सौंपते हुए पांच सूत्रीय मांगो को पूरा करने की मांग की।टोल प्रबंधक जेके शर्मा द्वारा किसानों सभी मांगो का निस्तारण कराने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा। उन्होंने बताया कि किसानों की मुख्य मांग क्षेत्रीय किसानों को आईडी के आधार पर टोल प्लाजा पर निशुल्क निकाला जाए ,जीरो पाइंट से लेकर जेवर तक हाईवे के समीप सर्विस रोड बनाया जाए तथा जिन किसानों की जमीन पर हाइवे बनाया उन किसानों के बच्चों को योग्यता के आधार पर अनिवार्य रूप से रोजगार दिया जाए। इस मौके पर मास्टर इन्द्रपाल सिंह, जगदीश शर्मा, पप्पे नागर, मोहनपाल नागर, बिक्रम नागर, अमित अवाना, सुभाष भाटी, राममेहर प्रधान, जितेन्द्र शयौरान, आशु खान, डॉ जाफर खान, सहदेव भाटी, अमित नागर, नीरज कसाना, हेमराज बीडीसी, दीन मौहम्मद, इरशाद खान, अर्जुन प्रजापति, अकरम खान, दुर्गेश शर्मा, रवि नागर, मनवीर नागर, अरूण खटाना, हिमाचल कसाना आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

अधिकारियों के न पहुंचने पंर आक्रोशित किसानों ने 5 मिनट के लिए किया टोल फ्री

{ संपादकीय }

नई दिल्ली, शुक्रवार 5 जनवरी 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

शर्मिला के कांग्रेस प्रवेश के होंगे दूरगामी परिणाम

पहले कर्नाटक फिर तेलंगाना में चुनावी सफलताएं हासिल करने के बाद अब दक्षिण भारत के एक और महत्वपूर्ण राज्य आंध्रप्रदेश में कांग्रेस के हाथ बड़ी बाजी लगी है जब वहां वाईएसआर तेलंगाना पार्टी की संस्थापक वाईएस शर्मिला ने अपनी पार्टी का कांग्रेस में विलय कर दिया है। वे आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की बेटी और वहां के वर्तमान मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी की बहन हैं। गुरुवार को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी आदि की उपस्थिति में कांग्रेस में प्रवेश करने वाली शर्मिला ने ही 2012 में जगन मोहन की अनुपस्थिति में अपनी मां के साथ अपनी पार्टी की कमान सम्हाली थ। बाद में भाई को प्रदेश की सत्ता में बैठाने की वे ही सूत्रधार थीं। 2019 के विधानसभा चुनाव में जगन मोहन की वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को 175 सीटों वाली विधानसभा में 151 निर्वाचन क्षेत्रों में सफलता मिली थी। 2021 में शर्मिला ने वाईएसआर तेलंगाना पार्टी बना ली थी। आंध्र प्रदेश के साथ अलग हुए तेलंगाना में भी उनकी पार्टी की उपस्थिति तो है परन्तु पिछले साल नवम्बर में हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने हिस्सा नहीं लिया था जिससे कांग्रेस की विजय आसान हो सकी।

शर्मिला का कांग्रेस में शामिल होना केवल इसलिये महत्वपूर्ण नहीं है कि उन्होंने भाई से अलग राह पकड़ी। उसकी महत्ता इस लिहाज़ से आंकी जानी चाहिये कि उन्होंने तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की तत्कालीन सरकार को भ्रष्ट बतलाया था। राव सरकार को भ्रष्टाचार के मामले में कोसने के बाद यदि शर्मिला कांग्रेस में शामिल होती हैं तो वे कांग्रेस को अप्रत्यक्ष रूप से साफ छवि का बतला रही हैं। याद हो कि शर्मिला ने राव सरकार के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ राज्यव्यापी प्रदर्शन किये थे। उनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। माना जाता है कि उनके कार्यकर्ताओं ने पिछले तेलंगाना चुनावों में कांग्रेस को परोक्ष रूप से मदद भी की थी। इससे दोनों दलों के बीच नज़दीकियां बढ़ीं। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री एवं पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने भी शर्मिला की पार्टी के कांग्रेस में विलय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस राज्य में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी को टक्कर देने में तेलुगू देशम पार्टी एवं जन सेना को कामयाबी नहीं मिल पाई है। इस लिहाज से देखें तो शर्मिला का कांग्रेस में शामिल होना और उसे एक नेता और वाईएसआर तेलंगाना पार्टी का पूरा का डर भी मुहैया करायेगा। इससे कांग्रेस के जनाधार में बड़ा विस्तार होगा जो इस वर्ष जून में होने जा रहे विधानसभा चुनाव के पूरे परिदृश्य को बदलकर रख सकता है। हालांकि यह कहना अभी थोड़ी जल्दबाजी होगी कि क्या इस चुनाव में भाई-बहन मुख्यमंत्री पद के परस्पर दावेदार होंगे। यह निर्भर करेगा कि कांग्रेस की ओर से उन्हें किस तरह की जिम्मेदारियां मिलती हैं और उन्हें पार्टी किस रूप में प्रोजेक्ट करती है। यह भी देखना होगा कि उसके पहले अप्रैल में होने जा रहे लोकसभा चुनावों में कांग्रेस का प्रदर्शन कैसा रहता है। वहां लोकसभा की 25 सीटें हैं। इनमें से 22 वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पास और 3 पर टीडीपी का कब्जा है।

देखना होगा कि कांग्रेस को यहां कितनी सफलता मिलती है। फिर भी, इतना तो तय है कि शर्मिला न केवल आगामी दोनों ही चुनावों में बड़ी भूमिका निभायेंगी वरन वे ही कांग्रेस का प्रमुख चेहरा बनकर उभरेंगी। अभी वैसे भी कांग्रेस के पास जगन मोहन से मुकाबले के लिये बड़ा चेहरा नहीं है क्योंकि वे देश के सर्वाधिक अमीर मुख्यमंत्रियों में से एक हैं जो चुनावों में पैसा पानी जैसा बहाने के लिये जाने जाते हैं। अगर उनके खिलाफ कांग्रेस को उन्हीं के घर से कोई प्रत्याशी मिलता है तो उसके लिये इससे बेहतर भला और क्या हो सकता है? इस दृष्टिकोण से भी अगर कांग्रेस पहले ही उन्हें सीएम का चेहरा बनाकर उतारे तो आश्चर्य नहीं होना चाहिये।

वाईएसआर तेलंगाना पार्टी के विलय का अर्थ है कांग्रेस की दक्षिण भारत में किलेबन्दी का और मजबूत होना। कांग्रेस के लिये इस बार के लोकसभा चुनाव में वैसे भी दक्षिण भारतीय राज्य बड़ी भूमिका निभाने जा रहे हैं। माना जाता है कि उत्तर भारत की बजाये 2024 में दिल्ली की सत्ता का रास्ता दक्षिण से होकर गुजरेगा। भारतीय जनता पार्टी के लिये वैसे भी आंध्रप्रदेश में खोने को कुछ भी नहीं है परन्तु इस समय कांग्रेस यहां क्या हासिल करती है, यह महत्वपूर्ण है। शर्मिला द्वारा अपनी पार्टी का केवल गठबन्धन न कर उसके विलय का निर्णय यह भी बतलाता है कि प्रादेशिक दलों के लिये अब भाजपा की बजाये कांग्रेस को अधिक भरोसेमंद माना जाने लगा है। जो छोटे दल भाजपा प्रणीत एनडीए में शामिल हुए, उनका क्या हश्र हुआ- यह सबके सामने है। चूंकि ऐसे दलों में, खासकर दक्षिणी राज्यों में, प्रांतीय अस्मिता एक अहम मुद्दा होता है जिसे भुलाकर किसी राष्ट्रीय पार्टी में स्वयं का विलय कर देना भारतीय राजनीति में लम्बे समय के बाद देखी गई प्रवृत्ति कही जा सकती है। कांग्रेस प्रणीत इंडिया गठबन्धन हो या एनडीए- कोई भी दल विलीन नहीं हुआ है। शर्मिला सभी के मुकाबले एक कदम आगे बढ़ी हैं। यह उन्हें विश्वसनीयता तो दिलाएगा ही, उनकी सीएम पद की दावेदारी को भी पुख्ता करेगा।

लोकसभा चुनाव के लिहाज से एक और कोण है जिस पर विचार करना होगा। वह यह कि तेलंगाना व कर्नाटक में पहले से कांग्रेस की सरकारें तो हैं ही, केरल में वामदल एवं तमिलनाडु में डीएमके के साथ वह लोकसभा चुनाव लड़ेगी। अब आंध्रप्रदेश में भी संगठन का बड़ा विस्तार सम्भावित है जिसका फायदा कांग्रेस को ज़रूर मिलेगा।

न्याय संहिता के अन्याय को परिवहन मजदूरों की चुनौती

मोदी सरकार द्वारा हाल में पारित कराए गए कथित 'नये' अपराध कानूनों में, जिनका औपनिवेशिक कानूनों के 'मुक्ति' के रूप में खूब ढोल पीटा जा रहा है, अब मूल नाम हिंदी में रखे जाने के सिवा, नया और औपनिवेशिकता-विरोधी क्या है, इसके लिए दूरबीन से खोजने की जरूरत है। लेकिन, एक चीज जो किसी एक या किन्हीं एक प्रकार के कानूनों के मामले में नहीं बल्कि आम तौर पर इस समूची 'न्याय संहिता' के बारे में ही सच है, वह है नागरिकों के अधिकारों को ज्यादा से ज्यादा घटाने की और सजाओं को ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने की प्रवृत्ति, जो औपनिवेशिक राज की परंपरा के बनाए रखे जाने को ही नहीं आगे बढ़ाए जाने को भी दिखाती है। औपनिवेशिक राज में ऐसी प्रवृत्ति का होना स्वाभाविक है क्योंकि यह प्रवृत्ति शासक और शासित के बीच बुनियादी अंतर्विरोध को दिखाती है। लेकिन, औपनिवेशिक शासन से आजाद हो चुके एक औपचारिक रूप से जनतांत्रिक देश में इस तरह की प्रवृत्ति का आगे बढ़ना, मौजूदा शासन के पूरी तरह से आम नागरिकों की विशाल संख्या के खिलाफ हो जाने को ही दिखाता है। लेकिन, जहां औपनिवेशिक शासन, आम जनता के विरोध के दमन के जरिए, अपने आम जनताविरोधी राज को बनाए रखने की कोशिश करता था, वर्तमान शासन धर्म के नाम पर सांप्रदायिक गोलबंदी के हथियार से, नागरिकों और खासतौर से बहुसंख्यक समुदाय की अपने हित की चेतना को कुंद करने के जरिए, ठीक यही करता नजर आ रहा है।

इसीलिए, हैरानी की बात नहीं है कि इस कथित नयी न्याय संहिता के तहत एक 'सख्त' कर दिए गए कानून के खिलाफ परिवहन उद्योग की और खासतौर पर ड्राइवरों की देशव्यापी हड़ताल ने, नये साल के पहले दिनों में ही देश में अनेक जगहों पर, आपूर्तियों को बाधित कर, लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं और यहां तक कि बहुत सी जगहों पर वाहनों के ईंधन की भी गंभीर तंगी पैदा कर दी है, फिर भी सरकार के कान पर जूं तक रेंगती नहीं लगती है। क्यों? क्योंकि नये साल के पहले दिन, जब ट्रक आदि के ड्राइवरों की यह हड़ताल शुरू हुई, देश का शासन जैसे अयोध्या के अपने 30 दिसंबर के रोड शो, उद्घाटन, घोषणा कार्यक्रम से प्रधानमंत्री मोदी ने, जिस 'राम मंदिर' भुनाओ अभियान की विधिवत शुरूआत की थी, उसकी खुमारी से ही निकला नहीं था। तभी तो, जनजीवन को प्रभावित करने वाली किसी हड़ताल को संभालने के लिए, सामान्यत: किसी जनतांत्रिक व्यवस्था में जिस तरह के कदम उठाए जाते हैं, उस प्रकार के कदमों या चिंता का कहीं दूर-दूर तक अता-पता ही नहीं था। शासन निश्चिंत है, राम मंदिर के उद्घाटन से जुड़ा उसका अभियान, ऐसी हरेक आवाज को तुच्छ बना देगा। कहां इतना बड़ा काम हो रहा है और कहां ये ड्राइवर वगैरह, अपनी मामूली शिकायतें ले आए हैं।

ड्राइवरों की शिकायतों का मुद्दा एकदम सरल है। नये कानून में दुर्घटना में मौत की सजा को बढ़ाकर 'हत्या' की सजा के करीब पहुंचा गया है। अब तक दुर्घटना से मौत के लिए 2 साल की कैद का प्रावधान था। जाहिर है कि दुर्घटना होने की स्थिति में, ड्राइवर की लापरवाही को ही दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है। लेकिन, नये कानून में ऐसी मौत होने की सूरत में सजा सीधे बढ़ाकर 7 साल तक कर दी गयी है और इसके अलावा तगड़े जुर्माने का भी प्रावधान है। 'सख्ती' पर इसी जोर को आगे बढ़ाते हुए, 'हिट एंड रन' यानी वाहन चालक के दुर्घटना की जगह से भाग जाने की सूरत में, सजा और बढ़ाकर 10 साल की कैद तक कर दी गयी है और जुर्माना भी 7 लाख रुपए कर दिया गया है।

राजेन्द्र शर्मा

> अगर सरकार हड़बड़ी में, सड़क दुर्घटना में मौतों के मामले में वाहन चालकों के लिए सजा बढ़ाने जैसे कदमों का सहारा लेती है, तो उससे इस समस्या पर काबू पाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली है। सच्चाई यह है कि ड्राइवरों की लापरवाही से भी ज्यादा संख्या में इन मौतों के पीछे सड़कों की डिजाइन से लेकर रख-रखाव, भारी वाहनों के लिए मार्ग-अलगाव, अलग-अलग श्रेणी के वाहनों का अलगाव आदि-आदि की कमजोरियां काम करती हैं।

कहने की जरूरत नहीं है कि इस देश में कॉमर्शियल वाहनों के ड्राइवरों की जिंदगी की सच्चाइयों के संबंध में जरा सी भी बाखबर किसी भी सरकार ने, सजा के प्रावधानों में इस तरह की सख्ती लाने से पहले, अपने कदमों के प्रभाव पर बीस बार सोचा होता। और जाहिर है कि जनतांत्रिक व्यवस्था में संबंधित तबके से बातचीत के जरिए, उनके लिए कम से कम दिक्कतें पैदा करते हुए, अपना उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा आगे बढ़ाने का रास्ता निकाला होता। लेकिन, जाहिर है कि वर्तमान सरकार ने इस पूरे मामले में ड्राइवरों को दोषी और उससे भी बढ़कर अपराधी की नजर से देखा जा रहा है। यह इसके बावजूद है कि यह किसी से भी छुपा हुआ नहीं है कि कोई पेशेवर ड्राइवर, जान-बूझकर दुर्घटनाएं नहीं करता है। बेशक, दुर्घटना में विक्टिम तो स्वत: स्पष्ट होता है, लेकिन ड्राइवर को अपराधी और उसमें भी हत्या जैसे जघन्य अपराध के अपराधी की तरह देखा जाना भी किसी भी तरह से न्यायपूर्ण नहीं है। यहां वर्तमान शासन, 'जान के बदले जान' के आग्रह से संचालित लगता है, जिसकी जगह सिर्फ आदिम कानूनों में हो सकती है, आधुनिक न्याय व्यवस्था में नहीं।

एक ओर 7 लाख रुपए तक जुर्माने का प्रावधान और दूसरी ओर, दुर्घटना स्थल से भागने के नाम पर, जेल की सजा बढ़ाकर 10 साल किए जाने में, यह और भी साफ दिखाई देता है कि ये कानून बनाने वालों का वास्तविकताओं से कुछ लेना-देना ही नहीं था। वर्ना 7 लाख रुपए के जुर्माने का प्रावधान करते हुए, यह तो ध्यान में आया होता कि देश में पेशेवर ड्राइवर की आय औसतन पच्चीस-तीस हजार रुपए से ज्यादा नहीं होगी। ऐसे में करीब दो साल की कुल आय के बराबर जुर्माना कोई ड्राइवर कहां से भरेगा और वह भी तब जबकि जेल की सजा की अवधि कई गुना बढ़ाई जा रही है। लंबी सजा के साथ, ड्राइवर के बाकी परिवार के लिए भी जुर्माने की ऐसी रकम जुटाना मुश्किल होगा। बहरहाल, इससे भी ज्यादा वास्तविकताओं से कटा हुआ है, दुर्घटना स्थल से भागने के 'अपराध' के लिए जेल और जुर्माने, दोनों की सजा में उल्लेखनीय बढ़ोतरी का फैसला।

दुर्घटना को इरादतन अपराध की तरह न देखने वाला कोई भी व्यक्ति इस सच्चाई को अनदेखा नहीं कर सकता है कि दुर्घटना में मौत होने की सूरत में, मृतक के परिजनों की ही नहीं, आम लोगों की भी प्रतिक्रिया बहुत बार काफी हिंसक हो जाती है। ऐसी सूरत में ड्राइवर से घटनास्थल पर रुके रहने की अपेक्षा करना, उससे जान-जोखिम में डालने की अपेक्षा करना है। रही पुलिस को सूचित करने की बात तो, ज्यादातर मामलों में कामर्शियल वाहनों के ड्राइवर घटनास्थल से भागकर, पुलिस के पास ही जाते हैं। यह अक्सर उनके लिए प्राणरक्षा के उपाय के तौर पर कारगर भी होता है। लेकिन, पुलिस और कॉमर्शियल वाहनों के ड्राइवरों के रिश्तों की हमारे यहां जो आम व्यवस्था उसमें यह भी, ड्राइवर के लिए आर्थिक रूप से काफी महंगा ही पड़ता है। ऐसे में पुलिस को सूचित करने-न करने की सूरत में सजाओं का भारी अंतर, पुलिस के हाथों में वसूली का एक और हथियार बन सकता है। आखिरकार, इसका साक्ष्य तो पुलिस के ही हाथ में होगा कि उसके दुर्घटना करने वाले ड्राइवर ने खुद इसकी जानकारी दी थी, या पुलिस ने तफ्तीश में उससे संबंधित जानकारी 'निकलवाई' थी!

बेशक, हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में मौतें असह्य रूप से ज्यादा हैं। 2021 में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में 1,53,792 मौतें दर्ज हुई थीं, जबकि 2018 में यही आंकड़ा 1,50,785 था। 2010 में सड़क दुर्घटना में मौतें 1.3 लाख ही रही थीं। साफ तौर पर यह संख्या बढ़ती ही जा रही है। यह और परेशान करने वाली बात है कि जहां भारत में ये मौतें बढ़ती ही जा रही हैं, जबकि दुनिया के पैमाने पर इन्हीं मौतों में 5 फीसद की गिरावट दर्ज हुई है। लेकिन, अगर सरकार हड़बड़ी में, सड़क दुर्घटना में मौतों के मामले में वाहन चालकों के लिए सजा बढ़ाने जैसे कदमों का सहारा लेती है, तो उससे इस समस्या पर काबू पाने में कोई मदद नहीं मिलने वाली है। सच्चाई यह है कि ड्राइवरों की लापरवाही से भी ज्यादा संख्या में इन मौतों के पीछे सड़कों की डिजाइन से लेकर रख-रखाव, भारी वाहनों के लिए मार्ग-अलगाव, अलग-अलग श्रेणी के वाहनों का अलगाव आदि-आदि की कमजोरियां काम करती हैं। लेकिन, ढांचागत क्षेत्र तथा सड़क निर्माण के बढ़ते निजीकरण के चलते, अब इन पहलुओं की बेहतर प्रौद्योगिकियां आने के बावजूद, पहले से भी ज्यादा उपेक्षा हो रही है। इसके ऊपर से हमारे देश में कथित गोरक्षा के जुनून में सड़कों पर आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या के लिए दरवाजे और खोल दिए गए हैं। ऐसे में भारतीय न्याय संहिता का गरीब वाहन चालकों को ही अपराधी बनाकर पीसना, न तो भारतीय है और न न्याय; ये तो सरासर अन्याय है।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

अडानी मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से विरोधियों में नहीं जगा विश्वास

■ के रवीन्द्रन

अडानी समूह के खिलाफ आरोपों की सेबी जांच की पर्याप्तता के विरूद्ध बहुप्रतीक्षित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला न तो ठोस है और न ही निर्णायक। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने बाजार के नियामक को अपनी जांच पूरी करने के लिए और तीन महीने का समय दिया है। अदालत ने संक्षेप में गेंद सरकार के पाले में डाल दी है, जिसे मोटे तौर पर कुख्यात कवर-अप में रुचि रखने वाली पार्टी माना जाता है। यदि सेबी इतने महीनों में जांच पूरी नहीं कर सकता है तो जाहिर तौर पर वह इस कार्य में लगा हुआ है, तो ऐसा कोई रास्ता नहीं है कि वह इसे तीन महीने में पूरा कर सके। इसलिए, समय का विस्तार इसमें काम नहीं आयेगा।

तीसरे पक्ष की संस्थाओं और मीडिया इकाइयों के निष्कर्षों पर अदालत का रुख कि ये विश्वास को प्रेरित नहीं करते हैं, वांछित होने के लिए बहुत कुछ छोड़ दिया जाता है। उसका कहना है कि ऐसे साक्ष्यों को अधिक से अधिक इनपुट के रूप में माना जा सकता है, लेकिन उसने अपने निष्कर्षों पर पहुंचने के लिए उसी दृष्टिकोण का पालन करने से इनकार कर दिया है।

> सेबी हमेशा से अपनी जांच पूरी करने के लिए किसी भी समय सीमा से बंधने से इनकार करता रहा है और कहता रहा है कि ऐसी समय सीमा जांच की गुणवत्ता में हस्तक्षेप कर सकती है। इसने अदालत द्वारा नियुक्त पैनल को यह सिफारिश करने के लिए भी प्रेरित किया था कि जांच पूरी करने की समय सीमा को कानून में शामिल किया जाये ताकि यह नियामक पर बाध्यकारी हो।

अदालत का अब तक का सबसे असंतोषजनक निष्कर्ष वह है जो केंद्र से यह देखने के लिए कहता है कि क्या शॉर्ट सेलिंग पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट द्वारा कानून का कोई उल्लंघन किया गया है और यदि ऐसा है तो देश के कानून के अनुसार कार्रवाई करें। संदेश के गुण-दोष पर जाने के बजाय, अदालत ने संदेशवाहक को गोली मारने के दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी है। अडानी समूह के प्रति मोदी सरकार के रवैये को देखते हुए, ऐसी किसी भी कवायद के नतीजे की भविष्यवाणी करना मुश्किल नहीं है।

मीडिया रिपोर्टों और तीसरे पक्ष के खुलासे की विश्वसनीयता पर शीर्ष अदालत का रुख अधिकारियों को ऐसे निष्कर्षों के खिलाफ एक बाधा उपस्थित करता है। यह रुख इस तथ्य की सराहना करने में विफल है कि इस तरह के खुलासे से सामने आई जानकारी केवल इसलिए महत्वपूर्ण नहीं हो जाती क्योंकि ये सार्वजनिक डोमेन में आ गई हैं। न्यायालय की अस्वीकृति में एक अंतर्निहित ख़तरा है। यह टिप्पणी कि बाजार नियामक से प्रेस रिपोर्टों के आधार पर अपने कार्यों को जारी रखने की उम्मीद नहीं की जा सकती है, भविष्य में सभी मीडिया प्रश्नों के लिए पूर्ण अस्वीकृति के रूप में उपयोग किये जाने की संभावना है, हालांकि अदालत ने ऐसी रिपोर्टों को इनपुट के रूप में उपयोग करने पर कोई आपत्ति नहीं जताई है।

अदालत का यह निष्कर्ष कि बाजार नियामक की ओर से कोई विनियामक विफलता नहीं हुई है, विशेष रूप से सेबी के आलोचकों के लिए विश्वास को प्रेरित नहीं करता है, जिस पर सत्तारूढ़ प्रतिष्ठान के इशारे पर कवर-अप में भूमिका का आरोप लगाया गया है। शुरुआत से ही, सेबी जांच में अपने पैर खींच रहा है, जिसे कई लोग खुदरा निवेशकों के हितों की रक्षा की आड़ में समूह को बचाने का प्रयास मानते हैं।

देरी के बहाने के रूप में, नियामक ने अदालत को सूचित किया था कि इन विदेशी निवेशकों से जुड़ी कई संस्थाएं टैक्स हेवन क्षेत्राधिकार में स्थित हैं, जिससे ऐसे आर्थिक हित वाले शेयरधारकों को स्थापित करना एक चुनौती बन गया है। इसमें कहा गया था कि संबंधित पक्ष के लेनदेन पर जांच का दायरा वित्तीय विवरणों में संभावित गलत बयानी, नियमों को दरकिनार करने के प्रयासों और धोखाधड़ी वाले लेनदेन से संबंधित आरोपों का पता लगाना था।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त पैनल ने पहले बताया था कि ऑफ शोर फंडों द्वारा रिपोर्टिंग पर 2019 में सेबी द्वारा लाये गये नियमों में कुछ बदलावों ने किसी के लिए ऑफ शोर फंड के लाभार्थियों की पहचान करना मुश्किल बना दिया है। सेबी का तर्क है कि ये बदलाव नियमों को 'कड़े' करने के प्रयास का हिस्सा थे, लेकिन इसका कुल परिणाम यह है कि इसने ट्रैकिंग को और अधिक कठिन बना दिया है। वास्तव में, पैनल ने बताया था कि परिवर्तनों के मद्देनजर, जांच 'बिना गंतव्य की यात्रा' थी।

सेबी हमेशा से अपनी जांच पूरी करने के लिए किसी भी समय सीमा से बंधने से इनकार करता रहा है और कहता रहा है कि ऐसी समय सीमा जांच की गुणवत्ता में हस्तक्षेप कर सकती है। इसने अदालत द्वारा नियुक्त पैनल को यह सिफारिश करने के लिए भी प्रेरित किया था कि जांच पूरी करने की समय सीमा को कानून में शामिल किया जाये ताकि यह नियामक पर बाध्यकारी हो, जिसे व्यापक रूप से अडानी समूह को कवर प्रदान करने वाला माना जाता है।

अधिक समय की मांग को उचित ठहराने के लिए सेबी ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट से पहले और बाद की अवधि में संभावित स्टॉक मूल्य हेरफेर और अडानी समूह के शेयरों में व्यापार के साथ-साथ विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (ओडीआई), विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई), शॉर्ट सेलिंग और अंदरूनी व्यापार मानदंड आदि को शामिल किया था। सेबी ने कहा कि विस्तृत जांच प्रक्रिया में विभिन्न प्रमुख प्रबंधकीय कर्मियों, वैधानिक लेखा परीक्षकों और अन्य संबंधित व्यक्तियों के बयान भी शामिल होंगे।

अब सर्वोच्च न्यायालय ने यह देखते हुए जांच खत्म करने के लिए तीन महीने का और समय दिया है यह उल्लेख करते हुए कि विचाराधीन 24 मामलों में से 22 मामलों में जांच पूरी हो चुकी है। बाजार नियामक के ट्रैक रिकॉर्ड के अनुसार, यह बहुत कम संभावना है कि सेबी दिये गये विस्तार से संतुष्ट होगा।

पावन प्रसंग

श्रम के बाद विश्राम भी जरूरी

काम करने से हमारी कुशलता व अनुभव में वृद्धि होती है, जबकि बहुत आराम करने से शरीर की निष्क्रियता व आलल्य में वृद्धि होती है। काम और आराम एक दूसरे के पूरक हैं। यदि बिना काम किए आराम किया जाए, तो आराम सुखदायक नहीं होता और यदि बिना आराम किए काम किया जाए, तो कार्य एक निर्धारित सीमा तक ही हो सकता है और इसे पूर्णता तक नहीं पहुंचाया जा सकता। मनोवैज्ञानिक डॉ. विलियम एस. एडलर का कहना है-'यदि कोई व्यक्ति अपने जीवन में ठीक से विश्रांत नहीं हो पाता है तो इसका एकमात्र कारण है कि वह तनाव में है और तनाव चिंता का बाई प्रोडक्ट है।' उनका यह भी कहना है- 'काम की अधिकता से संकट नहीं है, संकट है उसका बोझ महसूस करना।'

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल रोजाना नियमित रूप से से 18 घंटे काम करते थे। उनसे किसी ने एक बार पूछा- आपके पास इतनी समस्याएं हैं, आपको चिंता नहीं होती?

चर्चिल का जवाब था- 'मेरे पास इतना समय कहां है कि मैं चिंता करूं।' ठीक इसी तर की बात महान वैज्ञानिक ब्लेसी पास्कल भी कहते थे- पुस्तकालयों और प्रयोगशालाओं में शांति इसलिए रहती है, क्योंकि वहां सब अपने काम में इतना मग्न रहते हैं कि उन्हें अपने बारे में चिंता करने का समय ही नहीं मिलता।' यह बात शाब्दिक तौर से ही नहीं, बल्कि व्यावहारिक रूप से भी सच है कि चिंता नहीं होती यदि चिंता करने का समय ही नहीं मिलेगा। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं है कि चिंतामुक्त होने के लिए निरंतर काम में जुटे रहना जरूरी है। जीवन में आराम भी जरूरी है।

आराम का मतलब है- मस्तिष्क को तरह-तरह के विचारों विभिन्न प्रकार के कार्यों से थोड़ी देर के लिए खाली कर देना। उसे इतना रिक्त कर देना कि उसमें से सब कुछ बाहर आ जाए, यहां तक कि द्वेष, निराशा, कुंठा, क्रोध आदि विकार भी मस्तिष्क में न रहने पाएं। 'इबोल्यूशनरी साइंकियेट्री' पुस्तक को लिखने वाली हॉर्वर्ड मेडिकल कॉलेज के साइंकियेट्री विभाग की सदस्या डॉ. एमिली डीन्स का कहना है- 'अपने तनावों और दबावों से जूझने के लिए सोना और खेलना बहुत जरूरी है। एक भरपूर नींद और थोड़ी सी खेलने की प्रवृत्ति हमारी जिंदगी को बेहतर बना सकती है।' अगर हम जिंदगी जी रहे हैं तरह-तरह के तनावों और कार्य के दबाव से सामना होना निश्चित है। यदि हमें जिम्मेदारी से कार्य करना है तो उसका दबाव रहेगा ही। यह दबाव जब ज्यादा बढ़ जाता है तो यही दबाव तनाव का रूप ले लेता है और शरीर मन को प्रभावित करने लगता है। इसे कम करने का एक ही तरीका है कि कार्य को करते हुए इस दबाव को कम किया जाए, इससे स्वत: ही नियमित रूप से झाड़ू की बुहार लगानी होती है, उसी तरह कार्यस्थल झाड़ू के माध्यम से हमें सभी अपने मन को तनाव-चिंता भयरूपी धूल-मिट्टी से साफ करते रहना चाहिए और लगातार व अच्छा कार्य करने के लिए आराम भी करना चाहिए। हमें जीवन जीने के लिए एक तरह के संतुलन की जरूरत पड़ती है और यह कार्य और आराम के बीच तालमेल बैठाने से आता है। हमारी जिंदगी ठीक से चले, लिए काम जरूरी है। लेकिन काम के साथ आराम भी उतना ही जरूरी है। यदि हम काम नहीं करते, तो आराम बेकार है और यदि आराम नहीं करते, तो एक सीमा के बाद काम नहीं कर पाएंगे, इसलिए नींद की इतनी महिमा गाई गई है।

हमारे मन की प्रवृत्तियां ही शरीर के अंग-प्रत्यंगों एवं सूक्ष्म चेष्टाओं पर सबसे अधिक असर डालती हैं। कोई भी काम कितना मुश्किल है यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम उसके बारे में क्या सोचते हैं? महान दार्शनिक जर्मी बेंथम इस बारे में कहते थे- मैं कभी चिंता नहीं करता, क्योंकि मैं जिन बातों की चिंता करूंगा वे शायद ही कभी पूरी होगी पर जिन कामों में मैं व्यस्त हूं, वे आज नहीं तो कल अवश्य पूरे होंगे। इसलिए यह जरूरी है कि कार्य की मुश्किलों को दूर करने के लिए कार्य किया जाए न कि चिंता। चिंता व तनाव हमारे कार्यों को पूरा करने में थोड़े सहायक व अधिक रुकावट बनते हैं क्योंकि एक सीमा तक चिंता व तनाव रहने पर हम कार्य करने के लिए जाग्रत रहते हैं, और अधिक अच्छे से कार्य करते हैं। लेकिन अधिक चिंता व तनाव होने पर कार्य करना ही मुश्किल हो जाता है क्योंकि इससे मन की एकाग्रता व लय भंग होती है।

युग निर्माण योजना

आपके पत्र

आधुनिकीकरण कहीं पहाड़ों में बेरोजगारी का कारण न बन जाए?

आधुनिकता की चकाचौंध के चलते लोगों ने खेती का काम छोड़ना शुरू कर दिया है या कम कर दी है। अब आलम यह है कि उन्हें स्वयं के खाने के लिए भी सब्ज़ियां मैदानी क्षेत्रों से मंगानी पड़ रही हैं। ग्रामीण अच्छा जीवनयापन करने के लिए गांवों को छोड़कर मैदानी क्षेत्रों की ओर रूख करने लगे हैं। अब उनके हरे-भरे लहलहाते खेत आज किसी सूखे बेजान बंजर ज़मीन की तरह पड़े हुए हैं जबकि वही ग्रामीण आज शहरों में अधिक मेहनत परंतु कम पारिश्रमिक वाली पद्धति पर काम करने को मजबूर हो रहे हैं, क्योंकि परिवार के लालन पालन की जिम्मेदारियां उनके अकेले कंधों पर आ गई है।

पहाड़ों पर रह रहे हैं गांवों में बाखली (कई घरों को मिला कर बना मकान) हुआ करती थी जिसमें 5-6 परिवार साथ रहा करते थे परंतु आज वही बाखली पहाड़ों में बढ़ते पर्यटन के कारण भले ही आय का माध्यम बन रहा हो, लेकिन इसका नुकसान पहाड़ों को उजाड़कर किया जा रहा है। पर्यटन के आवास हेतु होटलों/रिर्सोटों/भवनों का निर्माण पहाड़ी क्षेत्रों में किया जा रहा है जिसके लिए जंगलों व पहाड़ों का कटान लगातार किया जा रहा है। पैसे की लालच और रोजगार के कारण हो रहे बदलाव से हम स्वयं ही पहाड़ों को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

दरअसल, ग्रामीण समुदाय के लिए भौगोलिक परिस्थितियां ही उनके रोजगार का सहारा हुआ करती थीं जो अब आधुनिकीकरण की भेंट चढ़ रही है। इसका खामियाजा प्रत्येक व्यक्ति को भुगतना पड़ रहा है और कहीं न कहीं ग्रामीण महिलाओं को इसका सबसे अधिक नुकसान सहन करना पड़ रहा है। अक्सर कई कार्यो में महिलाओं की सहभागिता देखने को मिलती थी पर वहीं कार्य अब मशीनों से सम्पन्न किये जाने से उनका रोजगार छिन गया है। मशीनों के आने के बाद भले ही किसी कार्य की गति तेज हुई है, लेकिन स्थानीय रोजगार कम हो गये हैं और जो कार्य वर्तमान समय में किये भी जा रहे हैं उनके लिए स्थानीय लोगों की अपेक्षा बाहर के मज़दूरों को लाया जा रहा है। वर्तमान में, ग्राम स्तर पर आजीविका के अवसर न के बराबर हो गये हैं जिससे लोग अपना घर छोड़ कर पलायन करने पर मजबूर हो रहे हैं। इससे पहाड़ों का अस्तित्व खतरे में आ गया है।

आज न तो परिवार के लोग हैं न ही बैलों के जोड़े इन खेतों में नज़र आते हैं। इनकी जगह अब मशीनों ने ले ली है। कहीं न कहीं आधुनिकीकरण की वजह से लोग एक दूसरे से दूर होने लगे हैं। सब आधुनिकीकरण की होड़ में दौड़ रहे हैं। टेक्नोलॉजी ने न केवल ग्रामीणों का रोज़गार छिना है बल्कि गांव वालों को ही गांव से दूर कर दिया है।

दरअसल, विकास कोई बुरी बात नहीं है। विकास केवल सुख-सुविधा प्राप्त करने का माध्यम मात्र नहीं है बल्कि अर्थव्यवस्था में भी इसका महत्वपूर्ण योगदान होता है। लेकिन आधुनिकीकरण के चलते गांवों में बदलाव का जो दौर चल रहा है, वह खतरनाक है। यह खतरा केवल सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन से ही जुड़ा हुआ नहीं है बल्कि इससे पहाड़ का अस्तित्व भी जुड़ा हुआ है। यदि इस पर रोक न लगाई गई तो वह दिन दूर नहीं होंगे जिस दिन पहाड़ों की सादगी और इसकी संस्कृति गुमनामी में खो जायेगी और हमारी आने वाली पीढ़ियां पहाड़ों को केवल किताबों या चित्रों में ही देखेंगी। वहीं यह विकास गांवों के लोगों से उनका रोज़गार भी छीन रहा है जिसे समय रहते रोकने और ऐसी नीति बनाने की ज़रूरत है जिससे विकास भी हो और ग्रामीणों को गांव में ही रोज़गार मिल सके।

बीना बिष्ट, हल्द्वानी उत्तराखंड

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770

ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

म्यांमार ने नौ हजार से अधिक कैदियों को किया माफ

यांगून। म्यांमार की राज्य प्रशासन परिषद ने गुरुवार को देश के स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ के अवसर पर नौ हजार से अधिक कैदियों को माफ कर दिया। परिषद के आदेश में कहा गया कि लोगों की शांति और मानवीय आधार पर म्यांमार के 9,652 और अन्य देशों के 114 कैदियों की सजा माफ कर दी गई। पिछले साल देश के स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ पर 7,012 कैदियों को माफी दी गई थी। दक्षिण पूर्व एशियाई देश ने एक अगस्त, 2023 को धम्मचक्का दिवस के अवसर पर सात हजार से अधिक कैदियों को माफ कर दिया था।

नेपाल, भारत ने द्विपक्षीय समझौतों की समीक्षा की

दोनों देशों ने कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए

काठमांडू, 4 जनवरी (एजेंसियां)। नेपाल और भारत ने यहां गुरुवार को भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की सातवीं बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच मौजूद द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग के क्षेत्रों की स्थिति की व्यापक समीक्षा की। बैठक में हिस्सा लेने के लिए भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर गुरुवार को काठमांडू पहुंचे और अपने नेपाल समकक्ष एन.पी. सऊद के साथ वार्ता की सह-अध्यक्षता की।

जयशंकर ने ट्वीट किया, सातवें भारत-नेपाल संयुक्त आयोग की एक व्यापक और सार्थक बैठक हुई। चर्चा हमारे समग्र द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार और आर्थिक संबंधों, भूमि, रेल और हवाई कनेक्टिविटी परियोजनाओं, रक्षा और सुरक्षा, कृषि, ऊर्जा, बिजली में सहयोग, जल संसाधन, आपदा प्रबंधन, पर्यटन, नागरिक उड्डयन, लोगों से लोगों का संपर्क, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और विकास साझेदारी पर केंद्रित थी। संयुक्त आयोग द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति का जायजा लेने के लिए नेपाल और भारत के बीच उच्चतम स्तरीय राजनीतिक तंत्र है। बैठक के दौरान नेपाल और भारत ने कई समझौतों

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नेपाली समकक्ष एन.पी. सऊद के साथ बैठक की सह-अध्यक्षता की

और समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जहां भारत ने पिछले साल आए विनाशकारी भूकंप के बाद देश में पुनर्निर्माण के लिए एनपीआर 1,000 करोड़ के अनुदान की घोषणा की। यह नेपाल की पुनर्निर्माण में सहायता के लिए भारत द्वारा घोषित एक नया अनुदान है। दोनों पक्षों ने दीर्घकालिक बिजली व्यापार पर एक और समझौता किया, जिसमें आने वाले 10 वर्षों में भारत को 10,000 मेगावाट बिजली निर्यात तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। नेपाल के ऊर्जा, जल संसाधन और सिंचाई मंत्रालय के सचिव गोपाल सिगडेल और भारत के ऊर्जा सचिव पंकज अग्रवाल ने यहां याक और यति होटल में एक बैठक के दौरान सौदे पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। ऊर्जा समझौता गुरुवार को हस्ताक्षरित चार समझौतों में से एक था।

एक अन्य समझौता नेपाल में लघु विकास परियोजनाओं के लिए भारतीय सहायता में वृद्धि से संबंधित है। भारत अब तक छोटी विकास परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए 5 करोड़ रुपये प्रदान करता रहा है। अब समझौते के मुताबिक बजट बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया गया है। यह लघु विकास अनुदान सरकारी निकायों और अन्य संगठनों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राय के अनुसार, भारत ने जाजरकोट और रुकुम पश्चिम के पुनर्निर्माण के लिए नेपाल को 10 अरब रुपये की वित्तीय सहायता पर भी सहमति व्यक्त की है।

लेबनान में इजरायली गोलाबारी में चार लोगों की मौत

काहिरा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। इजरायल की गोलीबारी के कारण दक्षिणी लेबनान के नकौरा शहर में चार लोगों की मौत हो गई है। लेबनानी मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। इससे पहले दिन में, इज़रायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने कहा कि उसने लेबनान में हिजबुल्लाह आंदोलन द्वारा कथित तौर पर इस्तेमाल किए गए सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमला किया था। लेबनानी प्रसारक अल जदीद ने बताया कि नकौरा में एक घर पर इजरायली हमले के पीड़ितों में हिजबुल्लाह का एक अधिकारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि गोलाबारी में कई और नागरिक घायल हो गए हैं।

दक्षिणी लेबनान के नकौरा शहर में की गोलाबारी

गाजा पट्टी में इजरायल का सैन्य अभियान शुरू होने के बाद दक्षिणी लेबनान में हालात और खराब हो गए। इजरायली सेना और हिजबुल्लाह लड़ाके सीमा से लगे इलाकों में रोजाना एक-दूसरे के ठिकानों पर गोलीबारी कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि गत सात अक्टूबर, 2023 को, फिलिस्तीनी आंदोलन हमास ने गाजा पट्टी से इज़रायल के खिलाफ बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया और उसके लड़ाकों ने सीमा का उल्लंघन करके सेना और नागरिकों पर गोलीबारी की। इसके कारण इज़रायल में 1,200 से अधिक लोग मारे गए और लगभग 240 अन्य का अपहरण कर लिया गया। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि इज़रायल ने जवाबी हमले शुरू किए, गाजा की पूर्ण नाकाबंदी का आदेश दिया और हमास लड़ाकों को खत्म करने और बंधकों को बचाने के घोषित लक्ष्य के साथ फिलिस्तीनी इलाके में जमीनी घुसपैठ शुरू की।

सुडोकू 6427

	7	9				8	1	5
			5					
1		4	6					2
	1	2						9
7								3
8						1	4	
2					4	5		8
					3			
5	8	1				3	6	

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 5 जनवरी , 2024 पौष कृष्ण पक्ष 9

राशिफल

मेष -आपको शारीरिक और मानसिक रूप से ताजगी का अनुभव होगा। घर का वातावरण आनंददायी रहेगा। आर्थिक लाभ के साथ-साथ व्यवसाय और नौकरी में संतोष का अनुभव करेंगे। सामाजिक दृष्टि से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

वृषभ -आज आकस्मिक खर्च होने की आशंका है। विद्यार्थियों का पढ़ने-लिखने में ध्यान रहेगा। दोपहर के बाद घर-परिवार के लोगों के साथ आनंददायक समय गुजरेगा। कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

मिथुन -आज आपको जमीन, मकान या वाहन आदि के कामकाज में बहुत सावधानी बरतना होगी। परिजनों के साथ बिना कारण तनाव बढ़ेगा। संतान के विषय में आपको चिंता होगी। विद्यार्थियों का विद्याभ्यास में बाधा आएगी।

कर्क -आज का दिन आध्यात्मिक सिद्धि प्राप्त करने के लिए अच्छा है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रखेगा। आज आप कुछ अधिक ही संवेदनशीलता का अनुभव करेंगे।

सिंह -आज आप मधुरवाणी से किसी काम को आसानी से सफल बना पाएंगे। परिवार के लोगों के साथ आनंद से समय बिताएंगे। दोपहर के बाद भी किसी काम में बिना सोचे समझे निर्णय ना लें। आपको अपनों से लाभ होगा।

कन्या -आज का आपका दिन शुभ फलदायी है। अपनी वाणी से आप लाभदायी और प्रेम भरे सम्बंध स्थापित कर सकेंगे। आपकी वैचारिक समृद्धि अन्य जनों को प्रभावित कर सकेगी। व्यापार के लिए आज का दिन लाभदायी होगा।

तुला -आकस्मिक खर्च हो सकता है, इसमें आपको सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता के कारण मित्रों के साथ विवाद होने की आशंका बनी रहेगी। कोर्ट-कचहरी के काम से आज संभलकर चलें।

वृश्चिक -आप को अनेक क्षेत्र में लाभ और यश प्राप्त होगा। धन प्राप्ति के लिए योग अच्छा है। मित्रों के पीछे धन खर्च होगा। परिजनों या दोस्तों के साथ बाहर घूमने जाने का अवसर मिलेगा।

धनु -आज का आपका दिन लाभकारी है। पारिवारिक और प्रोफेशनल दोनों ही क्षेत्रों में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आनंद का वातावरण आप को खुश रखेगा। शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ भी होगा।

मकर -आज का दिन पूरी तरह से शुभ फलदायी है। इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करने वाले लोगों को फायदा होगा। किसी दोस्त या रिश्तेदार से मिले अच्छे समाचार से आपका मन प्रफुल्लित होगा। धार्मिक यात्रा की संभावना है।

कुंभ -आज मन पर किसी बात की खुशी बनी रहेगी। लोगों से गुस्से में बात ना करें। परिजनों के साथ वाद-विवाद में न पड़ें। दोपहर के बाद स्वजनों तथा मित्रों के साथ आप का समय अच्छा गुजार सकेंगे। धार्मिक यात्रा हो सकती है।

मीन -आज का दिन दैनिक कामों में आपको शांति देगा। किसी मनोरंजक स्थल पर मित्रों या परिजनों के साथ जाना हो सकता है। व्यापार में भागीदारों के साथ व्यवहार अच्छा रहेगा, परंतु दोपहर के बाद आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

मस्जिद के बाहर इमाम की गोली मारकर हत्या

न्यू जर्सी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका के प्रांत न्यू जर्सी में बुधवार को एक मस्जिद के बाहर एक इमाम की गोली मार कर हत्या कर दी गई। अमेरिकी राज्य के अटॉर्नी जनरल ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह हत्या शुरू में पूर्वाग्रह या घरेलू आतंकवाद से प्रेरित नहीं लगती है। न्यू जर्सी के अटॉर्नी जनरल मैट प्लैटकिन ने कहा कि इमाम हसन शरीफ को नेवार्क में मस्जिद मुहम्मद के बाहर कई बार गोली मारी गई।घटना के बाद उन्हें फौरन अस्पताल ले जाया गया जहां बाद में उनकी मृत्यु हो गई।

श्री प्लैटकिन ने कहा, हम अभी तक इस अपराध का कारण नहीं जानते हैं (लेकिन) अब तक एकत्र किए गए सबूत यह संकेत नहीं देते हैं कि यह हमला पूर्वाग्रह से प्रेरित कार्य था या घरेलू आतंकवाद का कार्य था। उन्होंने कहा, वैश्विक घटनाओं के आलोक में और हमारे राज्य भर में कई समुदायों द्वारा अनुभव किए जा रहे पूर्वाग्रह में वृद्धि के साथ अभी न्यू जर्सी में कई लोग डर के साये में हैं। उन्होंने कहा, इस राज्य 300,000 मुस्लिम अमेरिकियों का घर है। गाजा पट्टी में संघर्ष शुरू होने के बाद से संयुक्त राज्य भर में इस्लामोफोबिक और यहूदी विरोधी हमलों में वृद्धि हुई है।

पाकिस्तान अफगानिस्तान के साथ पारस्परिक हित के संबंध जारी रखेगा : जिलानी

इस्लामाबाद, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने अफगानिस्तान के साथ निरंतर जुड़ाव और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंधों के लिए अपने देश की प्रतिबद्धता की फिर से पुष्टि की है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार श्री जिलानी ने कंधार के गवर्नर और अफगानिस्तान के सैन्य खुफिया और रणनीति के उप प्रमुख हाजी मुल्ला शिरीन के नेतृत्व में एक अफगान प्रतिनिधिमंडल के साथ बुधवार को बैठक के दौरान क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए चिंता के सभी मुद्दों को संबोधित करने के महत्व को रेखांकित किया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्षों ने बैठक के

दौरान शांति और सुरक्षा के साथ-साथ लोगों से लोगों के बीच संपर्क सहित आपसी चिंता के प्रमुख मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। मंत्रालय ने कहा कि श्री शिरीन ने चार दशकों से अधिक समय तक लाखों अफगानों को दिए गए उदार समर्थन के लिए पाकिस्तान की सराहना की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिए उच्च स्तरीय जुड़ाव और बातचीत जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री के निधन पर चीन ने जताया शोक

बीजिंग। चीन ने गुरुवार को पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री सरताज अजीज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और चीन-पाकिस्तान संबंधों में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। पूर्व वित्त मंत्री एवं विदेशी मामलों के प्रधानमंत्री के सलाहकार अजीज का मंगलवार को इस्लामाबाद में निधन हो गया। वांग वेनबिन ने एक नियमित समाचार ब्रीफिंग में कहा, अजीज पाकिस्तान के एक अनुभवी राजनीतिज्ञ, रणनीतिकार और आर्थिक विशेषज्ञ और चीनी लोगों के पुराने और अच्छे दोस्त थे।

रूसी सैनिकों को यूक्रेन में उन्नत टी-80बीवीएम टैंक की आपूर्ति

मेलिटोपोल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। रूस की सैन्य इकाइयों को यूक्रेन में सैन्य अभियान शुरू होने के बाद पहली बार ज़ापोरीज़िया दिशा में उन्नत टी-80बीवीएम टैंक की आपूर्ति की गई है। रूसी टैंक यूनिट कमांडर ने गुरुवार को यह जानकारी दी। कमांडर ने संवाददाताओं से कहा, हमें एक पूरी तरह से नया वाहन मिला है। वाहन में मौलिक रूप से नई संचार प्रणाली है... इसे जाम नहीं किया जा सकता है, यह बहुत अच्छी तरह से काम

करता है। इसकी ध्वनि उच्च गुणवत्ता वाली है, स्पष्ट है, कोई रुकावट नहीं है। मशीन भी सुसज्जित है एक पूरी तरह से नई सुरक्षा प्रणाली। उन्होंने बताया कि टैंक में नई और बेहतर सुविधाओं की एक श्रृंखला है जो इसकी लड़ाकू क्षमताओं को बढ़ाती है। विशेष रूप से, नई संचार प्रणाली 10 किलोमीटर तक की दूरी पर एक विश्वसनीय सिग्नल प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा कि टैंक पर अतिरिक्त कवच मॉड्यूल लगाए गए थे।

पुतिन ने सेवारत विदेशियों को नागरिकता देने के आदेश पर हस्ताक्षर किए

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को रूसी सशस्त्र बलों में सेवा करने के लिए अनुबंध करने वाले विदेशियों और उनके परिवार के सदस्यों को रूसी नागरिकता देने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए। रूस के कानूनी सूचना पोर्टल पर प्रकाशित एक दस्तावेज से यह जानकारी मिली । रूसी नागरिकता दस्तावेज़ में कहा गया है कि विदेशी नागरिक जिन्होंने विशेष सैन्य अभियान के दौरान रूसी सशस्त्र बलों या सैन्य संरचनाओं में सैन्य सेवा के लिए अनुबंध किया है।

दक्षिण कोरिया, अमेरिका ने किया संयुक्त सैन्य अभ्यास

सियोल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त सैन्य अभ्यास किया है। योनहाप समाचार एजेंसी ने कोरियाई सेना के हवाले से गुरुवार को यह जानकारी दी। एजेंसी के अनुसार दक्षिण कोरिया और अमेरिका अपनी संयुक्त युद्ध तैयारी बढ़ाने के लिए उत्तर कोरिया द्वारा उत्पन्न खतरों के बीच उसके साथ पूर्व की सीमा के पास गोलीबारी अभ्यास कर रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि यह अभ्यास 29 दिसंबर को पोचेन शहर में शुरू किया गया था और शुक्रवार पांच जनवरी को समाप्त होने वाला है। एजेंसी की रिपोर्ट में कहा गया है कि अभ्यास में के1ए 2 टैंक, ए-19, लड़ाकू विमान, स्ट्राइकर बख्तरबंद कार्मिक और तोपखाने प्रणालियां सहित दोनों देशों के कुल 110 हथियार सिस्टम शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि अभ्यास के कार्यक्रम में नकली लक्ष्यों के खिलाफ हवाई हमले, टैंक शूटिंग और वायु रक्षा शामिल थे। योनहाप ने कहा कि कोरियाई सैनिकों ने इस सप्ताह की शुरुआत में पहले ही कई प्रशिक्षण अभ्यास और अन्य रणनीति का अभ्यास किया है।

वर्ग पहेली 6427

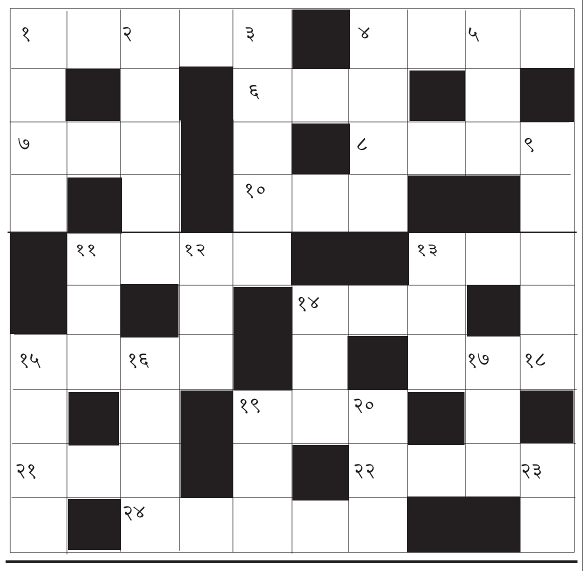

बायें से दायें:-

१. सरस्वती
४. दोष या खराबी को दूर करना
६. सेना, फौज
७. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
८. बचपन का मित्र
१०. बालटी जैसा पात्र जिसमें फूल आदि के पौधे लगाए जाते हैं
११. लाना, ले जाना, करना, ग्रंथ-लेख आदि लिखना, रचना, वितरंग
१३. घटाना, छोटा रूप, फेंकना, भेजना, हरण
१४. अनिच्छा, घृणा विरक्ति रुचि के प्रतिकूल
१५. बूढ़ा आदमी
१७. उसी अर्थ में
१९. कुतुहल, अचंभा, हास्य, विनोद, हँसी, मजाक
२१. झगड़ालू
२२. चलते-चलते सहसा रुक जाना
२४. यश बढ़ाने वाला

ऊपर से नीचे:-

१. बहादुर महिला
२. किसी पदार्थ का विशेषकर उस द्रव पदार्थ का भाप बन जाना
३. नीला आकाश
४. देवकन्या, अप्सरा
५. धनी, अमीर (उर्दू)
९. रखने की वस्तु
११. मशहूर
१२. यूनान का निवासी
१३. एकत्र या जमा किया गया
१४. किंतु, परंतु
१५. व्यवसाय पर लगने वाला कर
१६. तालाब, सरोवर
१८. देखने वाला, प्रेक्षक
१९. कुरु का वंशज, कुरु नरेश
२०. मुश्किल
२२. स्वामी, पति

वर्ग पहेली-6426

१ अ	सा	२ मा	जि	३ क	■	४ अ	नु	५ दा	न
ट्ट	■	न	■	६ था	म	ना	■	य	■
७ हा	कि	म	■	ना	■	८ ग	द	रा	९ ना
स	■	र्दि	■	१० य	ती	म	■	■	मु
■	११ वि	त	१२ र	क	■	■	१३ मा	र	ना
■	प	■	क्ष	■	१४ अ	पि	तु	■	सि
१५ वि	दा	१६ र	क	■	यो	■	१७ ल	१८ क	ब
व	■	स	■	१९ अ	ध्या	२० य	■	फ	■
२१ म	ना	ही	■	ध	■	२२ म	हा	न	२३ ता
ता	■	२४ न	त	म	स्त	क	■	■	ल

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1592- मुगल शासक शाहजहां का लाहौर (अब पाकिस्तान) में जन्म।
1659- खाजवाह की लड़ाई में औरंगजेब ने शाह शुजा को हराया।
1671- छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों से सल्हर क्षेत्र को अपने कब्जे में किया।
1893- योगगुरू और आध्यात्मिक गुरू परमहंस योगानन्द का उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में जन्म।
1900- आयरलैंड के राष्ट्रवादी नेता जॉन एडवर्ड रेडमोंड ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया।
1933- अमेरिका के सान फ्रांसिस्को शहर में बने झूलने वाले गोल्डन गेट ब्रिज का निर्माण कार्य शुरू,यह पुल 1937 में बनकर तैयार हुआ।
1934- भारतीय जनता पार्टी के नेता मुरली मनोहर जोशी का जन्म।
1941- क्रिकेटर मंसूर अली खान पटौदी का भोपाल में जन्म।
1970-चीन के यूनान प्रांत में रिक्टर पैमाने पर 7.7 तीव्रता वाले भूकंप से 15000 लोगों की मौत।
1971- इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया के बीच क्रिकेट इतिहास का पहला सीमित ओवर का एकदिवसीय अन्तरराष्ट्रीय मैच खेला गया था।
1993- करीब 85,000 टन कच्चा तेल लेकर नार्वे से कनाडा जा रहा एक तेल टैंकर तूफान में फंसकर शेटलैंड द्वीप के पास दुर्घटनाग्रस्त।
2000- अंतरराष्ट्रीय फुटबाल एवं सांख्यिकी महासंघ ने 'पेले' को शताब्दी का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया।
2003- अल्जीरिया में विद्रोहियों के हमले में 43 सैनिक मरे।
2006- भारत और नेपाल ने पारगमन संधि की अवधि को 3 महीने के लिए बढ़ाया।
2007- तंजानिया की विदेश मंत्री आशा रोज मिगरो संयुक्त राष्ट्र की उपमहासचिव नियुक्त।

बयान *संयुक्त राष्ट्र में बोले इजरायल के राजदूत गिलाद एर्दान*

'ईरान मध्य पूर्व में विनाश के सभी तत्वों को एक साथ जोड़ता है'

तेल अवीव, 4 जनवरी (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में इजरायल के राजदूत गिलाद एर्दान ने कहा कि अयातुल्ला के नेतृत्व वाला ईरान इस्लामी गणराज्य मध्य पूर्व में विनाश के सभी तत्वों को एक साथ जोड़ता है। वह संयुक्त राष्ट्र में लाल सागर में हौथी खतरे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक को संबोधित कर रहे थे। क्षेत्र में जहाजों के खिलाफ हौथी के हमलों की एक सीरीज के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा बैठक शुरू की गई थी।

राजदूत गिलाद एर्दान ने अपने भाषण में कहा, समुद्री व्यापार पर हौथी के हमले न केवल बढ़े हैं और न ही वे कोई फैलाव हैं।

यह अपने आप जादुई तरीके से नहीं हुआ। यदि कार्रवाई नहीं की गई तो यह वास्तविकता इस क्षेत्र और पूरे विश्व के अंधकारमय भविष्य की एक झलक है। यह एक अराजक मध्य पूर्व की शुरुआत है, जो बाकी दुनिया को अराजकता में धकेल देगी। राजदूत एर्दान ने आगे कहा, सहयोगियों, यह निश्चित रूप से इजरायल समस्या नहीं है। यह मध्य पूर्व की समस्या भी नहीं है। यह एक वैश्विक समस्या है। बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पूर्ण रूप से बंद होने से विश्व अर्थव्यवस्था को प्रतिदिन 6 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पहले ही हौथियों को एक आतंकवादी समूह के रूप में स्वीकार कर लिया है। अब समय

लाल सागर में हौथी खतरे पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की एक आपात बैठक को कर रहे थे संबोधित

आ गया है कि उनके और उन्हें हथियार एवं फंड मुहैया कराने वाले सभी लोगों के खिलाफ प्रतिबंध लागू किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि इस परिषद के लिए अब उस समस्या पर बात करने समय आ गया है जिसके बारे में जानते सब हैं, लेकिन बात कोई करना नहीं चाहता। अयातुल्ला शासन एक ऐसी चीज़ है, जो मध्य पूर्व में विनाश के सभी तत्वों को एक साथ जोड़ती है। अयातुल्ला की रणनीति अपने आतंक-प्रॉक्सी कठपुतलियों की डोर खींचते हुए छाया में खड़े रहना है। दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक हौथी आतंकवादियों के पास निश्चित रूप से ईरानी हथियारों की आपूर्ति के बिना बैलिस्टिक मिसाइल और विस्फोटक ड्रोन नहीं होंगे। वास्तविक समय में ईरानी खुफिया आपूर्ति के बिना उनके पास जहाजों का पता लगाने और उन्हें लक्षित करने की क्षमता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इसे दुनिया के सामने उजागर करने और कार्रवाई करने का समय आ गया है। यह परिषद के लिए उज्ज्वल क्षण हो सकता है, जब वह मध्य पूर्व के लिए वास्तविक खतरे से निपटेगी।

दुनिया को जानें

चीन में अल्पतर शीत में तापमान अधिकतर शीत से भी कम

बीजिंग, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अल्पतर शीत चीन के परंपरागत पंचांग में 24 सौरावधियों में से 23वीं सौरावधि है और सर्दियों में पांचवीं सौरावधि है, जो मौसम के ठंडा होने को दर्शाता है। अल्पतर शीत की विशेषता है कि मौसम ठंडा है, लेकिन अत्यधिक ठंडा नहीं। अल्पतर शीत के बाद 24 सौरावधियों की अंतिम सौरावधि यानी अधिकतर शीत होती है। इसका मतलब है कि मौसम बेहद ठंडा है। दीर्घकालिक मौसम संबंधी रिकॉर्ड के अनुसार चीन के उत्तरी इलाकों में अल्पतर शीत में तापमान अधिकतर शीत से भी कम है, जो साल में सबसे ठंडा समय है। अल्पतर शीत के बाद तापमान थोड़ा बढ़ जाता है। जबकि, चीन के दक्षिणी इलाकों में साल में न्यूनतम तापमान अधिकतर शीत में आता है। अल्पतर शीत के बाद वसंत त्योहार का माहौल बढ़ जाता है। लोग त्योहार मनाने की तैयारी करने में व्यस्त होने लगते हैं। अल्पतर शीत की अधिक रीति-रिवाज हैं। अल्पतर शीत के बाद लाबा उत्सव है, दो 12वें चांद मास के 8ठें दिन में माना जाता है। लाबा उत्सव चीन का एक महत्वपूर्ण परंपरागत त्योहार है।

प्रादेशिकी

उपाध्यक्ष का आज जनपद दौरा

रुद्रप्रयाग। सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट आज एक दिवसीय जनपद भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान वे पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ भेंट करेंगे, साथ ही विभिन्न स्थानों में जनसंपर्क करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट आज प्रातः दस बजे श्रीनगर गढ़वाल से कार द्वारा जनपद रुद्रप्रयाग के लिए प्रस्थान करेंगे। 11 बजे रुद्रप्रयाग पहुंचने के बाद जन संपर्क करेंगे तथा भाजपा जिला कार्यालय में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे। इसके पश्चात् 12 बजे तिलवाड़ा के लिए प्रस्थान कर जनसंपर्क करेंगे तथा पार्टी कार्यकर्ताओं से भेंट करेंगे।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हुए करारों की ग्राउंडिंग में तेजी लाएंः धामी

देहरादून, 4 जनवरी (देशबन्धु)। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गुरूवार को सचिवालय में उद्योग विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिये कि डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड इन्वेस्टर्स समिट के तहत हुए करारों की ग्राउंडिंग के लिए और तेजी से कार्य किये जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ना राज्य सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।

डेस्टिनेशन उत्तराखण्ड के तहत हुए करारों की ग्राउंडिंग के लिए संबंधित विभागों के किये गये कार्यों का प्रस्तुतीकरण के माध्यम से पूरा ब्योरा देने के निर्देश भी मुख्यमंत्री ने दिये। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थानों में राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार के अवसर मिल सके, इसके लिए रोजगार मेलों के आयोजन किये जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए नई नीतियों और जिन नीतियों में संसोधन की आवश्यकता है, उनका प्रस्ताव जल्द लाया जाए। उन्होंने अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल पार्क, काशीपुर में बनने वाले इलेक्ट्रोनिक पार्क, सितारगंज में बनने वाले प्लास्टिक पार्क के लिए राज्य स्तर से होने वाली कार्यवाही को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये।

राज्य में रोजगार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नई आई.टी.पॉलिसी को भी जल्द लाने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। निर्यात संवर्द्धन के लिए डेडिकेटेड सेल बनाने के साथ देहरादून-ऋषिकेश में कन्वेंशन सेंटर की स्थापना के लिए भी शीघ्र कार्यवाही करने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। बैठक में जानकारी दी गई कि उद्योग विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 13640 करोड़ के निवेश का लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक 28800 करोड़ का निवेश की ग्राउडिंग की जा चुकी है।

राज्य में 6180 एकड़ का लैंड बैंक बनाया गया है। राज्य में जिन परियोजनाओं पर कार्यवाही गतिमान है, उनमें एरोमा पार्क काशीपुर, प्लास्टिक पार्क सिंतारगंज, इलेक्ट्रोनिक पार्क काशीपुर, फूड पार्क कोटद्वार के निर्माण का कार्य गतिमान हैं। इसके साथ ही हरिद्वार में 200 करोड़ की लागत से 5 लाख स्क्वायर फीट में फ्लेटेड फैक्ट्री का निर्माण, पंतनगर और हरिद्वार में रेन्ट बेस एकमोडेशन के लिए 60 करोड़ की लागत 2 एकड़ में भवन निर्माण किया जायेगा।

निवेशकों की सुविधाओं के लिए उद्योग विभाग द्वारा अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैठक में मुख्यमंत्री को सचिव उद्योग विनय शंकर पांडेय द्वारा राज्य को ओडीओपी के तहत राष्ट्रीय स्तर पर प्रदान किये गये द्वितीय पुरस्कार की शील्ड तथा प्रमाण पत्र सौंपा गया।बैठक में अपर मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूड़ी, सचिव आर. मीनाक्षी सुंदरम, विनय शंकर पाण्डेय, महानिदेशक उद्योग रोहित मीणा एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

- मुख्यमंत्री ने उद्योग विभाग की ली समीक्षा बैठक
- सीएम बोले औद्योगिक संस्थानों में राज्य के युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिले
- राज्य में 6180 एकड़ का लैंड बैंक बनाया गया

वित्तीय वर्ष में अभी तक निवेश की ग्राउडिंग में 250 प्रतिशत वृद्धि हुई

देहरादून। इस वित्तीय वर्ष में अभी तक निवेश की ग्राउडिंग में 250 प्रतिशत वृद्धि हो चुकी है। मार्च 2024 तक 17200 करोड़ के और निवेश प्रस्तावों की ग्राउंडिंग का लक्ष्य है। जबकि 46 हजार रोजगार सृजन का लक्ष्य भी पूर्ण किया जा चुका है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के तहत राज्य में 215 यूनिट का रजिस्ट्रेशन हुआ है। जिसमें 5-5 गोल्ड और सिल्वर तथा 205 ब्रांज सेर्टिफिकेशन शामिल हैं।

धार्मिक टूरिज्म में उत्तराखण्ड के मंदिर देश में अव्वल

देहरादून, 4 जनवरी (देशबन्धु)। धार्मिक टूरिज्म के मामले में पर्यटन मंत्रालय के नए आंकड़े हैरान करने वाले हैं। साल 2022 में मंदिरों से कुल कमाई 1.34 लाख करोड़ हुई। जो 2021 में 65 हजार लाख के आसपास थी। इससे एक साल पहले यानी साल 2020 में 50,136 करोड़, 2019 में 2,11,661 करोड़ और 2018 में 1,94,881 करोड़ की कमाई हुई थी।

देशभर में देवभूमि की अहमियत बेहद ख़ास है यहाँ कदम कदम पर तीर्थ , शक्तिपीठ , मंदिर और पौराणिक स्थल मौजूद है। लिहाज़ा यहाँ धार्मिक पर्यटन बेहद ख़ास माना जाता है। धार्मिक पर्यटन में लोग युगों-युगों से धार्मिक स्थलों की यात्रा करते रहे हैं। लेकिन, कुछ दशकों पहले तक यह यात्रा समाज के उच्चतम वर्ग के लोगों तक ही सीमित थी। लेकिन आज धार्मिक पर्यटन एक विशिष्ट बाजार है, जिसमें लोग धार्मिक स्थलों, तीर्थ स्थलों को देखने के लिए देश और विदेशों में यात्रा करते हैं। साल 2022 में उत्तराखंड के चार धामों की यात्रा करने लगभग 40 लाख से भी ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे थे। जबकि यही आंकड़ा साल 2019 में 32 लाख का था। श्री बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के आंकड़ों की मानें तो साल 2018 में यहां 7,32,241 तीर्थयात्रियों, 2019 में 10,00,021 तीर्थयात्रियों, 2020 में 1,34,881, 2021 में 2,42,712 तीर्थयात्रियों और 2022 में 14,25,078 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ मंदिर के दर्शन किये। सरकार के आंकड़ों की मानें तो साल 2022 के जुलाई महीने में वाराणसी में 40.03 लाख घरेलू पर्यटक पहुंचे। जबकि एक साल पहले यानी जुलाई 2021 में यह आंकड़ा 4.61 लाख का था। इस आंकड़े से साफ है कि पिछले एक साल में वाराणसी में 10 गुना पर्यटकों की बढ़ोतरी हुई। वहीं विदेशी पर्यटकों की बात करें तो 2021 के जुलाई में वाराणसी में केवल 72 विदेशी पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन यही आंकड़ा साल 2022 के जुलाई में बढ़कर 12,578 हो गया। पिछले साल की तुलना में लगभग 174 गुना बढ़ोतरी।

- पिछले सालों की तुलना में 174 गुना पर्यटकों में हुई बढ़ोतरी
- धार्मिक स्थलों, तीर्थ स्थलों को देखने के लिए देश और विदेशों में यात्रा करते हैं

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने क्या प्रयास किए

देहरादून। बीते कुछ सालों में धार्मिक पर्यटन पर जोर देने के लिए सरकार द्वारा कई प्रयास किए जा रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख कार्य बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़ा हुआ है। बीते कुछ सालों में सरकार ने तीर्थ स्थानों तक पहुंचने के लिए रोडवेज, सड़क और एयरपोर्ट का निर्माण किया है। ताकि वहां पहुंचने की इच्छा रखने वाले पर्यटकों को ज्यादा मुश्किलों का सामना न करना पड़े।

सार संक्षेप

यूके 04 एएम 0001 नम्बर 3.38 लाख में बिका

हल्द्वानी। लोगों में वाहनों के लिए वीआईपी नंबर का क्रेज बढ़ता जा रहा है। कई लोगों को महंगी गाड़ियों के साथ ही फैंसी और वीआईपी नंबर का भी शौक होता है। कई बार लोग अपने पसंदीदा नंबर के लिए लोग मुंह मांगा दाम देने को भी तैयार रहते हैं। ऐसे में हल्द्वानी संभाग अंतर्गत वाहनों के फैंसी नंबर के लेने के लिए लोगों में क्रेज देखा जा रहा है। संभागीय परिवहन अधिकारी हल्द्वानी संदीप सैनी ने बताया ई नीलामी के माध्यम से लोगों ने फैंसी नंबर खरीदा है। दिसंबर में नैनीताल जिले में 26 वाहन मालिकों ने नीलामी से अपना पसंदीदा नंबर लिया है। रुद्रपुर में 9 वाहन मालिकों ने फैंसी नंबर लिए हैं। पिछले साल दिसंबर महीने में यूके 04 एएम 0001 नंबर लेने के लिए एक वाहन मालिक ने अपनी बीएमडब्ल्यू के लिए 3.38 लाख रुपये खर्च किए हैं। नंबर के लिए एक व्यक्ति ने 1 लाख 60 हजार रुपए की बोली लगाई। दो अन्य लोगों ने फैंसी नंबर के लिए एक लाख रुपये से अधिक खर्च किए। करीब 26 वाहन चालकों ने भी नीलामी से अपना पसंदीदा नंबर चुना है। उन्होंने बताया संभाग अंतर्गत परिवहन विभाग पिछले महीने में दो बार 15 और 30 तारीख को फैंसी नंबरों की नीलाम किया। जिसके लिए शुरुआती 6 दिन नंबर के लिए आवेदन करने का समय दिया जाता है। इसके बाद नीलामी की जाती है। नीलामी में 0001 और 0786 नंबर का बेस प्राइस सबसे अधिक एक लाख रुपये तय है। हल्द्वानी में सबसे अधिक बोली 0001 नंबर के लिए 3।38 लाख रुपये लगी है। 0009 नंबर 1.62 लाख रुपये और 1111 नंबर 1.05 लाख रुपये में बिका है। 0007 नंबर के लिए वाहन मालिक ने 60 हजार रुपये खर्च किए हैं। 32 हजार रुपये में एक, 26 हजार में चार, 25 हजार रुपये में 8 नंबर नीलाम हुए हैं।

हाइकोर्ट ने सेक्रेटरी एविएशन से मांगा जवाब

नैनीताल। उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में साल 1991 में बने नैनीसैनी एयरपोर्ट से अभीतक कमर्शियल हवाई सेवाएं शुरु न किए जाने को लेकर उत्तराखंड हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई कार्यवाहक मुख्य न्यायधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ती विवेक भारती शर्मा की खंडपीठ में हुई। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सेक्रेटरी एविएशन भारत सरकार सहित डीजीसीए चीफ को 4 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का कहा है और पूछा है कि पिथौरागढ़ जिले के नैनीसैनी एयरपोर्ट से उड़ान कैसे संचालित की जाएगी और भविष्य में हवाई सेवाएं संचालित करने के लिए उनके पास क्या प्लान है? बता दें कि एविएशन ने कांगजों पिथौरागढ़ जिले के नैनीसैनी एयरपोर्ट से रोजाना चार हवाई सेवाओं का संचालन दिखाया है। मामले की सुनवाई के लिए कोर्ट ने फरवरी माह की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार पिथौरागढ़ निवासी राजेश पांडे ने उत्तराखंड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी।

सुडोकू 6427 का हल

6	7	9	3	4	2	8	1	5
3	2	8	5	9	1	4	7	6
1	5	4	6	8	7	9	3	2
4	1	2	7	3	8	6	5	9
7	9	5	4	1	6	2	8	3
8	6	3	9	2	5	1	4	7
2	3	7	1	6	4	5	9	8
9	4	6	8	5	3	7	2	1
5	8	1	2	7	9	3	6	4

हाईकोर्ट ने सतलुज जल विद्युत निगम पर सख्त कदम न उठाने के दिए आदेश

शिमला , 4 जनवरी (देशबन्धु)। प्रदेश हाईकोर्ट ने एसजेवीएन के तीन बिजली प्रोजेक्ट टेकओवर करने से जुड़े मामले में सतलुज जल विद्युत निगम के खिलाफ कोई सख्त कदम न उठाने के आदेश दिए है। केंद्र सरकार के उपक्रम और प्रदेश सरकार के बीच रॉयल्टी को लेकर खींचतान चल रही है। सतलुज जल विद्युत निगम की ओर से कोर्ट को बताया गया कि हाईकोर्ट में मामले के लंबित रहते केंद्र सरकार के तीन उपक्रमों को टेकओवर करने की तैयारी प्रदेश सरकार द्वारा की जा रही है। इस पर प्रदेश सरकार ने कोर्ट को बताया कि वह केंद्र सरकार के संबंधित प्रतिनिधियों से एक बार फिर रॉयल्टी को लेकर शीघ्र ही बातचीत करने जा रहे है और मामले को आपसी सहमति से सुलझाने का प्रयास किया जाएगा। मुख्य न्यायाधीश एम एस रामचंद्र राव और न्यायाधीश ज्योत्स्ना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने प्रदेश सरकार की ओर से दिए वक्तव्य के बाद एसजेवीएनएल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई न करने के आदेश जारी किए। मामले पर सुनवाई 13 मार्च को निर्धारित की गई है। कोर्ट ने पहले भी इस मामले को आपसी सहमति से सुलझाने को कहा था। सरकार के अनुसार मामले में प्रदेश के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जा सकता। इस कारण मामले पर कोई सहमति नहीं बन पाई। प्रदेश सरकार ने 20 दिसम्बर 2023 को एक पत्र जारी कर एसजेवीएनल को 15 दिनों के भीतर रिवाइज की गई रॉयल्टी पर अपनी सहमति न देने की सूरत में एसजेवीएनएल के सुन्नी, लुहरी और धौलासिध प्रोजेक्टों को टेकओवर करने की चेतावनी जारी की है। प्रदेश सरकार का कहना है कि बिजली प्रोजेक्ट में अपनी रॉयल्टी को 12, 18 और 30 फीसदी से बढ़ाकर 20, 30 और 40 फीसदी कर दिया है, जबकि एसजेवीएन को दिए गए प्रोजेक्टों से पांच फीसदी रॉयल्टी भी नहीं आ रही है। एसजेवीएन ने प्रदेश सरकार से यह प्रोजेक्ट तो ले लिए थे, लेकिन आज तक इंप्लीमेंटेशन एग्रीमेंट साइन नहीं किया। इसीलिए अब कंपनी को प्रदेश सरकार की नई शर्तों के अनुसार एग्रीमेंट करना पड़ेगा।

युवा महोत्सव में प्रतिस्पर्धी व गैर प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगेः रेख आर्य

देहरादून, 4 जनवरी (देशबन्धु)। प्रदेश की कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में गुरूवार को युवा महोत्सव और राष्ट्रीय युवा दिवस के संबंध में पत्रकार बंधुओ के साथ वार्ता की। जानकारी देते हुए बताया कि युवा महोत्सव का कल से शुभारंभ होने जा रहा है जो कि 9 जनवरी तक चलेगा, महोत्सव का शुभारंभ कल मुख्यमंत्री धामी करेंगे। इस युवा महोत्सव में नव युवक और महिला मंगल द्वारा विभिन्न प्रस्तुतियां प्रस्तुत की जाएंगी। उन्होंने कहा कि 12 जनवरी को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव राष्ट्रीय स्तर पर टैलेंटेड युवाओं को राष्ट्र निर्माण की दिशा में प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

युवा महोत्सव में प्रतिस्पर्धी एवं गैर प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के अन्तर्गत राज्य के सभी जनपदों एवं पोर्टल के माध्यम से सीधे एन्ट्री करने वाले दलों के बीच सामूहिक लोकनृत्य, सामूहिक लोकगीत, एकल लोकनृत्य, एकल लोकगीत, शास्त्रीय नृत्य, शास्त्रीय गायन आदि से सम्बन्धित प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी।कैबिनेट मंत्री ने कहा कि भारत सरकार द्वारा युवा महोत्सव हेतु राज्य को इस वर्ष यूथ एज जॉब क्रिएटर की थीम दी गई है। युवा महोत्सव में विभिन्न विभागों के माध्यम से स्टॉल्स भी लगाये जायेंगे, जिनमें युवा समूहों एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा हैंडिक्राफ्ट, टेक्सटाइल एवं एग्रोप्रोडक्ट से सम्बन्धित स्टॉल सम्मिलित रहेंगे।

इसके साथ ही युवा महोत्सव में कैरियर काउन्सलिंग, रोजगार मेला, राज्य के उद्योगों की जरूरत से सम्बन्धित स्किल गैप एनालिसिस आदि पर भी कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे जो कि युवाओं के लिए लाभप्रद सिद्ध होंगे। कैबिनेट मंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार के द्वारा राष्ट्रीय युवा महोत्सव को युवाओं के लिए और अधिक प्रासंगिक बनाये जाने के उद्देश्य से माह अप्रैल 2023 में इम्फाल, मणिपुर में चिंतन शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें समस्त राज्यों के खेल एवं युवा कार्यकम विभाग के मंत्रियों, तथा सचिवों द्वारा प्रतिभाग किया गया था। उक्त चिंतन शिविर में कई सत्र आयोजित किये गये।

उत्तराखण्ड राज्य को दी गई थीम के अन्तर्गत युवा समूहों के द्वारा विभिन्न स्वरोजगार सम्बन्धी हैन्डीकाफ्ट, टैक्सटाइल एवं ऐग्रोप्रोडक्ट के स्टॉल, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के स्टॉल, पेंटिंग तथा कलात्मक मोमबत्ती उत्पादन, बांस की वस्तुयें, लकड़ी के उत्पाद, बैग एवं कोट, अचार, जूस, जैम, जैली आदि के स्टॉल प्रदर्शित किये जायेंगे तथा जिनमें प्रदर्शित वस्तुयें जन-सामान्य के कय के लिए उपलब्ध होंगी। उक्त के साथ-साथ विभिन्न विभागों के स्टॉल भी लगाये जाने प्रस्तावित है। युवा महोत्सव के अन्तर्गत ही युवा कृति एवं फूड फेस्टिवल से सम्बन्धित विभिन्न स्टॉलो को पूर्ण आयोजन तक लगातार लगाया जाता रहेगा। सेवायोजन विभाग के क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकारी को भी टीम द्वारा युवाओं कैरियर कॉउंसलिंग के संबंध में प्रतिदिन स्टॉल लगाने के लिए भी निर्देशित किया गया है।

- पांच दिनों तक चलने वाले युवा महोत्सव का कल मुख्यमंत्री करेंगे शुभारम्भ

बाल रोग विभाग के डॉक्टरों ने दिया बबीता के बच्चे को जीवनदान

श्रीनगर, 4 जनवरी (देशबन्धु)। बेस चिकित्सालय के बाल रोग विभाग के डॉक्टरों ने टिहरी जिले के हिंडोलाखाल क्षेत्र के सदूरवर्ती गांव के एक नवजात बच्चे का बेहतर इलाज कर उसे जीवनदान दिया है। नवजात शिशु का 30 नवम्बर को बेस चिकित्सालय में जन्म हुआ और जन्म लेने के बाद बच्चा रो नहीं पा रहा था, तो बाल रोग विभाग के डॉक्टरों ने नवजात शिशु का इलाज चलाने के बाद 12 दिन बाद बच्चे की किलकारी गूंजी। बच्चे की किलकारी गूंजने के बाद परिजनों ने खुशी जताते हुए डॉक्टरों का आभार प्रकट किया।

हिंडोलाखाल क्षेत्र के जमाणीखाल के खोला कांडी गांव से प्रसव के लिए पहुंची बबीता पत्नी सुरेन्द्र सिंह ने 30 नवम्बर को नवजात शिशु को जन्म दिया। जन्म दिन के 24 घंटे के भीतर शिशु रोया नही। शिशु का वजन 3 किलो था, किंतु शिशु के ना रोने से परिजन काफी परेशान हो गये थे। बेस चिकित्सालय के बाल रोग विभाग की एसो. प्रोफेसर डॉ. तृप्ति श्रीवास्वत ने बताया कि मेल शिशु जन्म लेने के बाद रोया नही था और शिशु को झटके भी आ रहे थे, जबकि सांस लेने की भी दिक्कतें आ रही थी। जिसको देखते हुए पहले शिशु को आक्सीजन देने के साथ ही दवाईयां चलाई गई।

इसके साथ ही अल्ट्रासाउंड सहित तमाम टेस्ट बेस अस्पताल में ही निरूशुल्क कराये गये। डॉ. श्रीवास्तव ने बताया कि परिजन शिशु को जन्म होने के बाद सीधे घर ले जा रहे थे, किंतु शिशु की मां और पिता को समझाया गया, जिसके बाद शिशु को नीक्कू वार्ड में भर्ती कराया और भर्ती के बाद इलाज होने पर 12 दिन बाद शिशु ने रोना शुरु किया गया। जबकि अन्य दिक्कतें भी ठीक हुई। कहा कि बच्चा स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। शिशु की माता बबीता ने बताया कि अस्पताल के डॉक्टरों ने बेहतर इलाज कर उनके बच्चे को बचाया गया। इसके लिए उन्होंने बेस अस्पताल के डॉक्टरों व नर्सिंग स्टाफ का आभार प्रकट किया। टीम में बाल रोग विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोनिका जसल, एसआर डॉ. मिनाक्षी रावत, जेआर डॉ संजना सिंह, डॉ. प्रीती, डॉ. उर्वशी, डॉ. अर्चिता, डॉ. ज्ञान प्रकाश, डॉ. रश्मि, डॉ. रूचिका, डॉ. नव्या और नर्सिंग स्टाफ पंकज, शालिनी, साहिबा आदि शामिल रहे। बाल रोग विभाग के एचओडी डॉ. अशोक शर्मा ने पूरी टीम को बधाई दी, कहा कि विभाग लगातार बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर देने में कटिबद्ध है।

- इलाज करने के बाद जन्म के 12 दिन बाद नवजात शिशु की किलकारी गूंजी
- टिहरी जिले के हिंडोलाखाल ब्लॉक के खोला कांडी गांव से पहुंचे थे

'वरिष्ठता के आधार पर होगी फार्मासिस्ट व टैक्नीशियन भर्ती'

देहरादून, 4 जनवरी (देशबन्धु)। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग में फार्मासिस्ट और टैक्नीशियन के पदों पर भर्ती वरिष्ठता के आधार पर होगी। वर्ष 2024 में दोनों विभागों में सभी संवर्गों में कुल 10 हजार पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा गया है। बृहस्पतिवार को सर्वे चौक स्थित आईटीडीए ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम के दौरान डॉ रावत ने कहा कि विभाग में सभी संवर्ग में कर्मचारियों की पदोन्नति का बैकलॉग फरवरी तक खत्म होगा। जबकि विशेषज्ञ डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 65 साल की जाएगी। हालांकि इसका लाभ केवल उन्हीं डॉक्टरों को मिलेगा जिसे चयन समिति उपयुक्त पाएगी। उन्होंने कहा कि विभाग में फार्मासिस्ट के पद बढ़ाए जाएंगे और खाली चल रहे सभी पदों पर नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने बताया कि विभाग में आशा, एएनएम, नर्सिंग के अधिकांश पद भरे जा चुके हैं। जबकि अन्य संवर्ग के खाली सभी पदों को इस साल भरने का लक्ष्य है। रुद्रपुर और पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेजों में दो हजार पदों पर नियुक्ति की जाएगी।

डॉ धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य के एक हजार गांवों में सभी लोगों के आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बन चुकी है। इन गांवों की सूचना केंद्र सरकार को दे दी गई है और जल्द ही इन गांवों को आयुष्मान गांव घोषित कर दिया जाएगा। 26 जनवरी तक राज्य के चार हजार गांवों को टीबी मुक्त भी कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में 10 जनवरी से 10 फरवरी के बीच हर जिले में आशा सम्मेलन आयोजित होंगे। आशाओं के मानदेय की विसंगति को भी दूर किया जाएगा। इस माह के अंत में श्रीनगर मेडिकल कॉलेज में दो दिन का चिंतन शिविर आयोजित किया जाएगा।

- 2024 में भरे जाएंगे स्वास्थ्य कर्मियों के 10 हजार पद

कुंडू ने ट्रांसफर करने के हाईकोर्ट के फैसले को वापिस लेने की लगाई गुहार

शिमला, 4 जनवरी (देशबन्धु)। पालमपुर के कारोबारी निशांत कुमार शर्मा की सुरक्षा और डीजीपी संजय कुंडू को ट्रांसफर करने से जुड़े मामले पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत पाने के बाद कुंडू ने एक आवेदन दायर कर उन्हे किसी अन्य पद पर ट्रांसफर करने के हाईकोर्ट के फैसले को वापिस लेने की गुहार लगाई है। एसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री ने भी अपने खिलाफ दिए आदेशों को वापिस लेने की मांग से जुड़ा आवेदन दायर किया है। इन आवेदनों पर आज सुनवाई होगी। हाईकोर्ट ने गत 26 दिसम्बर को डीजीपी संजय कुंडू और एसपी कांगड़ा शालिनी अग्निहोत्री को अपने वर्तमान पदों से हटाने के आदेश दिए थे। मुख्य न्यायाधीश एम एस रामचंद्र राव और न्यायाधीश ज्योत्स्ना रिवाल दुआ की खंडपीठ ने गृह सचिव को इस बाबत शीघ्र ही जरूरी कदम उठाने के आदेश जारी किए थे। इसके पश्चात कुंडू ने सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम राहत पाते हुए अपने तबादले पर स्थगन आदेश प्राप्त किया। कुंडू का कहना था कि हाईकोर्ट ने उनका तबादला करने के आदेश उनका पक्ष जाने बगैर ही जारी कर दिए थे। इस सुप्रीम कोर्ट ने कुंडू को अपना पक्ष हाईकोर्ट के समक्ष रखने की इजाजत दी। गौरतलब है कि हाईकोर्ट ने पुलिस के इन दोनों आलाधिकारियों को ऐसे पदों पर तैनात करने के आदेश जारी करने का कारण स्पष्ट करते हुए कहा था कि जांच प्रभावित न हो और न्याय होता हुआ दिखे, इसलिए इन दोनों को ऐसे स्थानों पर तैनाती दी जाए जहां से ये मामले में दर्ज प्राथमिकीयों की जांच को प्रभावित न कर सके।

हाईकोर्ट में पालमपुर के कारोबारी निशांत कुमार शर्मा की सुरक्षा से जुड़े मामले पर सुनवाई हो रही है। इस मामले में प्रार्थी निशांत ने अपने और अपने परिवार की सुरक्षा को खतरे बारे हाईकोर्ट को ईमेल के माध्यम से अवगत करवाया था। इस ईमेल को आपराधिक रिट याचिका में तब्दील करते हुए हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश पारित कर एसपी शिमला और एसपी कांगड़ा को प्रार्थी को उचित सुरक्षा मुहैया करवाने के आदेश दिए थे। एसपी कांगड़ा की ओर से बताया गया था कि प्रार्थी की शिकायत पर दर्ज प्राथमिकी में लगाए आरोपों की जांच अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कांगड़ा को सौंपी जा चुकी है। मामले में एसपी शिमला ने इस मामले में ऊंचे लोगों की संलिप्तता का अंदेशा जताया था। एसपी शिमला की जांच में प्रथम दृष्टया पाया गया है कि डीजीपी उक्त कारोबारी द्वारा बताए गए एक रसूखदार व्यक्ति के संपर्क में रहे। जांच में पाया गया कि डीजीपी कार्यालय से 27 अक्टूबर को निशांत को 15 मिस्ड कॉल की। जांच में यह भी सामने आया कि डीजीपी ने कारोबारी पर निगरानी रखी। जबकि एसपी कांगड़ा द्वारा मामले में देरी से प्राथमिकी दर्ज करने का कोई कारण नहीं बताया गया था। एसपी कांगड़ा कोर्ट को यह भी नहीं बता पाई थी कि इस मामले में एसपी शिमला द्वारा की गई जांच में सामने आए तथ्यों का उपयोग कांगड़ा में दर्ज प्राथमिकी की जांच में उपयोग में क्यों नहीं लाए गए। कोर्ट ने कहा था कि इन तथ्यों के मद्देनजर मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने हेतु उन्हें यह मामला अपने हाथों में लेने पर मजबूर होना पड़ा। मामले के अनुसार निशांत कुमार शर्मा ने 28 अक्तूबर 2023 को हाईकोर्ट को ईमेल के माध्यम से अपने और अपने परिवार की जान को खतरे की बात लिखी है।

25 करोड़ की लागत से सीवर लाइन का काम शुरू, सैकड़ों घरों को मिलेगा फायदा

अल्मोड़ा, 4 जनवरी (देशबन्धु)। जाखन देवी से शिखर तिराहे तक सीवर लाइन जोन थ्री भाग ए का कार्य कार्यदायी संस्था जल निगम की ओर से शुरू कर दिया गया है। इसके तहत इस मुख्य मार्ग को चौपहिया वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अल्मोड़ा में सीवर की बड़ी समस्या है। इसे दूर करने के लिए लंबे समय से लोगों की मांग थी कि इस कार्य को पूरा किया जाये। इससे पूर्व दो जोन में कार्य किया गया था। वर्तमान में सरकार ने 25 करोड़ इस कार्य के लिए अवमुक्त किए थे। इस कार्य को अक्टूबर में पूरा हो जाना था लेकिन कार्य नहीं हुआ। अब जल निगम इस कार्य को एक माह में पूरा करने की बात कर रहा है। जिसके तहत अब मार्ग को बंद कर कार्य शुरू कर दिया गया है। मार्ग के बंद होने से रानीखेत, बागेश्वर को जाने वाले वाहन लोअर माल रोड व धारानौला रोड से जाने की व्यवस्था की गई है।

जल निगम के अपर सहायक अभियंता दीपक जोशी ने बताया कि मार्ग को बंद करने के लिए जिला प्रशासन से अनुमति ली गई है। सीवर लाइन का कार्य किया जा रहा है। आठ सौ मीटर में सीवर लाइन बिछाई जा रही है। इसके लिए हाथरस के ठेकेदार कार्य कर रहे हैं। इसके लिए ठेकेदार से 14 करोड़ का अनुबंध हुआ है। इसी के तहत कार्य किया जा रहा है। मार्ग में लोगों को परेशानी न हो इसके लिए मार्ग में दो पहियां वाहनों की आवाजाही हो रही है, लेकिन चौपहिया वाहनों के लिए मार्ग बंद है। एक माह में इस कार्य को पूरा कर दिया जाएगा।

प्रादेशिकी

सपा अधिवक्ता सभा की जिला कार्यकारिणी घोषित

फर्रुखाबाद, 4 जनवरी (देशबन्धु)। शहर के आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय पर अधिवक्ता सभा की जिला कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव की मौजूदगी में की गई। इस अवसर पर अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने अपनी पूरी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए कहा कि हमारे अधिवक्ता साथी पूरी तरह से समाजवादी पार्टी की नीतियों और रीतियों को आगे बढ़ने का काम कर रहे हैं और जहां जरूरत पड़ती है वहां जरूरतमंदों को अपनी निशुल्क सेवाएं भी दे रहे हैं। इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने पूरी कार्यकारिणी को बधाई देते हुए कहा कि अधिवक्ता सभा समाजवादी पार्टी का एक बहुत महत्वपूर्ण अंग है।

विधानसभा सदस्य सदन में समय का सदुपयोग कैसे करे जिससे जनहित के कार्य हो सकें : महाना

विस अध्यक्ष ने विधायकों के साथ संवाद कार्यक्रम का किया आयोजन

लखनऊ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। अगले महीने होने वाले विधानसभा के बजट सत्र से पूर्व विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने एक बार फिर विधायकों के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि विधानसभा सदस्य सदन में समय का सदुपयोग कैसे करे जिससे जनहित के अधिक से अधिक कार्य हो सकें। आज से प्रारंभ हुए क्षेत्रवार संवाद कार्यक्रम के तहत गुरुवार को मध्य क्षेत्र के विधायकों के संवाद किया गया।

जिसमें संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के साथ मंत्रियों राकेश सचान, नितिन अग्रवाल, रजनी तिवारी, सुरेश राही, असीम अरुण, अजीत पाल को मिलाकर कुल 40 विधायक उपस्थित थे। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि विधायक बनने के लिए कई तरह की योग्यताएं हो सकती हैं पर विधायक बनने के बाद विधानसभा ही एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां से

जनपेक्षाओं को पूरा किया जा सकता है। यहां की बात का बड़ा महत्व होता है। सदन में कही गई बात पूरे प्रदेश तक जाती है। महाना ने 18 वीं विधानसभा के अब तक हुए सत्रों में केवल 36 मिनट के सदन स्थगन के लिए सभी विधायकों का आभार व्यक्त किया साथ ही सुझाव दिया कि वह अटल , सुषमा स्वराज और हुकुम सिंह आदि नेताओं से सीख लें कि वह किस तरह सलीके से अपनी बात सदन में रखते थें। इस मौके पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि संसदीय शिष्टाचार के लिए इस तरह की बैठकों का बड़ा महत्व होता है। सभी विधायकों के दल अलग अलग हो सकते हैं पर सबका उद्देश्य जन सेवा और अपने क्षेत्र का विकास ही होता है। इसलिए बजट सत्र के पूर्व विभागों के बारे में आवश्यक जानकारी करते हुए ऐसे 10 बिंदु तैयार कर लें। जिससे सदन में अपनी बात को बेहतर ढंग से रखा जा सके। कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने कहा इस तरह के आयोजनों से विधायकों को मन की बात कहने का अवसर मिलता है। आपके दिशा निर्देशन में विधायिका को संरक्षण मिल रहा है।

हर बार सदन में कुछ नया दिखाई देता है : अखिलेश यादव

नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि हर बार सदन में कुछ नया दिखाई देता है। बजट सत्र के पहले इस तरह के आयोजन का लाभ प्रदेश की जनता को जरूर मिलेगा। महाना न केवल नई चीजें लाकर उसे रिफॉर्म कर रहे हैं बल्कि नई नई तकनीक लाकर विधानसभा को अत्याधुनिक बनाने का काम कर रहे हैं।

कैबिनेट मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि सदन में अपनी बात प्रभावशाली ढंग से रखने के लिए अध्ययन की आवश्यकता होती है। इस मौके पर स्वतंत्र प्रभार (राज्य मंत्री) असीम अरुण ने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जो अधिकार हमको मिले हैं उसका उपयोग हम सही ढंग से नहीं कर पा रहे हैं।

डीएवी स्पोर्ट्स नेशनल लेवल का हुआ शुभारंभ

मेरठ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में आयोजित कराई जा रही, चार दिवसीय डीएवी स्पोर्ट्स नेशनल लेवल, 2024, अंडर 14, 17, 19 गर्ल्स के फुटबॉल एवं हॉकी खेलों का आगाज बुधवार को किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बृजेश सिंह, अपर जिलाधिकारी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में विधि चौधरी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी ने अपनी उपस्थिति से मंच की शोभा को द्विगुणित कर दिया।

डॉ.अल्पना शर्मा (क्षेत्रीय अधिकारी, यूपी जोन ए तथा स्टेट कोऑर्डिनेटर डी ए वी स्पोर्ट्स) ने विशिष्ट अतिथि तथा मुख्य अतिथि को सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक नई पौध, स्मृति चिन्ह तथा शाल देकर सम्मानित किया। डीएवी स्पोर्ट्स नेशनल लेवल, 2024 गर्ल्स अंडर 14, 17, 19 में 21 राज्यों की 600 स्टूडेंट्स भाग ले रही हैं। डीएवी सैंटेनरी पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने स्वागत गीत के माध्यम से खिलाड़ियों में नव चेतना तथा उत्साह का संचार किया।

परिवहन की बसों में भी 22 जनवरी तक बजेंगे राम भजन

- अयोध्या में भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर परिवहन विभाग ने तैयार की कार्य योजना
- बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के दिए गए निर्देश, राममय होगा माहौल

लखनऊ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूरे प्रदेश में एक अलग तरह का माहौल है। चारों तरफ सिर्फ भगवान राम के भव्य मंदिर को लेकर ही चर्चा हो रही है। गांवों और शहरों में शोभायात्राएं निकाली जा रही हैं। भजन-कीर्तन हो रहे हैं। राम चरित मानस के अखंड पाठ आयोजित किए जा रहे हैं। रामभक्तों का ये उत्साह देखते हुए योगी सरकार ने भी वृहद स्तर पर तैयारी की है। इसी क्रम में सीएम योगी के निर्देश पर परिवहन विभाग ने 22 जनवरी को होने वाले इस भव्य कार्यक्रम को लेकर कार्यढन्योजना तैयार की है।

कार्य योजना के तहत 22 जनवरी तक सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। उल्लेखनीय है कि हाल ही में सीएम योगी ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की थी, जिसमें उन्होंने अयोध्या के मंदिरों में 14 जनवरी से 24 मार्च 2024 तक भजन कीर्तन, रामायण एवं रामचरित मानस का पाठ, सुन्दरकांड के कार्यक्रम आयोजन कराने के निर्देश दिए थे। 22 जनवरी को लेकर परिवहन विभाग ने जो कार्ययोजना तैयार की है, उसके अनुसार सभी यात्री वाहनों में तथा बस स्टेशनों पर साफ सफाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, सभी बसों में लगे पब्लिक एड्रेस सिस्टम में राम भजन बजाए जाने के निर्देश हैं, ताकि यात्रियों का सफर राममय हो सके और वह भी भगवान राम के जीवन से प्रेरणा ले सकें। भगवान राम से जुड़े भजनों में विभिन्न कलाकारों के प्रसिद्ध भजनों को शामिल किया जाएगा, जबकि आज के दौर में लोगों की जुबां पर चढ़े भजनों और गीतों को भी इसमें सम्मिलित किया जा सकता है।

सार संक्षेप

मानव श्रंखला बना मतदाताओं को किया जागरूक

मवाना। लोकसभा चुनाव को देखते हुए नगर स्थित ए एस इंटर कॉलेज में भारत निर्वाचन आयोग के तत्वावधान में चल रहे मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में गुरुवार को विद्यालय के छात्रों ने मानव श्रंखला बना मतदाताओं को जागरूक किया। बता दें की नगर स्थित ए एस इंटर कॉलेज में जिलाधिकारी दीपक मीणा व मुख्य विकास अधिकारी नूपुर गोयल के निर्देशन में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए गत कई दिनों से मतदाता जागरूकता अभियान का आयोजन चल रहा है गुरुवार को कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के द्वारा मानव श्रृंखला बनाई शिक्षक, शिक्षिकाओं तथा छात्राओं ने 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

सर छोटू राम अभियंत्रिकी व तकनीकी संस्थान में प्लेसमेंट ड्राइव

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित सर छोटू राम अभियंत्रिकी व तकनीकी संस्थान द्वारा छात्र छात्राओं को 22 दिसम्बर 2023 को सग्स लोयड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की प्लेसमेंट ड्राइव का अवसर उपलब्ध कराया गया, इस कंपनी ने इंडो फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड कंपनी के लिए छात्र-छात्राओं का साक्षात्कार लिया जिसमें संस्थान के लगभग 60 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की। कंपनी की अधिकारी जारीन व अन्य ने छात्र-छात्राओं का कई चरणों में साक्षात्कार लिया जिसमें कुल 19 छात्रों अंतिम रूप से चयन किया गया। ट्रेनिंग के दौरान छात्रों का चयन 1.8 लाख प्रति वर्ष व उसके उपरांत ट्रेनिंग में छात्रों की परफॉरमेंस के अनुसार उनका पैकेज 3.6 लाख प्रति वर्ष पर किया जाएगा। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, डीन टेक्नोलॉजी प्रोफेसर संजय भारद्वाज, संस्थान के निदेशक डॉ. नीरज सिंघल, ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अनुज कुमार व पीयूष बत्रा ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

भाजपा नेता प्रिंस चौधरी ने गरीबों में बांटे कंबल

मवाना। भाजपा नेता प्रिंस चौधरी ने ब्लॉक क्षेत्र के गांव पहाड़पुर, निलोहा मुबारकपुर आदि में बढ़ती ठंड को देखते हुए जरूरतमंदों के बीच कंबल वितरण किया। प्रिंस चौधरी ने कहा कि गरीब असहाय लोगों के बीच कंबल का वितरण करने से न सिर्फ मानसिक संतुष्टि मिलती है, बल्कि इससे समाज का एक तबका भी सुरक्षित रहता है। कहा कि हर व्यक्ति का मानवीय दायित्व है कि वो अपने से कमजोर व्यक्ति की सहायता करे, ताकि समाज सुचारू रूप से चलता रहे। मौके पर ठंड को देखते हुए, कंबल वितरण किए गए। बैठक की अध्यक्षता राज किशोर त्यागी और संचालन मंडल अध्यक्ष सतेन्द्र कॉकरोच ने किया। कार्यक्रम में सुरेन्द्रसिंह, प्रधान पवन त्यागी, प्रधान सतीश कुमार, प्रधान योगेश सिहं, रणधीर सिह, उम्मेदमिह, जितेंद्र प्रधान, पिटू चौधरी, अमरदीप सिंह, कवरपाल सिंह, जितेड सिह, रुपेश चौधरी, इंद्रजीत सिंह, वीर सिंह प्रधाम उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह विवि में वित्त समिति की बैठक आयोजित

मेरठ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला की अध्यक्षता में गुरुवार को वित्त समिति की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें निम्नलिखित निर्णय लिए गए बीसीए पंचम सेमेस्टर में माइनर प्रोजेक्ट पेपर में प्रोजेक्ट शुल्क 1390 रुपए त्रुटिवश छठे सेमेस्टर के स्थान पर पंचम सेमेस्टर में लिए जाने के कारण उक्त शुल्क छठे सेमेस्टर में समायोजित करने का निर्णय लिया गया। एकल विषय व्यक्तिगत परीक्षा फार्म के लिए 610 रुपए परीक्षा शुल्क निर्धारण करने का निर्णय लिया गया।

वित्त समिति की बैठक में वित्त अधिकारी रमेश चंद्र कुलसचिव धीरेंद्र कुमार की समिति के सदस्य प्रोफेसर नरेंद्र कुमार विश्नोई उच्च शिक्षा अधिकारी ज्ञान प्रकाश वर्मा अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन मेरठ अतुल कुमार सिंह प्रेस प्रवक्ता मितेंद्र कुमार गुप्ता लेखाधिकारी विनय कुमार पांडे संजीव गोयल अरुण वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

आवास विकास परिषद की लापरवाही, अवैध निर्माणों की अनदेखी

मेरठ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। आवास विकास परिषद के अवर अभियंता अपनी कार्य शैली को लेकर आए दिन चर्चाओं में बने ही रहते हैं। अब अवैध निर्माण करने वालों को संरक्षण देने के आरोप लग रहे हैं। उनके कार्यक्षेत्र में कई स्थानों पर अवैध निर्माण, अतिक्रमण किए जा रहे हैं और कार्वाही के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति ही देखी जा रही है। बता दें कि जब से अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार ने कार्यभार संभाला है उसके बाद से परिषद में अवैध निर्माणों की भरमार हो गई है। उन्होंने ही स्थानीय स्तर पर अवर अभियंता अजब सिंह को सरानपुर से मेरठ सम्बद्ध किया है।

- अधिग्रहण भूमि पर अवैध कब्जा, अतिक्रमण कर बना दी इमारत
- अवर अभियंता पर कार्यवाही में खानापूर्ति के आरोप
- काजीपुर व सराय में किया जा रहा अवैध निर्माण
- सहारनपुर से मेरठ सम्बद्ध हैं अवर अभियंता अजब सिंह

अजब सिंह के कार्य क्षेत्र वाले आवास विकास परिषद की योजना संख्या-11 में अधिग्रहण भूमि पर अवैध कब्जा कर अतिक्रमण किया जा रहा है। सराय के खसरा नंबर 269, 252, 248 पर चार दावारी बनवाकर अवैध अतिक्रमण किया गया। जहां अब अवैध निर्माण कराने की तैयारी की जा रही है। उधर काजीपुर के खसरा नंबर 32 पर भी अवैध अतिक्रमण किया गया। इन अवैध निर्माणों को लेकर अजब सिंह पर संरक्षण देने के आरोप लग रहे हैं। उनके द्वारा अवैध निर्माणों पर कार्यवाही के बजाय सिर्फ खानापूर्ति की बात सामने आई है। बता दें कि 30 दिसम्बर 2023 को विकास भवन सभागार में उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रतिनिहित विधायन समिति की उप समिति द्वारा विभाग के अधिकारियो के साथ बैठक की गई थी। बैठक में समिति के सभापति विधायक अमित अग्रवाल ने आवास विकास परिषद के अधिकारियो से चर्चा करते हुए लंबित प्रकरणों व अवैध निर्माणों को लेकर नाराजगी जाहिर की और कार्यवाही के दिशा-निर्देश दिए थे।

आवास आयुक्त के आदेश के बाद ही कर सकते हैं सम्बद्धता

आवास विकास परिषद के अधिकारी पूर्व में स्थानीय स्तर पर ही किसी अधिकारी व कर्मी को सम्बद्ध कर सकते थे, लेकिन स्थानीय स्तर के अधिकारियों पर अपने चहेतों पर महरबानी करने के आरोपों की शिकायतें मुख्यालय तक पहुंच रही थी, जिसके बाद आवास आयुक्त ने स्थानीय स्तर के अधिकारियों द्वारा सम्बद्ध करने पर रोक लगा दी थी। अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार द्वारा स्थनीय स्तर पर ही जेई अजब सिंह को सहारनपुर से मेरठ व खुर्जा तक सम्बद्ध किया गया है। पीएम आवास योजना के कार्य भी अजब सिंह ही देख रहे हैं।

इस संबंध में जब अधीक्षण अभियंता राजीव कुमार से पक्ष जानने के लिए फोन पर सम्पर्क करना चाहा तो उन्होंने कॉल को रिसीव नहीं किया।

छात्रों के लिए परीक्षा के दौरान एकाग्रता बढ़ाने में योग सहायक : रीमा विकल

मेरठ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। विनायक विद्यापीठ की सहायक प्रोफेसर रीमा विकल ने बताया कि योग छात्रों को परीक्षा के समय एकाग्रता में मदद कर सकता है क्योंकि यह मानसिक तथा शारीरिक स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है।

योगासन और ध्यान से तनाव कम होता है, मानसिक शांति बनी रहती है, और ध्यान की प्रक्रिया से मानसिक स्थिति में सुधार होता है, जिससे छात्र पढ़ाई में अधिक एकाग्र हो सकते हैं। योग, जो शारीरिक, मानसिक, और आत्मिक स्वास्थ्य को सुधारने का एक प्राचीन तकनीक है, छात्रों को परीक्षा के समय एकाग्रता में मदद करता है। योग शिक्षार्थियों को अपने शारीरिक और मानसिक

- जीवन मे योग के महत्व को समझाया
- तनाव से दूर रहने के दिए टिप्स

स्वास्थ्य को सुधारने में सहारा प्रदान करता है। ध्यान व आसनों के माध्यम से, योग तनाव को कम करने में मदद कर सकता है जो छात्रों को परीक्षा के दौरान आता है। योग वायुमंडल में ओजोन और प्राण शक्ति को बढ़ता है, जिससे छात्रों का मानसिक स्वास्थ्य सुधार होता है। योग का अभ्यास करने से छात्र अपनी शक्तियों को अधिक से अधिक एकत्र कर सकते हैं और बीते समय की चिंता कम कर सकते है। योगासन और प्राणायाम के माध्यम से छात्र अपने मन को शांत कर सकते हैं जो परीक्षा के दौरान उनमें उत्साह बनाए रखने में मदद कर करता है। योग के अभ्यास से छात्र अपनी ध्यान क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिससे उन्हें पठन और समझने में साहस मिल सकता है।

ध्यान के माध्यम से, छात्रों को अपने लक्ष्यों पर समर्पित रहने का क्षमता मिलती है जिससे वे प्रत्येक कार्य को ध्यानपूर्वक कर सकते हैं।

सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ चलाया अभियान

मेरठ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। परवर्तन दल की टीम पार्किंग क्लर्क के साथ बेगम पुल पर पहुंच कर अवैध पार्किंग कर रहे युवक को चेतावनी दी गई। इसके बाद किला रोड, अब्दुल्लापुर और गंगानगर में सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ अभियान चलाया गया। जिसमें 15000 रुपए का जुर्माना लगाते हुए आठ किलोग्राम पॉलिथीन जब्त की गई। अभियान के दौरान लेफ्टिनेंट जसवंत सिंह तोमर, लेफ्टिनेंट जेपी मलिक, राजस्व निरीक्षक राजीव चौधरी, हवलदार रूपेश कुमार, हवलदार अनिल कुमार बढ़ाना, हवलदार यशपाल सिंह और हवलदार धीरज सिंह मौजूद रहे।

सांसद राजेन्द्र अग्रवाल ने किया नई शाखा का शुभारंभ

मेरठ, 4 जनवरी (देशबन्धु)। भारतीय स्टैट बैंक की खेरनगर शाखा को बढ़ाना गेट स्थित सत्यम पैलेस में शिफ्ट किया है। नव वर्ष के दिन इस नई शाखा का शुभारंभ किया गया। जिसमें सांसद राजेन्द्र अग्रवाल बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे।

इस मौके पर उप महाप्रबंधक राजकुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक रवीन्द्र कुमार, कचहरी शाखा प्रबंधक हरीश वाधवा, ड्रग एण्ड कैमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेश चन्द गुप्ता, महामंत्री राजनीश कौशल, कोषाध्यक्ष सचिन गुप्ता, उपध्यक्ष अजीत शर्मा, भी उपस्थित रहे। उप महाप्रबंधक राजकुमार सिंह ने बताया कि खैर नगर स्थित शखा की शुरूआत 29 दिसम्बर 1967 में की गई थी। तब से लेकर आज तक इसे यहीं संचालित किया गया था। अब खैरनगर क्षेत्र में व्यापारियों की दुकानों की संख्या अधिक होने के

- खैरनगर की शाखा का सत्यम पैलेस में स्थानांतरण

चलते काफी भीड़ रहने लगी है। जिससे ब्रांच तक पहुंचने वाली सुविधाओं में बाधा उत्पन्न हो रही थी।

ग्राहकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इसी को ध्यान में रखकर इस शाखा को स्थानांतरित कर सत्यम पैलेस में बनाया गया है। बैंक ने इस शाखा को और अधिक सेवाओं से सुसज्जित किया है।

त्याग व सत्ता के प्रति विमोह की नगरी थी त्रेता युग की अयोध्या

■ ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, 4 जनवरी (देशबन्धु)। बाइस जनवरी इतिहास की स्वर्णिम तारीख बनने जा रही है। नए भव्य मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम राम अपने बाल स्वरूप में विराजेंगे। चंहुओर उल्लास, उमंग, भक्ति का ज्वार हिलारे मार रहा है। इसके साथ ही अयोध्या को लेकर मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर झूठी, मनगढंत खबरें भी परोसी जा रहीं हैं। अयोध्या के स्वरूप को लेकर भी साधु संतों में बेचैनी है।

जिस भी शहर में पचास हजार करोड़ की लागत से कार्य होंगे स्वाभाविक है कि उसका नक्शा बदल जाएगा। अयोध्या भी आधुनिकता के सोपान चढ़ रही है। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ रामनगरी को विश्व की सुंदरतम नगरी बनाना चाहते हैं। अयोध्या के इस बनने बिगड़ने के खेल में खूब खेला हो रहा है। पौराणिक अयोध्या या जिस त्रेतायुगीन अयोध्या को मीडिया के विभिन्न स्वरूपों में वर्णित किया जा रहा है वह कचोट भी रही है। विरोध के स्वर मद्धिम हैं लेकिन गाहे बेगाहे सामने आ ही जाते हैं। राममंदिर के साथ

अयोध्या के विकास की पीड़ा को समझने के दो उदाहरण काफी हैं। वरिष्ठ पत्रकार इंदुभूषण पांडेय कहते हैं कि भविष्य में अगर कभी इस विषय पर शोध हुआ कि पृथ्वी पर सबसे झूठी खबरें कहां से पैदा हुई, तो कोई ताज्जुब नहीं कि इसका निष्कर्ष निकले कि एक खास दौर में अयोध्या की धरती से सर्वाधिक झूठी खबरें परोसी गई। अयोध्या की मीडिया की कूबत तो यह भी है कि ये फर्जी जगद्गुरु और पीठाधीश्वर तक पैदा कर देते हैं, उदाहरण सबके सामने है। पांडेय तंज कसते हैं कि घर के अंदर झूठों की इक मंडी है, दरवाजे पर लिख रखा है सच बोलो। अयोध्या कब से

- जो अयोध्या पुरी की मौलिकता से परिचित नहीं हैं वो चमत्कार करने की कोशिश ना करें : आचार्य मिथिलेश नंदिनी
- सर्वाधिक झूठी खबरों को परोसने की भी मंडी बन चुकी है अयोध्या : इंदुभूषण पांडेय

सोने की हो हो गई। त्रेता युग की अयोध्या त्याग और सत्ता के प्रति विमोह की नगरी थी। राम ने मर्यादा और पितृ वचन के मान के लिए उस सत्ता का त्याग किया जिसको पाने के बाद चक्रवर्ती सम्राट बनते।

भरत ने उस सिंहासन पर क्षण मात्र भी बैठना स्वीकार न किया जिस पर अग्रज का रघुवंश की परंपरानुसार अधिकार था। रावण वध के उपरांत जब लक्ष्मण के मन मे लालच के कारण सोने की लंका मे बसने का विचार आया तो राम जी ने समझाया अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी। कलियुगीन अयोध्या अहिल्या उद्धार सदृश पुनरुद्धार के बाद आकृति, प्रकृति, प्रवृत्ति, संस्कृति मे पूर्णत: त्रेता युग के विपरीत हो चुकी है। हर धर्म मे तीर्थ और धार्मिक नगरी का भ्रमण और प्रवास संसारिकता से मोह भंग के बाद होता है। तीर्थ में व्यापार, लोभ- लाभ को त्याग कर ईश्वर-अल्लाह-ईसा की शरण में जाने का प्रयास होता है। आज की अयोध्या वाणिज्यिक बन चुकी है। जिस हाईवे से गुजरते हुए मंदिरों के शिखर और फहरती पताकाएं दिखती थी, आज बड़े-बड़े होटल के ग्लो करते साईन बोर्ड और हाल मे व्यापारिक दृष्टिकोण से खरीदे बड़े बड़े भूखंड दिखने लगे हैं। मंदिरों के शिखर से ऊंचे होटलों की अट्टालिकाएं पूंजीपति राम भक्तों की बदली मन स्थिति और मनोवृत्ति को प्रमाणित कर रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वर्षों मे अयोध्या के भूमि के मूल्य मे जितनी वृद्धि हुई है, उतनी पूरे भारत के किसी शहर मे नहीं हुई है। राम के भक्त शबरी, केवट भी थे। आर्थिक रूप से दुर्बल, सामान्य और मध्यम वर्ग के राम भक्त भी अयोध्या दर्शन का बिना पेशानी पर बल लाये पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें, अयोध्या का विकास ऐसा होना चाहिए। अभी तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दर्शन का हर स्तर पर सुविधा शुल्क शूल की तरह चुभेगा ज़रूर। राम नाम जीवन का अंतिम सत्य भी है। कितने लोगों को उनके स्वजन चिता पर चिर विश्राम कराने के लिए अयोध्या लाते हैं। अयोध्या ऐसे तीर्थ अपराधबोध, प्रायश्चित, पश्चताप की भाव भूमि हैं। विकास की व्यापारिक परिभाषा ने सांसारिक मोह माया से त्याग की भूमि को भी दो दूना चार, तीन तिरिक्का नौ के गुणा व्यापार से जकड़ना शुरू कर दिया है। कम से कम तीर्थों को लोभ-लाभ से परे रखना चाहिए। कुछ जगहें तो ऐसी बची रहें जहाँ व्यक्ति शांति और संतुष्टि की खोज में पहुंच सके।

अयोध्या के प्रसिद्ध मंदिर हनुमंत निवास के संत आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण मीडिया की भूमिका पर कहते हैं कि श्रीरामजन्मभूमि का चिरप्रतीक्षित निर्माण पूरा होने को है। श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा तिथि घोषित हो चुकी है। घर-घर अक्षत, न्योता पहुंच रहा है।

देशबन्धु नई दिल्ली, शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

अभिनेत्री सोनम कपूर को बिना किसी क्रैश डाइट के फिट होने में लगे 16 महीने

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री सोनम कपूर ने खुलासा किया कि अगस्त 2022 में उनके बेटे वायु कपूर आहूजा के जन्म के बाद उन्हें फिर से पहला जैसा होने में 16 महीने लग गए। सोनम ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें साझा की, जिसमें वह लहंगे में बेहद खूबसूरत लग रही थी। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने ईयररिंग्स पहने थे और बालों को जूड़े में बांध रखा था। तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, 'मुझे फिर से पहले जैसा महसूस करने में 16 महीने लग गए।' सोनम ने कहा कि उन्होंने कोई क्रैश डाइट फॉलो नहीं की। अभिनेत्री ने कहा, 'धीरे-धीरे बिना किसी क्रैश डाइट और वर्कआउट के निरंतर स्वयं और शिशु की देखभाल करते हुए यह सब किया। मैं अपने शरीर के लिए बहुत आभारी हूं।'

नियंत्रित आहार व व्यायाम से मधुमेह से मुक्ति संभव

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। मधुमेह के मामले 2045 तक मौजूदा 10 करोड़ से दोगुना होकर 20 करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा इस बीमारी के प्रबंधन की रणनीतियों की समीक्षा की जा रही है। एक नए राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण में, यह पाया गया है कि 71 प्रतिशत डॉक्टरों का मानना है कि मधुमेह निवारण (डीआर) - दवाओं की सहायता के बिना रक्त शर्करा को सामान्य सीमा में वापस लाना संभव है। भारत में बढ़ते मधुमेह मामलों के प्रबंधन के प्रति चिकित्सा समुदाय के दृष्टिकोण को समझने के लिए अप्रैल में डिजिटल हेल्थकेयर कंपनी प्रैक्टो द्वारा मधुमेह विशेषज्ञों के बीच अखिल भारतीय सर्वेक्षण आयोजित किया गया था। मेडिकोज ने यह भी कहा कि उनके लगभग 40 प्रतिशत मरीज डीआर के लिए पात्र थे, लेकिन बमुश्किल 52 प्रतिशत के पास आहार विशेषज्ञ तक पहुंच थी।

लगभग 40 प्रतिशत मरीज डीआर के लिए पात्र थे, लेकिन बमुश्किल 52 प्रतिशत के पास आहार विशेषज्ञ तक पहुंच थी

सर्वेक्षण में पाया गया कि बाकी लोगों को समय की कमी वाले माहौल में अकेले ही कई भूमिकाएं निभाने के लिए मजबूर किया जाता है। सर्वेक्षण में उनके रोगियों में डीआर को लागू करने में कई बाधाएं सामने आईं। रोगी द्वारा आहार और फिटनेस योजनाओं का पालन करने में कठिनाई (86 प्रतिशत), परिवार के समर्थन की कमी (43 प्रतिशत), और रोगी की प्रगति पर बारीकी से नज़र रखने के लिए संसाधनों की कमी (29 प्रतिशत)। तदनुसार, प्रैक्टो के एक प्रवक्ता ने कहा कि जहां सर्वेक्षण ने स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के बीच डीआर के प्रति बढ़ती प्रवृत्ति को उजागर किया है, वहीं इसने मधुमेह देखभाल वितरण में एक महत्वपूर्ण अंतर को भी सामने लाया है। रोगियों को डीआर योजनाओं के सफल वितरण को सक्षम करने के लिए एक संरचित समर्थन प्रणाली की आवश्यकता है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों की औसत आयु 44 वर्ष थी, उनका एचबीए1सी स्तर 8.4 था, और मधुमेह की औसत अवधि छह वर्ष से अधिक थी। इनमें से, 88 प्रतिशत ने छह महीने के कोर्स में दवाएं कम कर दीं या बंद कर दीं। औसतन रोगियों ने एचसीए1सी स्तर में 1.7 अंक की कमी (8.4 से 6.6 तक) और उसी अवधि में 7.2 किलोग्राम वजन घटाने का अनुभव किया। प्रैक्टो ट्रांसफॉर्म की चिकित्सा सलाहकार हेमा वेंकटरमन ने कहा कि भारत में मधुमेह एक अनोखी और जटिल स्थिति है, जो इसके प्रबंधन में बड़ी चुनौतियां पेश करती है।

वेंकटरमन ने कहा, 'कुछ शहरों में 20 प्रतिशत तक की उच्च घटनाओं के साथ, व्यापक रोकथाम और छूट कार्यक्रमों को शुरू करने की तत्काल आवश्यकता है। सर्वेक्षण में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि देश का स्वास्थ्य सेवा समुदाय डीआर के महत्व को पहचानता है और डीआर को लागू करने में मदद करने के लिए एक समर्थन प्रणाली की अधूरी आवश्यकता को भी पहचानता है।' सलाहकार एंडोक्रिनोलॉजिस्ट अनुषा एन.डी. ने कहा कि हालांकि मधुमेह को उलटा नहीं किया जा सकता है, लेकिन वजन घटाने के साथ इसे कम करना निश्चित रूप से संभव है, खासकर जब से आजकल मोटापे से ग्रस्त युवाओं में यह आम होता जा रहा है। अनुषा ने कहा, 'इसलिए, यदि कोई आहार और व्यायाम पर जोर देकर अपना वजन कम करता है, तो छूट संभव है, लेकिन यह सभी के साथ नहीं हो सकता है।

हालांकि, वजन घटाने से निश्चित रूप से कई अन्य लाभ भी मिलते हैं, जैसे, मधुमेह और उच्च रक्तचाप की दवाओं की खुराक कम हो सकती है और लिपिड प्रोफाइल बेहतर होगा।' विशेषज्ञों ने कहा कि वजन घटाने से जटिलताएं कम होंगी, स्वास्थ्य बेहतर होगा, जीवनशैली में सुधार होगा और हृदय संबंधी जोखिमों में उल्लेखनीय कमी आएगी। प्रैक्टो सर्वेक्षण में मुंबई, नई दिल्ली, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अन्य टियर दो और तीन शहरों के डॉक्टरों को शामिल किया गया।

बिन बर्फ सब सुन्न कश्मीर में

31 दिसम्बर बिना बर्फ के मनाने वाला कश्मीर अब दुआ कर रहा बर्फबारी के लिए

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 4 जनवरी (देशबन्धु)। कश्मीर के लिए इस समय सबसे बड़ा चिंता का विषय बर्फ है जिससे वह अभी तक वंचित है। मौसम विभाग भी अपनी भविष्यवाणियों पर खरा नहीं उतर रहा है। पिछले करीब एक पखवाड़े से वह कश्मीर को सूखे से जल्द मुक्ति मिल जाने की भविष्यवाणी तो कर रहा है वह धरातल पर प्रकृति आंख मिचौनी खेल कश्मीरियों के दिलों की धड़कन बढ़ा चुकी है।

अब भविष्यवाणी 10 जनवरी तक बर्फ न गिरने की है और भीषण सर्दी के दौर से गुजरने की है। हालत यह है कि पिछले दो दिनों से श्रीनगर से ज्यादा ठंडा जम्मू है। हालांकि कश्मीर में भयानक सर्दी के दौर चिल्ले कलां का पहला पार्ट जारी है पर जम्मूवासियों को ऐसा लगने लगा है कि जैसे इस बार चिल्ले कलां ने जम्मू में डेरा डाल लिया हो। यही कारण था कि प्रदेश में 31 दिसम्बर की रात को बर्फबारी का नजारा लेने के लिए एकत्र हुए हजारों पर्यटकों को निराशा तो हाथ लगी ही भयानक सर्दी और कोहरे ने उन्हें नानी याद दिला दी। इसमें कश्मीर के कई भागों में बिजली कटौती ने अपना तड़का भी लगाया था।

प्रदेश में बर्फ के बिना सब सुन्न भी है। यह पूरी तरह से सच है। गुलमर्ग की बात करें तो पिछले महीने के शुरू में गिरने वाली बर्फ पर स्कीइंग अब खतरनाक होने लगी है क्योंकि वह इस काबिल नहीं रही है। तो गुरेज घाटी के 30 हजार नागरिकों के लिए शून्य से नीचे का तापमान चिंता का विषय इसलिए है क्योंकि कड़कती धूप में अभी भी 85 किमी लंबा बांडीपोरा-गुरेज मार्ग खुला इसलिए हुआ है क्योंकि गुरेज की जनता भी बर्फ की राह देख रही है। जम्मू संभाग के पत्नीटाप में तो स्नो फेस्टिवल और स्नो गेम्स की तैयारियां भी रोक दी गई हैं। कारण पूरी तरह से स्पष्ट है। बर्फबारी का कोई आसार कहीं से नजर नहीं आ रहा है। मौसम विभाग भी परेशान है तो पत्नीटाप के सैंकड़ों होटल वाले भी। इन होटलों में बुकिंग अब 35 परसेंट रह गई है क्योंकि बाकी लोगों ने बर्फ न होने की स्थिति में अपनी बुकिंगें रद्द करवा दी हैं। बर्फबारी नहीं होने से प्रशासन भी चिंतित है। उसकी चिंता गर्मियों में पीने के पानी और बिजली उत्पादन को लेकर है। एक अधिकारी के बकौल, पहाड़ों पर जितनी देर से बर्फ गिरेगी, गर्मियों में परेशानी उतनी ही बढ़ेगी क्योंकि अब गिरने वाली बर्फ जल्द पिघल जाएगी और दरियाओं में गर्मियों में पानी की कमी से बिजली उत्पादन भी कम हो जाएगा।

आमिर खान की बेटी आइरा 8 को उदयपुर में नुपुर शिखारे के साथ लेंगी फेरे

जयपुर, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान की बेटी आइरा खान बुधवार को मुंबई में विवाह पंजीकरण दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने के बाद लेक सिटी उदयपुर में पारंपरिक तरीके से फेरे लेंगी। कानूनी रूप से शादीशुदा यह जोड़ा अब परिवार के सदस्यों के साथ शादी समारोह के लिए उदयपुर जाएगा। पारंपरिक विवाह समारोह उदयपुर के कोडियात रोड पर स्थित ताज अरावली रिसॉर्ट में 8 से 10 जनवरी तक चलेगा। होटल के सभी 176 कमरे बॉलीवुड सितारों और दुल्हन-दूल्हे के परिवार के सदस्यों सहित लगभग 250 मेहमानों के लिए बुक किए गए हैं। शादी का उत्सव पारिवारिक होगा और समारोह में रिश्तेदार शामिल होंगे। इसके बाद यह जोड़ा मुंबई जाएगा और 13 जनवरी को नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र में एक रिसेप्शन का आयोजन करेगा। नुपुर शिखारे ने 2022 में इरा को प्रपोज किया था और वह आइरा और आमिर के आधिकारिक फिटनेस ट्रेनर हैं। शादी से पहले का जश्न मंगलवार को हल्दी समारोह के साथ शुरू हुआ। जोड़े ने बुधवार की रात को इसकी आधिकारिक घोषणा की। उन्होंने मुंबई के बांद्रा इलाके में ताज लैंड्स एंड में दोस्तों और परिवार की उपस्थिति में विवाह पंजीकरण दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए। पति-पत्नी बनने के बाद आइरा ने गुरुवार को अपने पति के साथ अपनी पहली तस्वीर शेयर की।

अभिनेत्री गौहर खान ने बेटे जेहान के साथ मनमोहक तस्वीरें की शेयर

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। 'बिग बॉस 7' की विजेता रही अभिनेत्री गौहर खान इस समय अपने मातृत्व का आनंद ले रही हैं। उन्होंने अपने बेटे जेहान के साथ अपनी मनमोहक तस्वीरें शेयर कीं। गौहर और अभिनेता जैद दरबार दिसंबर 2020 में शादी के बंधन में बंधे थे। दंपति का एक बेटा है। जैद म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार के बेटे हैं। 'इश्कजादे' फेम अभिनेत्री एक शौकीन सोशल मीडिया यूजर हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 9.9 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अक्सर अपने फैंस के साथ जिंदगी के रंग-बिरंगे अपडेट्स शेयर करती नजर आती हैं। अब, उन्होंने कई फोटो शेयर की है। जिसमें वह हरे रंग का को-ऑर्ड सेट पहने हुए हवाई अड्डे के अंदर खड़ी नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने बाल खुले रखे हैं और काले धूप के चश्मे और सफेद स्नीकर्स के साथ लुक को पूरा किया है। गौहर ने अपने बच्चे को गोद में ले रखा है, जिसने बीनी कैप के साथ मैचिंग को-ऑर्ड सेट भी पहना हुआ है। एक्ट्रेस ने अपने बच्चे का चेहरा रिवील नहीं किया है और वह उसका हाथ चूमती नजर आ रही हैं।

कूनो नेशनल पार्क चीतों के लिए बनता जा रहा 'अपना घर'

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। कूनो राष्ट्रीय उद्यान में नामिबियाई चीता 'आशा' ने तीन शावकों को जन्म दिया है। बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण व वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसकी जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने अपनी एक पोस्ट में कहा कि उन्हें यह बताते हुए रोमांच हो रहा है कि कूनो राष्ट्रीय उद्यान में तीन नए सदस्यों का पदार्पण हुआ है। उन्होंने बताया कि नामीबियाई चीता आशा ने इन तीन शावकों को जन्म दिया है। केंद्रीय मंत्री यादव ने कहा कि यह प्रोजेक्ट चीता के लिए बड़ी सफलता है, जिसकी परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पारिस्थितिक संतुलन बहाल करने के लिए की थी। यादव ने परियोजना में शामिल सभी विशेषज्ञों, कूनो वन्यजीव अधिकारियों और भारत के वन्यजीव प्रेमियों को बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 12 चीतों के नए जत्थे का स्वागत किया था। 18 फरवरी को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 12 चीतों को छोड़ा गया था। इस विषय पर प्रधानमंत्री मोदी का कहना था, 'इस

विकास से भारत की वन्यजीव विविधता को बढ़ावा मिलता है।'

गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका से यह 12 चीते भारत लाए गए थे। अफ्रीका से लाए गए चीतों को मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित किया गया है। दक्षिण अफ्रीका से 12 चीतों को ग्वालियर और उसके बाद हेलीकाप्टरों के माध्यम से कूनो राष्ट्रीय उद्यान में स्थानांतरित करने का काम भारतीय वायु सेना द्वारा किया गया। अंतर महाद्वीपीय स्थानांतरण अभ्यास के दौरान चीता विशेषज्ञों, पशु चिकित्सकों और वरिष्ठ अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल चीतों के साथ था। इससे पहले 17 सितंबर, 2022 को आठ चीतों को नामीबिया से भारत लाया गया था। इन चीतों को प्रधानमंत्री मोदी ने क्वारंटाइन बोमास में छोड़ा था। अनिवार्य क्वारंटाइन अवधि के बाद इन चीतों को चरणबद्ध तरीके से बड़े बाड़े में छोड़ दिया गया। केंद्र सरकार के मुताबिक भारत में चीता पुनर्वास कार्य योजना के अनुसार कम से कम अगले 5 वर्षों के लिए अफ्रीकी देशों से हर साल 10-12 चीतों का स्थानांतरण करने की जरूरत है। इस संबंध में चीता संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत सरकार दक्षिण अफ्रीका के साथ साल 2021 से द्विपक्षीय वार्ता कर रही थी। यह वार्ता जनवरी, 2023 में दक्षिण अफ्रीका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुई थी।

अयोध्या में देश-विदेश के प्रख्यात पतंगबाज कर सकेंगे अपने हुनर का प्रदर्शन

अयोध्या, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के श्रीविग्रह की स्थापना होने जा रही है। इसके साथ ही उल्लास-उमंग और तरंग को बढ़ाने के लिए तमाम प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन भी कराए जाने की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिससे अयोध्या न केवल देश बल्कि दुनिया में भी चर्चाओं के केंद्र में रहेगी। इसी प्रयास के तहत यहां पर इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल का आयोजन की भी तैयारी की जा रही है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) ने अयोध्या में इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के आयोजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। संभव है कि 19 से 21 जनवरी के मध्य इसका आयोजन हो सकता है तथा इसमें देश-दुनिया के प्रख्यात पतंगबाजों को अपनी कला का प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा। इस पूरी प्रक्रिया को मूर्त रूप देने के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) द्वारा प्राइवेट एजेंसी को संबद्ध किया जाएगा।

एक अधिकारी ने बताया कि फेस्टिवल के आयोजन के लिए अस्थायी संरचनाओं और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास और इवेंट प्रबंधन की संकल्पना, डिजाइन, निष्पादन और पर्यवेक्षण के लिए एजेंसी की नियुक्ति के लिए रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल फॉरमेट माध्यम से आवेदन मांगे हैं। इसके जरिए प्राप्त होने वाले आवेदनों में से इस कार्यक्रम को निष्पादित करने के लिए एजेंसी का निर्धारण किया जाएगा। इस निर्धारण प्रक्रिया को 8 जनवरी तक पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल के आयोजन की संपूर्ण रूपरेखा तैयार की जाएगी।

इस आयोजन को भव्य स्तर पर कराने के लिए देश-विदेश में होने वाले विभिन्न काइट फेस्टिवल्स से प्रेरणा ली जा रही है। अयोध्या में होने वाले इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल को दो दिनी फॉर्मेट में आयोजित किया जाएगा और 19 से 20 या 20 से 21 जनवरी के मध्य इसका आयोजन फाइनल रोडमैप रोलआउट होने के बाद किया जाएगा। आयोजन में विशिष्ट आमंत्रितों को बैठाने के लिए 50 वीवीआईपी सोफा वाले लाउंज का निर्माण किया जाएगा। कार्यक्रम में 350 कुशंड चेयर्स व 350 अन्य चेयरों की व्यवस्था भी की जाएगी। प्रतियोगियों व आयोजन में शिरकत करने वाले लोगों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, इसके लिए वॉलेंटियर्स व होस्टेसेस की तैनाती की जाएगी। यहां पर फूड काउंटर पर परोसे जाने वाले खाने में भी देसी तड़के को तरजीह देते हुए मिलेट्स से बने पकवान पेश किए जाएंगे। साथ ही अवधी जायकों का भी लुत्फ उठाने का मौका लोगों को मिलेगा। इसके साथ ही यहां होने वाले आयोजन के दौरान बंदरों से टेंटों व उपकरणों को बचाने के लिए भी एहतियातन व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

काजल अग्रवाल का 2024 का 'आदर्श वाक्य' है 'पसीना, बलिदान और सफलता

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने बताया कि वर्ष 2024 में पसीना, त्याग और सफलता उनका 'आदर्श वाक्य' है। अभिनेत्री को 'चंदा मामा', 'ओम शांति', 'डार्लिंग', 'सिंघम', 'स्पेशल 26' और कई अन्य फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। इंस्टाग्राम पर 27 मिलियन फॉलोअर्स रखने वाली अभिनेत्री ने एक मिरर सेल्फी शेयर की। जिसमें वह जिम में काली टी-शर्ट और मैचिंग लेगिंग पहने हुए पोज देती देखी जा सकती हैं। फोटो में दीवार पर लिखा एक संदेश दिखाई दे रहा है, जिसमें लिखा है, 'पसीना, बलिदान, सफलता।' अभिनेत्री ने फोटो को कैप्शन दिया, 'मोटो'। काजल अक्टूबर 2020 में गौतम किचलू के साथ शादी के बंधन में बंधी। दंपति का एक बच्चा नील है। उनकी अगली फिल्म 'इंडियन 2', 'उमा' और 'सत्यभामा' पाइपलाइन में हैं।

जाह्नवी कपूर ने शेयर किया दिल दहला देने वाला पल

मुंबई। हाल ही में अपनी बहन खुशी कपूर के साथ स्ट्रीमिंग चैट शो 'कॉफी विद करण' में नजर आई बॉलीवुड अभिनेत्री जाह्नवी कपूर ने उस दिल दहला देने वाले पल को साझा किया, जब उन्हें पता चला कि उनकी मां, प्रसिद्ध अभिनेत्री श्रीदेवी की अचानक मृत्यु हो गई है। 'बवाल' की अभिनेत्री ने खुलासा किया कि यह उनकी छोटी बहन खुशी थी, जिसने उन्हें सांत्वना दी और इस त्रासदी का सामना करने में उन्हें शांत किया।

जो अयोध्या पुरी की मौलिकता से परिचित नहीं हैं वो चमत्कार करने की कोशिश ना करें: आचार्य मिथिलेश नंदिनी

■ ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या, 4 जनवरी (देशबन्धु)। बाइस जनवरी इतिहास की स्वर्णिम तारीख बनने जा रही है। नए भव्य मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम राम अपने बाल स्वरूप में विराजेंगे। चंहुओर उल्लास, उमंग, भक्ति का ज्वार हिलारे मार रहा है। इसके साथ ही अयोध्या को लेकर मीडिया के सभी प्लेटफॉर्म पर झूठी, मनगढंत खबरें भी परोसी जा रहीं हैं। अयोध्या के स्वरूप को लेकर भी साधु संतों में बेचैनी है।

जिस भी शहर में पचास हजार करोड़ की लागत से कार्य होंगे स्वाभाविक है कि उसका नक्शा बदल जाएगा। अयोध्या भी आधुनिकता के सोपान चढ़ रही है। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ रामनगरी को विश्व की सुंदरतम नगरी बनाना चाहते है। अयोध्या के इस बनने बिगड़ने के खेल में खूब खेला हो रहा है। पौराणिक अयोध्या या जिस त्रेतायुगीन अयोध्या को मीडिया के विभिन्न स्वरुपों में वर्णित किया जा रहा है वह कचोट भी रही है। विरोध के स्वर मद्धिम हैं लेकिन गाहे बेगाहे सामने आ ही जाते हैं। राममंदिर के साथ अयोध्या के विकास की पीड़ा को समझने के दो उदाहरण काफी हैं। वरिष्ठ पत्रकार इंदुभूषण पांडेय कहते हैं कि भविष्य में अगर कभी इस विषय पर शोध हुआ कि पृथ्वी पर सबसे झूठी खबरें कहां से पैदा हुई, तो कोई ताज्जुब नहीं कि इसका निष्कर्ष निकले कि एक खास दौर में अयोध्या की धरती से सर्वाधिक झूठी खबरें परोसी गई। अयोध्या की मीडिया की कूबत तो यह भी है कि ये फर्जी जगद्गुरु और पीठाधीश्वर तक पैदा कर देते हैं, उदाहरण सबके सामने है। पांडेय तंज कसते हैं कि घर के अंदर झूठों की इक मंडी है, दरवाजे पर लिख रखा है सच बोलो।

अयोध्या कब से सोने की हो हो गई। त्रेता युग की अयोध्या त्याग और सत्ता के प्रति विमोह की नगरी थी। राम ने मर्यादा और पितृ वचन के मान के लिए उस सत्ता का त्याग किया जिसको पाने के बाद चक्रवर्ती सम्राट बनते। भरत ने उस सिंहासन पर क्षण मात्र भी बैठना स्वीकार न किया जिस पर अग्रज का रघुवंश की परंपरानुसार अधिकार था। रावण वध के उपरांत जब लक्ष्मण के मन मे लालच

के कारण सोने की लंका मे बसने का विचार आया तो राम जी ने समझाया अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते, जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरियसी।

कलियुगीन अयोध्या अहिल्या उद्धार सदृश पुनरुद्धार के बाद आकृति, प्रकृति प्रवृत्ति, संस्कृति मे पूर्णत: त्रेता युग के विपरीत हो चुकी है। हर धर्म मे तीर्थ और धार्मिक नगरी का भ्रमण और प्रवास

■ सर्वाधिक झूठी खबरों को परोसने की भी मंडी बन चुकी है अयोध्या- इंदुभूषण पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार

■ त्रेता युग की अयोध्या त्याग और सत्ता के प्रति विमोह की नगरी थी..

संसारिकता से मोह भंग के बाद होता है।तीर्थ मे व्यापार, लोभ- लाभ को त्याग कर ईश्वर- अल्लाह- ईसा की शरण मे जाने का प्रयास होता है। आज की अयोध्या वाणिज्यिक बन चुकी है। जिस हाई -वे से गुजरते हुए मंदिरों के शिखर और फहरती पताकाएं दिखती थी, आज बड़े बड़े होटल के ग्लो करते साईन बोर्ड और हाल मे व्यापारिक दृष्टिकोण से खरीदे बड़े बड़े भूखंड दिखने लगे हैं। मंदिरों के शिखर से ऊँचे होटलों की अट्टालिकाएं पूंजीपति राम भक्तों की बदली मन, स्थिति और मनोवृत्ति को प्रमाणित कर रही है। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले दो वर्षों मे अयोध्या के भूमि के मूल्य मे जितनी वृद्धि हुई है, उतनी पूरे भारत के किसी शहर मे नहीं हुई है।

राम के भक्त शबरी, केवट भी थे। आर्थिक रूप से दुर्बल ,सामान्य और मध्यम वर्ग के राम भक्त भी अयोध्या दर्शन का बिना पेशानी पर बल लाये पुण्य लाभ प्राप्त कर सकें, अयोध्या का विकास ऐसा होना चाहिए। अभी तो ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दर्शन का हर स्तर पर सुविधा शुल्क शूल की तरह चुभेगा ज़रूर। राम नाम जीवन का अंतिम सत्य भी है। कितने लोगों को उनके स्वजन चिता पर चिर विश्राम कराने के लिए अयोध्या लाते हैं। अयोध्या ऐसे तीर्थ अपराधबोध, प्रायश्चित, पश्चताप की भाव भूमि हैं। विकास की व्यापारिक परिभाषा ने सांसारिक मोह माया से त्याग की भूमि को भी दो दूना चार, तीन तिरिक्का नौ के गुणा व्यापार से जकड़ना शुरू कर दिया है।कम से कम तीर्थों को लोभ- लाभ से परे रखना चाहिए। कुछ जगहें तो ऐसी बची रहें जहां व्यक्ति शांति और संतुष्टि की खोज में पहुंच सके।

अयोध्या के प्रसिद्ध मंदिर हनुमंत निवास के संत आचार्य मिथिलेश नंदिनी शरण मीडिया की भूमिका पर कहते हैं कि श्रीरामजन्मभूमि का चिरप्रतीक्षित निर्माण पूरा होने को है। श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा तिथि घोषित हो चुकी है। घर-घर अक्षत, न्योता पहुंच रहा है। आस्था के इस पावन प्रसंग को राष्ट्रीय गौरव बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री और उ.प्र. के मुख्यमंत्री को है तो इस उल्लास को जन-जन के मन तक पहुंचाने का श्रेय मीडिया के विभिन्न संस्थानों और उसके अनेक आयामों को है। प्रसन्नता के इस प्रसार के बीच कई ऐसे सन्दर्भ भी दृष्टि में आ रहे हैं, जो अति उत्साह के कारण भ्रम पैदा कर रहे हैं। पूजा-पद्धति, प्रतिष्ठा का कार्यक्रम, विग्रह का चयन, आमंत्रित अतिथियों के विवरण तथा इससे जुड़े अनेक विषयों पर अपुष्ट सूचनाएं और समाचार दिख रहे हैं। एक ओर इस आयोजन के व्यवस्थित निरूपण के लिए मीडिया के सुयोग्य लोग लगे हैं तो दूसरी ओर हवाई खबरों का भी बाजार गरम होता दिखाई देता है। कोई लाखों रुपए वेतन वाले अर्चक की आजीवन नियुक्ति करा दे रहा है तो कोई उनके जाति-गोत्र का हिसाब लगा रहा है। यह आतुरता न केवल आस्थावान समाज को दिग्भ्रमित करती है बल्कि यह पत्रकारिता के मान को भी कम करती है।

देशबन्धु

अर्थ जगत

सर्वाधिक बढने वाले शेयर	
बजाज फाइनेंस	4.44 प्रतिशत
एनटीपीसी	3.54 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	2.88 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	2.23 प्रतिशत
टाटा मोटर्स	1.83 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर	
एचसीएल टेक	1.24 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	0.85 प्रतिशत
टाटा स्टील	0.78 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	0.74 प्रतिशत
विप्रो	0.73 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	47,310
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	70,096
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	870
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

चावल

चीनी एस	3640-3740
चीनी एम	3800-3900
मिल डिलीवरी	3520-3620
गुड़	4300-4400

दाल-दलहन

चना	5600-5700
दाल चना	6600-6700
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10000-10100
मूंग दाल	9300-9400
अरहर दाल	12000-12100

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर पर रहा।

नोएडा प्राधिकरण का 7,800 करोड़ रुपये बकाया, 57 डिफॉल्टर बिल्डरों के साथ 6 जनवरी को बैठक

नोएडा, 4 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ने अमिताभ कांत समिति की सिफारिश को लागू कर दिया है। जिसके बाद फ्लैट बायर्स को उनके सपनों का घर मिलने का रास्ता साफ होता दिखाई दे रहा है। सभी प्राधिकरणों को भी ये आदेश मिले हैं कि जल्द से जल्द इस पर काम शुरू हो।

इसी कड़ी में नोएडा प्राधिकरण डिफॉल्टर बिल्डर्स के साथ 6 जनवरी को एक बैठक करने जा रहा है, जिसमें 57 बिल्डर शामिल होंगे और उन्हें उनके बकाया राशि की जानकारी उपलब्ध करवाई जायेगी। जिसके लिए नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण बिल्डरों के बकाया की पुर्नगणना कर रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक इस बैठक के बाद अगले दिन नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन के साथ बैठक की जाएगी। नोएडा में एनसीएलटी और कोर्ट मामलों को हटा दिया जाए तो कुल 7,800 करोड़ रुपये बकाया

हैं। इसी तरह ग्रेटर नोएडा में कुल 96 प्रोजेक्ट पर 5,500 करोड़ का बकाया है।

नोएडा प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने कहा, %%हमने बकाया की गणना के लिए एक स्वतंत्र सीए को नियुक्त किया है। 6 जनवरी को सभी 57 परियोजनाओं के डेवलपर्स की बैठक बुलाई गई है। उन्हें दो साल के लिए दी गई राहत को कोविड महामारी से उत्पन्न शून्य अवधि (अप्रैल 2020 से मार्च 2022) और एनजीटी के आदेश (अगस्त 2013 से जून 2015) को समायोजित करने के बाद बकाया राशि से अवगत कराया जाएगा।

नोएडा प्राधिकरण में कुल बकाया का 20 प्रतिशत समायोजित किया जाएगा। इसके अगले दिन चेयरमैन की उपस्थिति में बिल्डर और प्राधिकरण के बीच बने एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इसके बाद मामले को अंतिम मंजूरी के लिए बोर्ड के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

एक बार ऐसा हो जाने पर, डेवलपर्स को 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का अपेक्षित 25 प्रतिशत भुगतान करना होगा और रुकी परियोजनाओं का निर्माण शुरू करने के लिए आवश्यक एनओसी प्राप्त करना होगा। जिन घर खरीदारों के पास इन परियोजनाओं में बिना रजिस्ट्री के अपने फ्लैट का कब्जा है, उन्हें मालिकाना हक देना होगा। यही प्रक्रिया ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में भी होगी। बता दें कि दोनों शहरों में करीब 1 लाख से अधिक घर खरीदार हैं, जिन्हें अपने फ्लैट की रजिस्ट्री और उनकी संपत्तियों के कब्जे के रूप में लाभ होगा। 1 लाख में से 68,000 ग्रेटर नोएडा में 96 डिफॉल्ट परियोजनाओं में हैं, और 32,000 से अधिक नोएडा में 57 परियोजनाओं में हैं।

अमेरिका स्थित इनवेस्को ने स्विगी का मूल्यांकन बढ़ाकर 8.3 अरब डॉलर किया

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका स्थित निवेश कंपनी इनवेस्को ने आईपीओ-बाउंड फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी का मूल्यांकन लगभग 8.3 बिलियन डॉलर तक बढ़ा दिया है। नियामक फाइलिंग के अनुसार, यह लगातार दूसरी बार है जब वैश्विक परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ने स्विगी के मूल्य में वृद्धि की है।

पिछले साल अक्टूबर में इनवेस्को ने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का वैल्यूएशन बढ़ाकर करीब 7.85 अरब डॉलर कर दिया था। जनवरी 2022 में इनवेस्को के नेतृत्व में एक राउंड में स्विगी 10.7 बिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर पहुंच गई थी। पिछले साल मई में, इनवेस्को ने स्विगी की हिस्सेदारी का मूल्यांकन घटाकर लगभग 5.5 बिलियन डॉलर कर दिया था। नवंबर में, स्विगी के निवेशक प्रोसस ने अपनी वित्तीय फाइलिंग में कहा कि स्विगी का मुख्य खाद्य-वितरण व्यवसाय 17 प्रतिशत बढ़ा और वित्त वर्ष 24 की पहली छमाही में 1.43 बिलियन डॉलर का सकल माल मूल्य (जीएमवी) दिया।

प्रोसस ने कहा, यह लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ताओं में वृद्धि के कारण हुआ, जिसने एओवी में दोहरे अंकों की

ऑर्डर वृद्धि और मुद्रास्फीति को बढ़ाया। प्रोसस, जिसके पास स्विगी में 32.7 प्रतिशत हिस्सेदारी है, ने बताया कि व्यापारिक घाटा कम होकर 208 मिलियन डॉलर हो गया है।

कंपनी ने आगे कहा कि त्वरित-वाणिज्य व्यवसाय ने तेजी से प्रगति की है, क्योंकि ग्राहक गोद लेने से ऑर्डर में वृद्धि हुई है। मुद्रास्फीति से पहले टोकरी का आकार काफी बढ़ गया। 12 महीनों में, स्विगी ने 102 करोड़ रुपये के ऋण वितरण की सुविधा प्रदान की है, इसमें से 10.1 करोड़ रुपये अकेले नवंबर में वितरित किए गए थे। पूरे वित्त वर्ष 2013 में स्विगी का घाटा लगभग 545 मिलियन डॉलर था, जो वित्त वर्ष 2012 में लगभग 300 मिलियन डॉलर तुलना में 80 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

ऑपरेटरों को अंतरराष्ट्रीय नंबर से आने वाले भ्रामक कॉल को ब्लॉक करने के निर्देश

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। सरकार ने आम लोगों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से आने वाले भ्रामक कॉल की जानकारी दूरसंचार विभाग या टेलीकॉम कंपनियों को देने की अपील करते हुये आज कहा कि इस तरह के कॉल को ऑपरेटरों को ब्लॉक करने के निर्देश भी दिये गये हैं।

संचार मंत्रालय ने इस संबंध में आज जारी एक अपील में कहा कि दूरसंचार विभाग (डीओटी) नागरिकों को सलाह देता है कि वे अंतरराष्ट्रीय नंबरों से आने वाली दुर्भावनापूर्ण कॉलों से सावधान रहें, जो भारत के स्टॉक एक्सचेंजों और व्यापार में व्यवधान पैदा करने का दावा करती हैं। इस तरह की दुर्भावनापूर्ण कॉलें राष्ट्र-विरोधी तत्वों द्वारा शुरू की जाती हैं, जिनका उद्देश्य दहशत पैदा करना है। विभाग ने सभी टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं को ऐसे नंबरों से आने वाली कॉल को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। नागरिकों को ऐसी कॉल प्राप्त होने पर विभाग को ऑनलाइन या दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को रिपोर्ट करने की सलाह दी गयी है।

लोकसभा चुनाव से पहले भारत की जीडीपी 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 4 दिसंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले भारत 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा और 2 से 2.5 साल में यह 5 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी का आंकड़ा छू लेगा।

गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी में आत्मनिर्भर भारत उत्सव के शुभारंभ पर कहा, हर सड़क अनुमान के अनुसार, भारत 2027 तक दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी जीडीपी होगी।

लोकसभा चुनाव इस साल अप्रैल-मई के आसपास होने की संभावना है। मंत्री ने जीडीपी के लिए पूर्वानुमान बढ़ाया है, क्योंकि अब तक के आधिकारिक अनुमानों के अनुसार 31

अप्रैल, 2024 को समाप्त होने वाले चालू वित्तवर्ष के पूरा होने पर अर्थव्यवस्था 3.7 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को छूने की उम्मीद है।

2028 तक देशों के जीडीपी अनुमानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का विश्व आर्थिक आउटलुक डेटा 2026 में भारत की जीडीपी 4.95 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाता है।

भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है और चालू वित्तवर्ष (24) की जुलाई-सितंबर तिमाही में 7.6 प्रतिशत की मजबूत विकास दर दर्ज की है। इसने आईएमएफ और आरबीआई को भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अपने विकास पूर्वानुमान को बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया है।

गोयल ने यह भी कहा, आत्मनिर्भर भारत का मतलब यह नहीं है कि भारत आयात विरोधी है। हम अपना निर्यात बढ़ाएंगे और इसके लिए अगर हमें कुछ उत्पादों का आयात करने की जरूरत होगी, तो हम ऐसा करेंगे।

गिरावट से उबरा शेयर बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में तूफानी तेजी

मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार पिछले लगातार दो दिन की गिरावट से उबरकर तेजी पर रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 490.97 अंक अर्थात 0.69 प्रतिशत की उड़ान भरकर 71,847.57 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 141.25 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की तेजी लेकर 21,658.60 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में भी जमकर लिवाली हुई। इससे मिडकैप 1.49 प्रतिशत की छलांग लगाकर 37,634.28 अंक और स्मॉलकैप 1.04 प्रतिशत उछलकर 43,553.03 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3941 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2574 में तेजी जबकि 1267 में गिरावट रही वहीं 100 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 28 कंपनियों में लिवाली जबकि 22 में बिकवाली हुई। विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ओपन मार्केट कमेटी की पिछले वर्ष दिसंबर में हुई बैठक के बुधवार देर रात जारी मिनट्स में ब्याज दरों में कब से कटौती करनी है, उसका संकेत दिया है। साथ ही घरेलू बाजार में एफपीआई के ज़बरदस्त निवेश से तेजी आई है। एफ़पीआई ने दिसंबर में कुल 661.35 अरब रुपये का निवेश किया है।

बीएसई में ऑटो समूह की 0.04 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर शेष 19 समूहों में लिवाली का जोर रहा। इस

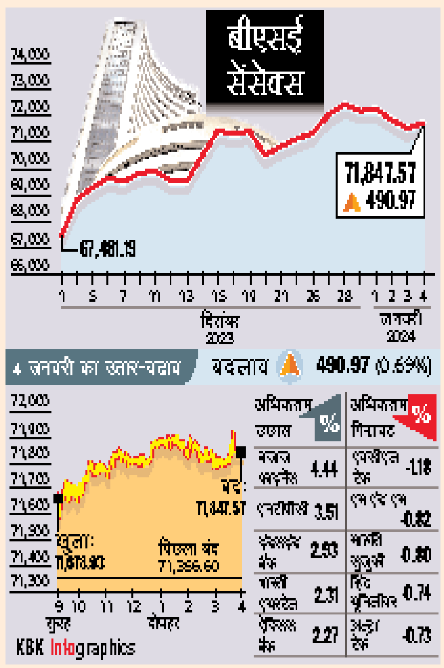

दौरान रियल्टी समूह में सबसे अधिक 6.52 प्रतिशत की तेजी रही। साथ ही कमोडिटीज 0.33, सीडी 0.83, ऊर्जा 0.54, एफएमसीजी 0.63, वित्तीय सेवाएं 1.35, हेल्थकेयर 0.54, इंडस्ट्रियल्स 0.91, आईटी 0.32, दूरसंचार 2.16, यूटिलिटीज 2.50, बैंकिंग 1.02, कैपिटल गुड्स 0.96, कंज्यूमर डयूरेबल्स 0.54, धातु 0.06, तेल एवं गैस 0.59, पावर 1.90, टेक 0.68 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.59 प्रतिशत उछल गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एटीएसई 0.24 और जर्मनी का डैक्स 0.37 प्रतिशत चढ़ गया। वहीं, जापान का निक्केई 0.53, हांगकांग का हैंगसेंग और चीन का शंघाई कंपोज़िट 0.43 प्रतिशत लुढ़क गया।

शुरूआती कारोबार में 322 अंक की छलांग लगाकर 71,678.93 अंक पर खुला सेंसेक्स बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 71,546.60 अंक के निचले स्तर पर आ गया। वहीं, लिवाली होने से यह कारोबार के अंतिम चरण में 71,954.79 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 71,356.60 अंक के मुकाबले 0.69 प्रतिशत उछलकर 71,847.57 अंक हो गया।

इसी तरह निफ्टी 88 अंक की बढ़त के साथ 21,605.80 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 21,564.55 अंक के निचले जबकि 21,685.65 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 21,517.35 अंक की तुलना में 0.66 प्रतिशत की तेजी लेकर 21,658.60 अंक पर रहा। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में बजाज फाइनेंस 4.44, एनटीपीसी 3.54, इंडसइंड बैंक 2.88, एक्सिस बैंक 2.23, टाटा मोटर्स 1.83, नेस्ले इंडिया 1.79, पावरग्रिड 1.77, इंफ़ोसिस 1.48, बजाज फिन सर्व 1.45, भारती एयरटेल 1.36, एचडीएफसी बैंक 1.03, सन फार्मा 0.96, टाइटन 0.78, रिलायंस 0.56, एलटी 0.53, टेक महिंद्रा 0.30, आईसीआईसीआई बैंक 0.22 और एशियन पेंट 0.16 प्रतिशत शामिल रही।

एटीएफ में कटौती के बाद इंडिगो ने की ईंधन शुल्क हटाने की घोषणा

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। बजट वाहक इंडिगो ने गुरुवार को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर लागू ईंधन शुल्क हटाने की घोषणा की।

एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में उछाल के बाद अक्टूबर, 2023 में ईंधन शुल्क लागू किया गया था। एयरलाइंस के प्रवक्ता ने कहा, एटीएफ की कीमतों में हालिया कटौती के साथ, इंडिगो चार्ज वापस ले रही है। प्रवक्ता ने कहा, चूंकि एटीएफ की कीमतें गतिशील हैं, हम कीमतों या बाजार स्थितियों में किसी भी बदलाव का जवाब देने के लिए अपने किराए और उसके घटकों को समायोजित करना जारी रखेंगे। इंडिगो किफायती, समय पर, विनम्र और परेशानी मुक्त यात्रा प्रदान करने के अपने वादे के प्रति प्रतिबद्ध है।

पिछले साल अक्टूबर में फ्यूल चार्ज लागू करने के बाद 500 किलोमीटर तक 300 रुपये, 501-1000 किलोमीटर तक 400 रुपये, 1001-1500 किलोमीटर तक 550 रुपये, 1501-2500 किलोमीटर तक 650 रुपये, 2501 से 3500 तक 800 और 3501 रुपये और इससे अधिक 1000 शुल्क लगाया गया था।

सार संक्षेप

जम्मू-कश्मीर पावर प्लांट ने राजस्थान को 40 साल तक बिजली आपूर्ति करने के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। एनएचपीसी लिमिटेड और जम्मू-कश्मीर स्टेट पावर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन की संयुक्त उद्यम कंपनी रैटले हाइड्रो इलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएचपीसीएल) ने राजस्थान ऊर्जा विकास एंड आईटी सर्विसेज लिमिटेड को बिजली की आपूर्ति के लिए पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) में प्रवेश किया है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने गुरुवार को ये जानकारी दी। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किए जाने वाले बिजली आवंटन के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में 850 मेगावाट की रैटले जलविद्युत परियोजना वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी) से 40 वर्षों की अवधि के लिए राजस्थान को बिजली प्रदान करेगी। पावर परचेज एग्रीमेंट पर बुधवार को जयपुर में आरएचपीसीएल और राजस्थान ऊर्जा विकास और आईटी सर्विसेज लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

सोने की कीमतें 70,000 रुपये की नई ऊंचाई की ओर बढ़ने के आसार

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई डायरेक्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, सोने की कीमतें 70,000 रुपये की नई ऊंचाई की ओर बढ़ने की संभावना है, जबकि बढ़ती औद्योगिक मांग के बीच चांदी की कीमतें 85,000 रुपये तक बढ़ सकती हैं। कमजोर डॉलर और अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में गिरावट के कारण सोने की कीमतें और बढ़ने की संभावना है। डॉलर और पैदावार में इस उम्मीद से गिरावट आई है कि यूएस फेड मार्च 2024 तक दरों में कटौती शुरू कर देगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि धीमी वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर चिंताएं और मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव अनिश्चितताओं के खिलाफ बचाव के रूप में सोने को मूल्यवान बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय बैंकों द्वारा अपने भंडार में विविधता लाते हुए खरीदारी का सिलसिला जारी रखने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कमजोर मांग के कारण कच्चे तेल को 90 डॉलर के करीब बाधा का सामना करना पड़ेगा। कच्चे तेल की कीमतें 60 से 90 डॉलर के दायरे में रहने की संभावना है, क्योंकि बाजार संतुलन में रह सकता है, क्योंकि इसकी संभावना कम है कि ओपेक गैर-ओपेक देशों में बढ़ते उत्पादन के साथ स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को बढ़ा सकता है। इसके अलावा, आर्थिक विकास पर अनिश्चितता को देखते हुए वैश्विक तेल की मांग में वृद्धि धीमी होने की संभावना है। मध्य पूर्व में तनाव बढ़ने से तेल की कीमतों को 60 डॉलर से नीचे गिरने से रोका जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एमसीएक्स पर कच्चे तेल की कीमतें आने वाले महीने में 5,000 रुपये के स्तर तक गिर सकती हैं।

जिंसों में टिकाव

नई दिल्ली, 4 जनवरी (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जनवरी का पाम ऑयल वायदा 21 रिंगिट बढ़कर 3672 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जनवरी का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.18 सेंट की गिरावट लेकर 48.42 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पड़े रहे।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दाल-दलहन : चना 5450-5550, दाल चना 6450-6550, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9450-9550, उड़द दाल 10000-10100, अरहर दाल 12000-12100 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और **चावल** : 2750-2850 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

6 कार निर्माताओं ने खराब पार्ट्स के चलते वापस बुलाए 72,000 से अधिक वाहन

- 13 विभिन्न मॉडलों की कुल 72,674 यूनिट्स को वापस बुलाई
- 63,991 टेस्ला यूनिट्स के ऑटो पायलट वाहन भी शामिल

सोल, 4 जनवरी (एजेंसियां)। टेस्ला कोरिया, हुंडई मोटर और चार अन्य कार निर्माता खराब कंपोनेंट्स के चलते 72,000 से ज्यादा वाहनों को वापस बुलाएंगे। इसकी जानकारी दक्षिण कोरिया के परिवहन मंत्रालय ने गुरुवार को दी। मंत्रालय के अनुसार, फोर्ड सेल्स एंड सर्विस कोरिया, निसान कोरिया, किआ कॉर्प और होंडा कोरिया सहित छह कंपनियां स्वेच्छा से 13 विभिन्न मॉडलों की कुल 72,674 यूनिट्स को वापस बुला रही हैं।

समाचार एजेंसी योनहाप की रिपोर्ट के अनुसार, जिन समस्याओं के कारण वापस बुलाया गया, उनमें मॉडल वाई सहित लगभग 63,991 टेस्ला यूनिट्स के ऑटो पायलट सिस्टम में सॉफ़्टवेयर एरर शामिल है। कंपनी के मॉडल एक्स की लगभग 1,990 यूनिट्स में टकराव के मामलों में डोर लॉक मैकेनिज्म में समस्याएं पाई गईं।

जी80 सहित हुंडई मॉडल की लगभग 2,400 यूनिट्स में पिछले पहिये के ड्राइव शाफ्ट में खराब कंपोनेंट्स पाए गए, जो गाड़ी चलाते समय टो वाहनों को रोकने के लिए प्रेरित कर सकते थे।

मंत्रालय ने कहा कि फोर्ड के मस्टैंग मॉडल की 2,156 यूनिट्स ब्रेक ऑयल की कमी के मामलों में ठीक से चेतावनी जारी करने में विफल रही। अल्टिमा 2.0 सहित निसान मॉडल की लगभग 1,100 यूनिट्स में रियर व्यू कैमरा यूनिट के साथ समस्याएं पाई गईं।

इसके अलावा, 922 किआ सेल्टोस कॉम्पैक्ट स्पोर्ट यूटिलिटी वाहनों को इसके एयर बैग सिस्टम में खराब पार्ट्स के चलते वापस बुलाया गया, जबकि 49 होंडा ओडिसी मिनीवैन यूनिट्स को खराब इंजन पार्ट्स के साथ खोजा गया।

खेल जगत

स्वितोलिना ने राडुकानु को तीन सेटों में हराया

ऑकलैंड, 4 जनवरी (एजेंसियां)।। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने एएसबी क्लासिक के दूसरे दौर में एम्मा राडुकानु की वापसी रोक दी और 2 घंटे 49 मिनट में 6-7(5), 7-6(3), 6-1 से जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। नंबर 2 वरीयता प्राप्त स्वितोलिना ने राडुकानु के खिलाफ एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए नंबर 5 वरीय खिलाड़ी मैरी बौज़कोवा के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जिन्होंने बुधवार को अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-1 से हराया। एक करीबी मुकाबले में राडुकानु ने पहले सेट में स्वितोलिना के देर से किए गए आक्रमण को रोक दिया और 5-1 की डबल ब्रेक की बढ़त गंवाने के बावजूद टाईब्रेक को 7-5 से जीत लिया। चोट के कारण आठ महीने की छुट्टी के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही राडुकानु जीत की कगार पर थी, जब वह दूसरे सेट के टाईब्रेक में 3-1 से आगे थी, लेकिन स्वितोलिना ने लगातार 10 अंक बनाकर मैच बराबर कर दिया।

दक्षिण अफ्रीका को सात विकेट हराकर भारत ने की बराबरी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 4 जनवरी (देशबन्धु)। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के गेंद से 'छक्के' तथा कप्तान रोहित शर्मा व यशस्वी जायसवाल की सलामी जोड़ी की 44 रन की भागीदारी भारत ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका को कैपटाउन में दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को लंच के करीब एक घंटा बाद सात विकेट से हरा कर सीरीज एक-एक से ड्रॉ समाप्त कराई। यह टेस्ट के इतिहास का सबसे छोटा टेस्ट रहा, जो मात्र 642 गेंद में खत्म हो गया। भारत ने पहला टेस्ट एक पारी और 32 रन से हारने के बाद गजब की वापसी कर गजब का जीवट दिखा बल्लेबाजी के लिए बेहद मुश्किल पिच पर दूसरा टेस्ट जीता। भारत की सातवें प्रयास में न्यूलैंडस, कैपटाउन में 31 बरस के बाद दक्षिण अफ्रीका से पहली बार टेस्ट जीता। 2011 के बाद भारत ने मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज एक-एक से ड्रॉ कराई। मैन ऑफ द' मैच भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज(6/15) ने कहर बरपाते हुए दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में पहले दिन लंच से पहले मात्र 55 रन पर उसके टेस्ट क्रिकेट के इतिहास के सबसे कम स्कोर पर समेटा। जवाब में भारत की टीम अपनी पहली पारी मात्र 153 रन पर सिमट गई थी। जसप्रीत बुमराह मेजबान दक्षिण अफ्रीका के डीन एल्गर के साथ संयुक्त मैन ऑफ द सीरीज रहे। बुमराह ने दूसरे टेस्ट में कुल आठ और सिराज ने सात विकेट चटकाए।

तेज गेंदबाज जसप्रीत (6/61)) ने भारत से पहली पारी में 98 रन से पिछडने् वाली मेजबान दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी सलामी बल्लेबाज एडेन मार्करम (106 रन,103 गेंद, दो छक्के, 17 चौके) के बेहतरीन शतक के बावजूद को लंच के समय 176 रन पर समेट दी। भारत को जीत के लिए दूसरी पारी में मात्र 79 रन बनाने का लक्ष्य मिला। कप्तान रोहित शर्मा और यशस्वी जायसवाल (28 रन, 23 गेंद, छह चौके) की पहली विकेट की 44 रन की भागीदारी की बदौलत भारत ने मात्र 12 ओवर में तीन विकेट खोकर 80 रन बनाकर टेस्ट मैच जीत लिया। रोहित शर्मा 22 गेंद खेल कर दो चौकों की मदद से 16 तथा श्रेयस अय्यर छह गेंद खेल कर एक चौके की मदद

से चार रन बनाकर नॉटआउट रहे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज नैंड्रे बर्गर ने यशस्वी जायसवाल को स्टब्ज के हाथों लॉन्ग लेग पर कैच करा उनकी और रोहित की पहले विकेट की भागीदारी को तोड़ा। शुभमन गिल (10 रन, 11 गेंद, 2 चौके) रबाडा की असमान उछाल से गच्चा खा कर बोल्ड हो गए और भारत ने दूसरा विकेट नौवें ओवर में 57 रन खोया। विराट कोहली (12 रन, 11 गेंद, दो चौके) को मार्को येनसन की गेंद पर कप्तान डीन एल्गर ने डीआरएस लिया और तीसरे अंपायर ने उन्हें जब विकेटकीपर वेरेनी के हाथों आउट घोषित किया और भारत ने तीसरा विकेट जब 12 वें ओवर की पहली गेंद पर 75 रन पर खोया तब जीत के लिए मात्र चार रन की जरूरत थी। येनसन ने नो बॉल की लेकिन अगली गेंद को श्रेयस अय्यर ने मिड ऑन के उपर से उड़ा भारत को सात विकेट से जीत दिला दी।

भारत के तेज गेंदबाज बुमराह ने पहले दिन खेल के आखिरी सत्र में ट्रस्टन स्टब्ज(1) का विकेट चटकाने के बाद बृहस्पतिवार सुबह दूसरे दिन लंच से पहले डेविड बेडिंघम (11 रन, 12 गेंद, 2 चौके), काइली वेरेनी(9 रन, 7 गेंद, 1 चौका), मार्को येनसन (11 रन, 9 गेंद, 2 चौके), केशव महाराज(3) और लुंगी एंगिडी (8 रन, 10 गेंद)को तीसरी स्लिप में यशस्वी जायसवाल के हाथों लपकवा आउट कर दक्षिण अफ्रीका की दूसरी पारी 176 रन पर समेटने में अहम भूमिका निभाई लेकिन शतक जडने् वाले मरक्रम का विकेट पहली पारी में गेंद से %छक्का' जड़ मेजबान टीम की पहली पारी 55 रन पर ढेर करने वाले मोहम्मद सिराज (1/31) ने निकाला। भारत के लिए मुकेश कुमार (2/56) ने दो और प्रसिद्ध कृष्णा (1/27) ने निकाला। भारत ने अपनी पहली पारी में 153 रन बना कर 98 रन की बढ़त ली थी।

एडन मरक्रम दूसरे दिन लंच से पहलश तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को निशाना बना उनके तीसरे ओवर में दो छक्कों और दो चौकों की मदद से 20 रन लेकर 94 रन पर पहुंचे। मरक्रम ने पारी के 30 वें और बुमराह के 13वें की चौथी गेंद को खेलने मे बुरी तरह चूकने के बाद खुद को एक छोर पर अकेला देखकर अगली दो गेंदों पर लगातार दो चौके जड़ कर 99 गेंद कुल 16 चौको की मदद से अपना मुश्किल स्थितियों मे बेहतरीन शतक पूरा

■ बुमराह के दूसरी पारी में गेंद से छक्के से भारत ने दक्षिण अफ्रीका से दूसरा टेस्ट जीत सीरीज ड्रॉ कराई

■ मार्करम का बेहतरीन शतक भी द. अफ्रीका के काम न आया

किया। मरक्रम अगले और सिराज के सातवें ओवर की तीसरी गेंद पर चौका जडने् के बाद उनकी गेंद को उड़ाने की कोशिश में लॉन्ग ऑन पर कप्तान रोहित शर्मा को कैच थमा कर पैवेलियन और दक्षिण अफ्रीका ने आठवां विकेट 162 रन खोया । रोहित फिर झुंझलाहट में गेंद वहीं पटकी। सिराज ने मौजूदा टेस्ट सीरीज में तीसरी बार मरक्रम को आउट किया। प्रसिद्ध कृष्ण ने अगले ओवर में कसिगो रबाडा(2) को कप्तान रोहित के हाथों मिड ऑन पर कैच थमा थमा दक्षिण अफ्रीका का स्कोर नौ विकेट पर 162 कर दिया। बुमराह ने एंगिडी (8) को जायसवाल के हाथों कैच करा उसकी दूसरी पारी36.5 ओवर में समेट दी। पहले दिन का खेल बंद होने तक दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी दूसरे दिन बृहस्पतिवार को तीन विकेट पर 62 रन से आगे शुरू की। भारत के सदाबहार अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने सुबह केशव महाराज (3) को गली में श्रेयस अय्यर के हाथों कैच करा दक्षिण अफ्रीका का स्कोर दूसरी दूसरी में सात विकेट पर 111 रन कर अपने टेस्ट करियर में नौवीं बार एक पारी में पांच विकेट चटकाए। टेस्ट क्रिकेट में बुमराह (9)अब कपिल देव (23), जहीर खान(11), इशांत शर्मा (11) और जवागल श्रीनाथ (10) के बाद भारत के लिए सबसे ज्यादा पांच विकेट लेने के बाद पांचवें नंबर पर हैं।

दक्षिण अफ्रीका ने सुबह दूसरे दिन अपनी दूसरी पारी तीन विकेट पर 62 रन से आगे शुरू की। बुमराह ने दूसरे दिन बृहस्पतिवार सुबह सबसे पहले डेविड बेडिंघम (11 रन, 12 गेंद, 2 चौके) को कोण बनाती गेंद को खेलने पर मजबूर कर विकेटकीपर केएल राहुल के हाथों कैच करा पहली कामयाबी दिलाई और दक्षिण अफ्रीका ने अपना चौथा विकेट 66 पर खो दिया। वह अपने बुधवार के स्कोर में मात्र चार ही और जोड़ पाए।

आरोन फिंच ने बिग बैश लीग से संन्यास की घोषणा की

मेलबर्न, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलियाई कप्तान आरोन फिंच ने मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ मौजूदा सीजन के अंत में बिग बैश लीग (बीबीएल) से संन्यास की घोषणा की है। 37 वर्षीय खिलाड़ी ने रेनेगेड्स और होबार्ट हरिकेंस के बीच मुकाबले से पहले गुरुवार को मार्वल स्टेडियम में इस खबर की पुष्टि करते हुए कहा कि मौजूदा सीजन उनका आखिरी सीजन होगा।

अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू दोनों स्तरों पर अपने असाधारण करियर पर विचार करते हुए, फिंच ने कहा कि उन्हें हर मिनट पसंद आया है। किसी भी क्षण की तुलना बीबीएल खिताब जीतने से नहीं की जा सकती, वह मेरे लिए बहुत खास था और कुछ ऐसा था जो मुझे याद रहेगा। मुझे अपने पूरे करियर में एक ही क्लब में खेलने पर गर्व है। फिंच सीजन 2 से 10 के बीच लगातार नौ सीजन तक रेनेगेड्स के कप्तान थे। वह 3311* रन के साथ क्लब के अग्रणी स्कोरर हैं और कई प्रशंसाओं के बीच बिग बैश लीग के ऑल-टाइम रन टैली में केवल क्रिस लिन से पीछे हैं। वर्तमान ऑस्ट्रेलियाई पुरुष कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड्स से क्लब की कप्तानी संभालने के बाद, एक नेता के रूप में फिंच का प्रभाव पूरे क्लब में महसूस किया गया। यह 2019 की शुरुआत में अपने चरम पर पहुंच गया जब उन्होंने प्रतिद्वंद्वी स्टार्स के खिलाफ एक यादगार फाइनल में मेलबर्न रेनेगेड्स को अपना पहला बीबीएल खिताब दिलाया। रेनेगेड्स के मुख्य कोच, डेविड सेकर ने कहा, फिंची रेनेगेड्स के साथ एक उत्कृष्ट सेवक और नेता रहे हैं, बिग बैश में एक ही क्लब में अपना करियर

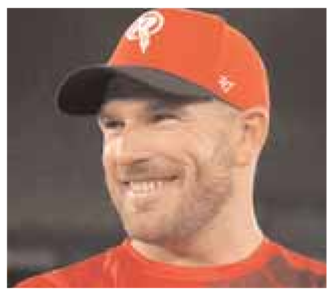

बिताना एक दुर्लभ उपलब्धि है। रेनेगेड्स के साथ जो कुछ भी सफल रहा है, फिंची ने किया है। मैंने पहली बार फिंची को तब प्रशिक्षित किया था जब उन्होंने विक्टोरिया के लिए अंडर-19 टीम की कप्तानी की थी और मैंने उन्हें एक नेता और व्यक्ति के रूप में विकसित होते देखा है। वह एक अद्वितीय प्रकार के नेता हैं, बहुत ही सामरिक रूप से जागरूक हैं जबकि वह अपने कई निर्णय आंतरिक भावना पर आधारित करते हैं, और यह एक है मैदान में साहसपूर्ण कार्य करना। फिंच 13 जनवरी को मेलबर्न डर्बी में मार्वल स्टेडियम में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ अपना विदाई बीबीएल मैच खेलेंगे। वह वर्तमान में टी20 क्रिकेट में 33.70 की औसत से 11,458 रन और 138.21 की स्ट्राइक रेट के साथ सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनका उच्चतम स्कोर 172 रन ऑस्ट्रेलिया के लिए 2018 में जिम्बाब्वे के खिलाफ आया था। फरवरी 2023 में, फिंच ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिससे उनके शानदार करियर का अंत हो गया, जिसके बाद उन्हें 2022 के अंत में वनडे से दूर जाना पड़ा।

अफ्रीका का कीवी दौरे पर कमजोर टीम भेजना टेस्ट के लिए खतरा

सिडनी, 4 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निक हॉकले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का न्यूजीलैंड में कमजोर टीम भेजना टेस्ट के लिए खतरे की घंटी है। हॉकले ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका का न्यूजीलैंड में एक कमजोर टीम भेजना टेस्ट क्रिकेट के लिए खतरे की घंटी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत जैसे तीन बड़े देशों के इतर भी टेस्ट क्रिकेट को प्रासंगिक बनाए रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट के भविष्य और उसके ऊपर चल रही चर्चाओं को ध्यान में रखते हुए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में कम से कम तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेले जाने की वकालत करने की तैयारी कर रही है। मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के प्रावधानों के अनुसार एक टेस्ट

सीरीज में कम से कम दो मैच खेलना अनिवार्य है। दक्षिण अफ्रीका और भारत के बीच चल रही सीरीज के 1-1 की बराबरी पर समाप्त होने की संभावना अधिक है। पिछली बार भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को छोड़कर कोई तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला 2018-19 में खेली गई थी, जब पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा किया था। उन्होंने कहा, कम से कम तीन टेस्ट मैच प्राथमिकता में होने चाहिए। इसलिए हम इसकी वकालत करते रहेंगे। जहां तक घरेलू स्तर की टी-20 श्रृंखलाओं की बात है तो हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे कि यह उन देशों में खेले जाने वाली श्रृंखलाओं के साथ ओवरलैप ना हो जहां ऐसी श्रृंखलाएं उनकी कमाई का अहम जरिया हैं।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एसए-20 लीग के कारण दक्षिण अफ्रीका के राजस्व पर पड़े प्रभाव को स्वीकारा है लेकिन इसके अफ्रीकी टीम का न्यूजीलैंड में अपनी दूसरे दर्जे की टीम को भेजने का फैसला चर्चा को अलग स्तर पर ले गया है। दक्षिण अफ्रीका ने इस पर बल देते हुए कहा है कि वह टेस्ट क्रिकेट के प्रति समर्पित हैं और आगे पूरी कोशिश करेंगे कि भविष्य में ऐसे टकराव की स्थिति उत्पन्न ना हो। उन्होंने कहा, यह हम सभी के लिए खतरे की घंटी है। बच्चों और नए लोगों को क्रिकेट की ओर आकर्षित करने में टी-20 की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता लेकिन हमारा विश्वास है कि इन दोनों का अस्तित्व एक साथ बना रह सकता है। मुझे लगता है कि हम ऑस्ट्रेलिया में इस बात को लेकर पूरी तरह से स्पष्ट हैं कि बिग बैश के दौरान भी हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को ही प्राथमिकता देंगे। और हम इस मसले पर आईसीसी के साथ आगे काम भी करेंगे।

धनंजय डी सिल्वा को श्रीलंका की टेस्ट कप्तान बने

कोलंबो, 4 जनवरी (एजेंसियां) धनंजय डी सिल्वा को दिमुथ करुणारत्ने की जगह श्रीलंका की टेस्ट टीम का कप्तान बनाया गया है। श्रीलंका के मुख्य चयनकर्ता उपुल थरंगा ने धनंजय डी सिल्वा टेस्ट टीम का कप्तान बनाये जाने की घोषणा की। थरंगा ने कहा कि मैं तीनों प्रारूपों के लिए एक ही कप्तान रखना पसंद करूंगा, लेकिन हमारे पास जो खिलाड़ी हैं उनके साथ हम इस समय ऐसा करने में असमर्थ हैं। धनंजय टेस्ट में श्रीलंका की कप्तानी संभालने वाले 18वें खिलाड़ी होंगे। वह 30 टेस्ट मैचों में कप्तानी कर चुके है जिसमें से 12 में जीत मिली, 12 में हार का सामना करना पड़ा और छह मैच ड्रॉ रहे। उनके नेतृत्व में श्रीलंका ने वर्ष 2019 की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका में एक यादगार टेस्ट सीरीज जीत हासिल की थी। इस घोषणा के साथ ही श्रीलंका 2024 की शुरुआत प्रत्येक प्रारूप के लिए एक नए कप्तान के साथ करेगा। हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट में कई बदलाव देखे गये हैं।

हाल ही में श्रीलंका क्रिकेट ने कुसल मेंडिस को एकदिवसीय और वनिंदु हसरंगा टी-20 अंतरराष्ट्रीय की कमान सौंपी थी। उन्होंने अपने करियर में अब तक 51 टेस्ट मैच खेले हैं। इस दौरान 91 पारियों में डी सिल्वा ने 39.77 की औसत और 57.24 की स्ट्राइक रेट से 3,301 रन बनाए हैं। टेस्ट में वह 13 अर्धशतक और 10 शतक लगा चुके हैं। टेस्ट में उनका सर्वाधिक स्कोर 173 रन रहा है।

सार संक्षेप

गेंदबाज़ों ने कमाल का प्रदर्शन किया : रोहित

केप टाउन। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका से दूसरा टेस्ट सात विकेट से जीतने और सीरीज में 1-1 से बराबरी करने के बाद कहा कि टीम ने पिछले मैच की गलतियों से सबक सीखते हुए दूसरे मैच में बेहतर प्रदर्शन किया। मैच के बाद रोहित ने कहा कि पिछले टेस्ट में हमने जो गलतियां की थी, उससे सीखते हुए हमने अच्छा प्रदर्शन किया। हमारे गेंदबाज़ों ने भी कमाल का प्रदर्शन किया। पहली पारी में हमारे पास लगभग 100 रनों की लीड थी। हालांकि यह उतना संतोषजनक नहीं था लेकिन पहले चार बल्लेबाज़ों ने काफ़ी बढ़िया प्रदर्शन किया था। रोहित ने प्लेयर ऑफ द मैच मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए कहा,%%सिराज ने कमाल का प्रदर्शन किया। हमने उन्हें चीज़ों को सरल रखने का संदेश दिया था। इसके अलावा बुमराह, मुकेश और प्रसिद्ध ने भी अच्छी गेंदबाज़ी की। भारतीय कप्तान ने कहा,%%यहां पर टेस्ट खेलना कहीं से भी आसान नहीं रहा है। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में हमारी टीम ने विदेशी धरती पर अच्छा प्रदर्शन किया है। इस मैच के बाद संन्यास लेने वाले डीन एल्गर की सराहना करते हुए रोहित ने कहा, एल्गर ने अपनी टीम के लिए बेहतरीन योगदान दिया है। उनके जैसे खिलाड़ी काफ़ी कम ही मिलते हैं। मैं उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देना चाहता हूं। रोहित ने पूरी टीम की तरफ़ से एल्गर को एक जर्सी गिफ़्ट की।

यह मेरा सबसे अच्छा प्रदर्शन था : सिराज

केपटाउन। भारत की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट की जीत में प्लेयर ऑफ़ द मैच बने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा कि यह टेस्ट में उनका सबसे अच्छा प्रदर्शन था। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में छह विकेट लेकर मात्र 55 रन पर ध्वस्त करने वाले सिराज ने गुरूवार को टेस्ट मैच के बाद कहा, टेस्ट में यह मेरा सबसे अच्छा प्रदर्शन था। सिराज ने दूसरी पारी में भी एडन मारक्रम का महत्वपूर्ण विकेट लिया। उन्होंने कहा, मै चाह रहा था कि सही एरिया में गेंदबाज़ी की जाए। पिछले मैच में मैं यह नहीं कर पाया था। वहीं से मिली सीख के कारण हम इस मैच में अच्छा प्रदर्शन कर पाए। जस्सी भाई (जसप्रीत बुमराह) हमेशा मुझे बताते हैं कि इस विकेट पर किस लाइन और लेंथ गेंद पर गेंदबाज़ी कर सकते हैं। इसी कारण से मेरे लिए काम आसान हो जाता है। डीन एल्गर और जसप्रीत बुमराह को संयुक्त रूप से प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का ख़िताब दिया गया।

अजारेंका क्वार्टर फाइनल में पहुंची, अगला मुकाबला ओस्टापेंको से होगा

ब्रिस्बेन, 4 जनवरी (एजेंसियां)। दो बार की पूर्व चैंपियन विक्टोरिया अजारेंका ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में फ्रांस की क्लारा बुरेल पर 7-5, 6-2 से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार,आठवीं वरीयता प्राप्त अजारेंका, विश्व नंबर 23, को अपनी पहली भिड़ंत में 22 वर्षीय बुरेल, पूर्व जूनियर विश्व नंबर 1, जो अब 56वें ??स्थान पर है, की कड़ी चुनौती को समाप्त करने के लिए 1 घंटे और 33 मिनट का समय लगा।

34 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में पांचवीं बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अजारेंका ने 2009 और 2016 में ब्रिस्बेन में खिताब जीता और 2014 में फाइनलिस्ट भी रहीं।

दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब विजेता अजारेंका का क्वार्टर फाइनल में अब एक और ग्रैंड स्लैम चैंपियन, नंबर 3 वरीयता प्राप्त जेलेना ओस्टापेंको से मुकाबला होगा।

ओस्टापेंको ने गुरुवार को नंबर 16 वरीयता प्राप्त कैरोलिना प्लिस्कोवा को 2 घंटे और 17 मिनट में 6-2, 4-6, 6-3 से पराजित किया।

ओस्टापेंको ने ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में प्लिस्कोवा की 10 मैचों की जीत का सिलसिला तोड़ दिया। प्लिस्कोवा, जिन्होंने दूसरे दौर में पूर्व विश्व नंबर 1 नाओमी ओसाका को हराया, तीन बार ब्रिस्बेन चैंपियन हैं, जिसमें 2019 और 2020 में टूर्नामेंट के दो सबसे हालिया संस्करण शामिल हैं।

पूजा, दीप्ति और श्रेयंका पर भरोसा : रीमा मल्होत्रा

नवी मुंबई, 4 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रीमा मल्होत्रा का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 5 जनवरी से डीवाई पाटिल स्टेडियम में शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज से पहले काफी कुछ पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा और श्रेयंका पाटिल पर निर्भर रहेगा। भारत को अपनी आखिरी टी20 सीरीज में पिछले महीने वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

हालांकि, उन्होंने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार टेस्ट जीते, लेकिन भारत को एलिसा हीली की अगुवाई वाली टीम के खिलाफ वनडे सीरीज में 3-0 से हार का सामना करना पड़ा। अब तक सफेद गेंद के मैचों में पूजा, दीप्ति और श्रेयंका भारत के लिए विकेट लेने वालों में से रही हैं।

यह एक टी20 सीरीज है, इसलिए बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा लेकिन गेंदबाज भी भारत के लिए उतने ही महत्वपूर्ण हैं। श्रेयंका पाटिल ने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैचों में खुद को साबित किया। मुझे नहीं लगता कि आप दीप्ति

शर्मा को तस्वीर से दूर रख सकते हैं, वह अपनी कहानी खुद लिख रही हैं और इस बार उन्होंने इसे सोने में लिख दिया है क्योंकि वह शानदार फॉर्म में हैं। रीमा ने जियो सिनेमा के दैनिक शो आकाशवाणी पर कहा, एक और नाम जो मैं जोड़ना चाहूंगी वह है पूजा वस्त्राकर 2.0, जिस तरह से उन्होंने सीरीज में प्रदर्शन किया वह शानदार था। इस टी20 सीजन में उनकी भूमिका टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगी। साथ ही, ये तीन खिलाड़ी बल्ले से भी समान रूप से योगदान दे सकते हैं। इसलिए, गेंदबाजी विभाग में प्रदर्शन करने के लिए इन तीनों पर बहुत कुछ निर्भर है।

भारत के खेल का सबसे निराशाजनक पहलू फील्डिंग रहा है, जो वनडे सीरीज की हार में देखा गया था जब उन्होंने बहुत सारे कैच छोड़े और बहुत सारे मिसफील्ड किए। रीमा को लगता है कि फील्डिंग में गलतियां दोहराई नहीं जानी चाहिए और उन्हें उम्मीद है कि वे टी20 श्रृंखला में इस विभाग में सुधार करेंगे।

अगर आप ऑस्ट्रेलिया को हराना चाहते हैं, तो आपको उन्हें तीनों विभागों में हराना होगा। भारत के साथ बल्लेबाजी और गेंदबाजी में थोड़ी समस्या थी, लेकिन मेरा मानना है कि इससे अभी भी उबरा जा सकता है क्योंकि भारत अच्छा खेल रहा है। लेकिन मुझे लगता है कि मुख्य समस्या फील्डिंग है। फिटनेस के मामले में मुझे लगता है कि इस टीम में काफी सुधार हुआ है। हमने देखा कि उन्होंने एक ही मैच में बहुत सारे कैच छोड़े और ऐसी गलतियां दोहराई नहीं जा सकती। इसलिए, मुझे लगता है कि उन्हें बस खुद पर विश्वास करने की जरूरत है, और वे सुधार करेंगे।

आईसीसी वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 के लिए नामित हुए कोहली, शमी, गिल

नई दिल्ली, 4 जनवरी (आईएएनएस)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली, अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की तिकड़ी को आईसीसी पुरुष वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल इस पुरस्कार के लिए चौथे और एकमात्र गैर-भारतीय नामांकित व्यक्ति हैं। विराट कोहली ने 2022 के बाद शानदार 2023 के साथ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी वापसी की, जहां उन्हें घरेलू धरती पर पुरुष वनडे विश्व कप में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया। उन्होंने विश्व कप में अपनी 11 पारियों में से नौ में कम से कम अर्धशतक जमाया और कुल 765 रन बनाये। उनके 765 रन पुरुषों के वनडे विश्व कप में किसी भी व्यक्तिगत बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे अधिक रन हैं, जो 2003 में सचिन तेंदुलकर द्वारा बनाए गए पिछले रिकॉर्ड से आगे निकल गए।

कोहली ने टूर्नामेंट को 95.62 के औसत और 90.31 के स्ट्राइक रेट के साथ तीन शतकों के साथ समाप्त किया। मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भारत ने 397 रन का मैच विजयी स्कोर भी शामिल किया। सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ कोहली का शतक उनका 50वां एकदिवसीय शतक भी था, जिससे वह प्रारूप के इतिहास में अग्रणी शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए।

हालांकि, उन्होंने फाइनल में एक और अर्धशतक के साथ टूर्नामेंट का अंत किया, लेकिन इससे भारत को जीत नहीं मिली।

उन्होंने 24 पारियों में छह शतक और आठ अर्धशतक दर्ज करते हुए 72.47 की औसत से 1377 रन के साथ वर्ष का समापन किया। दूसरी ओर, विश्व कप के पहले कुछ मैचों में बाहर रहने के बावजूद हार्दिक पांड्या की चोट के कारण शमी को प्लेइंग-11 में शामिल किया गया और उन्होंने 10.7 की शानदार औसत के साथ 24 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज के रूप में टूर्नामेंट का समापन किया।

शमी ने टूर्नामेंट में खेले गए सात मैचों में तीन बार पांच विकेट और एक बार चार विकेट लिए। इस तेज गेंदबाज ने पुरुषों के वनडे विश्व कप में भारत की ओर से सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया और केवल 18 मैचों में अपने विकेटों की संख्या 55 तक पहुंचा दी। इस बीच गिल ने वनडे मैचों में ऐसा प्रदर्शन किया कि 2023 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वो सबसे सफल बल्लेबाज रहे। उन्होंने 2023 में प्रारूप में 63.36 की औसत से 1584 रन बनाए, जिससे यह वनडे मैचों में एक वर्ष में भारतीय पुरुष बल्लेबाज द्वारा रनों की पांचवीं सबसे बड़ी संख्या बन गई। केवल सचिन तेंदुलकर (1996, 1998), राहुल द्रविड़ (1999) और सौरव गांगुली (1999) उनसे आगे हैं।

पांच शतकों और 100 से अधिक की स्ट्राइक-रेट के साथ गिल कप्तान रोहित शर्मा के साथ भारत के लिए शीर्ष क्रम में एक चट्टान थे और दोनों ने वर्ष में कई यादगार ओपनिंग स्टैंड बनाए। उन्होंने पुरुष वनडे विश्व कप 2023 को 44.25 की औसत से 354 रनों के साथ समाप्त किया। गिल डेंगू से पीड़ित के कारण पहले दो मैचों में नहीं खेल सके, लेकिन जल्द ही उन्होंने वापसी की और बांग्लादेश के खिलाफ अर्धशतक जमाया।

उन्होंने टूर्नामेंट का अंत चार अर्द्धशतकों के साथ किया, जिसमें नाबाद 80 रन भी शामिल थे। उन्होंने हैदराबाद में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 149 गेंदों पर 208 रन की जबरदस्त पारी खेली। मिचेल 2023 में एकदिवसीय मैचों में शीर्ष फॉर्म में थे और उन्होंने 1204 रनों के साथ वर्ष का समापन किया, जो न्यूजीलैंड के किसी खिलाड़ी द्वारा प्रारूप में एक कैलेंडर वर्ष में तीसरा सबसे अधिक रिकॉर्ड था।